हिंदी दैनिक

नागपुर मेट्रो समाचार

BCN GROUP

RNI.NO - MAHHIN/2019/78960 | P.NO : NPCITY/516/2021-2023 | नागपुर, सोमवार, 2 दिसंबर 2024 | अंक 50 / वर्ष 6 / पृष्ठ 8+4 / कीमत 3/-

शिवशंकर आयुर्वेदिक

क्या डायबिटीज से परेशान ही ?

डायबेटीज चेकअप करके

पर Dr. B.A.M.S., M.D. अनुभवी चिकित्सक द्वारा चिकित्सा उपचार किया जाता है।

तथा दमा, अस्थमा, एलर्जी / सभी प्रकार के वात रोग/ लखवा/ स्त्रिरोग/ पुरूष के शुक्राणू दोष/ निसंतान/ किडनी स्टोन/ डायबिटीज से परेशान/ वेट लॉस/ वेट गेन/पिंपल्स/ फ्रेअसनेस/ स्किन प्रॉब्लेम/ पाईल्स/ एवं अन्य बिमारीयों पर भी उपचार किया जाता है।

नागपूर का भव्य शोरूम महाजन मार्केट के पास, टेम्पल बाजार, सिताबर्डी, नागपूर.

फोन : 9112079000 / 8605245080

आयुर्वेदिक दवाईया तथा जडीबुटीयों का विशाल भंडार

वक्फ का कितनी संपत्तियों पर है कब्जा ?

> संसदीय समिति ने राज्यों से मांगा ब्योरा

> सच्चर समिति की रिपोर्ट में कब्जे का उल्लेख

> विवादित संपत्तियों का भी देना होगा ब्योरा

नई दिल्ली।

वक्फ (संशोधन) विधेयक पर विचार कर रही संसदीय समिति ने विभिन्न राज्य सरकारों से उन वक्फ संपत्तियों की सत्यता और अद्यतन विवरण के बारे में जानकारी मांगी है जिन पर सच्चर समिति के अनुसार उन्होंने अनधिकृत तरीके से कब्जा कर रखा है। सूत्रों ने यह जानकारी दी।

संसदीय समिति का कार्यकाल लोकसभा द्वारा अगले बजट सत्र के अंतिम दिन तक बढ़ा दिया गया है। समिति ने राज्यों से वक्फ अधिनियम की धारा 40 का इस्तेमाल करते हुए वक्फ बोर्डों द्वारा दावा की गई संपत्तियों का विवरण भी मांगा है। प्रस्तावित कानून में मौजूदा अधिनियम में कई अन्य बदलाव करते हुए इस शक्ति पर अंकुश लगाने का प्रयास किया गया है। सूत्रों ने बताया कि संसदीय समिति ने सच्चर समिति द्वारा उन वक्फ संपत्तियों के बारे में उठाए गए बिंदुओं पर अद्यतन जानकारी मांगने का निर्णय लिया है, जो राज्य सरकारों या उनकी आधिकारिक एजेंसियों के कथित तौर पर अनधिकृत कब्जे में हैं।

सच्चर समिति को 2005-06 के दौरान विभिन्न राज्य वक्फ बोर्ड द्वारा कथित अनधिकृत कब्जे के बारे में सूचित किया गया था। संसदीय समिति केंद्रीय अल्पसंख्यक कार्य मंत्रालय के माध्यम से राज्यों से जानकारी एकत्र कर रही है।

सूत्रों ने बताया कि भारतीय जनता पार्टी सांसद जगदम्बिका पाल की अध्यक्षता वाली समिति ने पाया है कि 2005-06 में सच्चर समिति को दी गई रिपोर्ट में दिल्ली में 316, राजस्थान में 60 और कर्नाटक में 42 ऐसी संपत्तियों के बारे में बताया गया था। इनमें से 53 मध्यप्रदेश में, 60 उत्तरप्रदेश में और 53 ओडिशा में थे।

धारा 40 पर छिड़ी बहस

कांग्रेस सरकार ने 2013 में वक्फ अधिनियम में संशोधन किया था। इस कानून की धारा 40 पर सबसे अधिक विवाद है। दरअसल, यह धारा वक्फ बोर्डों को यह तय करने का अधिकार देता है कि कोई संपत्ति वक्फ की है या नहीं। अब मौजूदा संशोधन विधेयक में इस पर ही अंकुश लगाने की तैयारी है। हालांकि विपक्षी दलों समेत कई मुस्लिम संगठनों ने सरकार के कदम की आलोचना की। उन्होंने विधेयक को धार्मिक मामलों में हस्तक्षेप करार दिया।

कानूनी विवाद वाली संपत्तियों का भी देना है ब्योरा

समिति ने राज्य सरकारों से उन मामलों का विवरण साझा करने का भी आग्रह किया गया है, जहां उनकी एजेंसियां किसी संपत्ति के स्वामित्व या कब्जे को लेकर वक्फ बोर्ड के साथ कानूनी विवाद में शामिल हैं। यूपीए सरकार ने भारत में मुस्लिम समुदाय की सामाजिक, आर्थिक और शैक्षिक स्थिति का अध्ययन करने के लिए 2005 में सच्चर समिति का गठन किया था। इस समिति ने 2006 में अपनी रिपोर्ट प्रस्तुत की।

सूत्रों ने बताया कि समिति ने इन सभी छह राज्यों से अद्यतन जानकारी मांगी है। उन्होंने बताया कि समिति को कई अन्य राज्यों से भी जानकारी मिली है। एक सूत्र ने पत्र का हवाला देते हुए कहा, उपर्युक्त राज्यों के मुख्यमंत्री कृपया सच्चर समिति की रिपोर्ट में दी गई जानकारी की सत्यता की विस्तार से जांच करें... और इस समिति को विस्तार से जानकारी दें।

तत्कालीन संप्रग सरकार ने भारत में मुस्लिम समुदाय की सामाजिक, आर्थिक और शैक्षणिक स्थिति का अध्ययन करने के लिए 2005 में सच्चर समिति का गठन किया था। लोकसभा ने गत 28 नवंबर को वक्फ (संशोधन) विधेयक पर विचार कर रही संसद की संयुक्त समिति का कार्यकाल अगले साल बजट सत्र के आखिरी दिन तक के लिए बढ़ाने को मंजूरी दी थी।

खबरें! एक नजर में!!

महाकाल मंदिर में एटीएम से मिलेगा प्रसाद

उज्जैन। बाबा महाकाल की नगरी उज्जैन में अब लड्डू प्रसाद लेने के लिए लंबी लाइनों से छुटकारा मिलेगा। देश शायद ये पहला मंदिर है जहां एटीएम जैसी मशीन के जरिए श्रद्धालुओं को प्रसाद की सुविधा मिलेगी। मंदिर में क्यूआर कोड स्कैन करके पेमेंट करनी होगी। जिसके बाद लड्डू का पैकेट मशीन से बाहर निकलेगा। रविवार को एटीएम मशीन का शुभारंभ बीजेपी राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा और सीएम डॉ.मोहन यादव के द्वारा किया गया।

इंडो-बांग्ला इंटरनेशनल बस पर हमला

नई दिल्ली। बांग्लादेश के रास्ते कोलकाता से त्रिपुरा तक चलने वाली बस पर बांग्लादेश के ब्राह्मणबारिया जिले की बिस्वा रोड पर हमला किया गया है। इस हमले को लेकर त्रिपुरा के सीएम मणिक साहा ने कहा है कि जो भी लोग इन घटनाओं और बांग्लादेश में अल्पसंख्यकों पर होने वाले अत्याचारों में शामिल हैं, उन्हें खुद को सुधारना चाहिए। नहीं तो भारतीय अधिकारी सही समय पर उचित कार्रवाई करेंगें।

क्रैश होते-होते बची इंडिगो फ्लाइट

नई दिल्ली। साइक्लोन फेंगल का असर चेन्नई शहर में भी देखने को मिला, जब इंडिगो के एक विमान की क्रैश लैंडिग होती-होती बची। वायरल हुए वीडियो में देखा जा सकता है कि कैसे विमान लैंडिंग के दौरान जमीन से टकरा जाता है और संभलने की कोशिश करता है। उस वक्त शहर में चक्रवात के कारण भारी बारिश और तेज हवाएं हो रही थीं। आखिरी समय में विमान लैंडिंग रोक लेता है और फिर उड़ जाता है।

यूएस में पटेल बने एफबीआई के डायरेक्टर

वाशिंगटन। भारतीय मूल के काश पटेल को अमेरिका के नवनिर्वाचित राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने फेडरल इन्वेस्टिगेशन ब्यूरो (एफबीआई) का नया डायरेक्टर बनाया है। डोनाल्ड ट्रंप ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ट्रूथ पर इस बात की घोषणा की और काश पटेल के कामों और एचीवमेंट्स के बारे में बताया। अभी हाल ही में ट्रंप ने अमेरिकन हिंदू महिला तुलसी गबार्ड को यूएस इंटेलीजेंस ब्यूरो की कमान सौंपी थी।

सैयद शुजा के खिलाफ एफआईआर दर्ज

मुंबई। चुनाव आयोग ने ईवीएमहैक करने का दावा करने वाले सैयद शुजा के खिलाफ एफआईआर दर्ज कराई है। 30 नवंबर को साउथ मुंबई के साइबर पुलिस स्टेशन में भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) और आईटी एक्ट के तहत मामला दर्ज किया गया। 14 नवंबर को सैयद शुजा का एक वीडियो वायरल हुआ था। इसमें वो दावा कर रहा था कि वह महाराष्ट्र चुनावों में इस्तेमाल की जाने वाली (ईवीएम को हैक कर सकता है।

इंफोसिस पर 283 करोड़ का जुर्माना

नई दिल्ली। भारत के अरबपति बिजनेसमैन नारायण मूर्ति को तगड़ा झटका लगा है।. उनके टेक कंपनी इंफोसिस पर अमेरिका में 283 करोड़ रुपये का भारी-भरकम जुर्माना लगाया गया है। आरोप हैं कि इंफोसिस अेरिका में इमिग्रेशन फ्रॉड के सबसे बड़े मामले में लिप्त है। हालांकि अब कंपनी इस पूरे मामले से निपटने में जुटी हुई है।

कमजोर पड़ा चक्रवात फेंगल

नई दिल्ली।

बंगाल की खाड़ी में उठा चक्रवाती तूफान फेंगल पुडुचेरी के पास तट से टकराने के बाद रविवार को शांत पड़ गया। इस चक्रवात ने अपने प्रभाव से केंद्र शासित प्रदेश को अस्त व्यस्त कर दिया। बाढ़ग्रस्त इलाकों से लोगों को बचाने के लिए सेना के जवानों को आगे आना पड़ा। लोगों ने बताया कि पिछवे तीन दशक से उन्होंने ऐसा प्रकोप नहीं देखा।

तमिलनाडु के विल्लुपुरम मे भी भारी बारिश ने तबाही मचा दी। मुख्यमंत्री एमके सेटालिन ने जिले में बारिश को अभूतपूर्व करार दिया। शनिवार को चेन्नई एयरपोर्ट पर परिचालन निलंबित कर दिया गया था, लेकिन आधी रात को फिर से शुरू कर दिया गया। कई उड़ाने रद्द भी हो गईं वहीं कई ने देरी से उड़ान भरी।

मौसम कार्यालय ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्मपर पोस्ट करते हुए कहा, उत्तरी तटीय तमिलनाडु और पुदुचेरी के ऊपर चक्रवाती तूफान फेंगल अब कमजोर हो गया। अब इसके पश्चिम की ओर बढ़ने और अगले 12 घंटों के दौरान उत्तरी तमिलनाडु पर कमजोर होकर दबाव में बदलने की संभावना है। इस चक्रवाती तूफान के कारण पुडुचेरी में सामान्य जनजीवन अस्त-व्यस्त हो गया। यहां 46 सेंटीमीटर तक बारिश हुई।

चक्रवात फेंगल के कारण हुई भारी बारिश से बुलेवार्ड सीमा के बाहरी इलाके जलमग्न हो गए। कई इलाकों में पेड़ उखड़ गए।

शनिवार की रात 11 बजे से अधिकांश इलाकों में बिजली गुल हो गई। सरकार ने निचले इलाकों से निकाले गए लोगों के लिए राहत केंद्र स्थापित किए। इस चक्रवात के कारण परिवहन सेवाएं प्रभावित हुईं। पुडुचेरी हेरिटेज राउंड टेबल 167 जैसे स्वैच्छिक संगठनों ने राहत शिविरों में रहने वाले लोगों को भोजन के पैकेट की आपूर्ति करने के लिए सरकार के प्रयासों में मदद की। कुछ प्रभावित स्थानों पर, बाढ़ प्रभावित स्थानीय निवासियों को निकालने के लिए नावें तैनात की गईं। 32 राहत शिविरों में एक हजार से अधिक लोगों को रखा गया है। उन्हें भोजन और पानी उपलब्ध कराया जा रहा है। रविवार तक 9.10 लाख भोजन पैकेट वितरित किए गए हैं।

महाराष्ट्र चुनाव में हुई धांधली की होगी जांच ?

> जॉन ब्रिटास ने मुख्य चुनाव आयुक्त को दिखाए आंकड़े

नई दिल्ली।

सीपीआई(एम) के राज्यसभा सांसद जॉन ब्रिटास ने मुख्य चुनाव आयुक्त को महाराष्ट्र चुनावों में मतदान प्रतिशत के संबंध में कथित धांधली और असमानताओं पर पत्र लिखा है। उन्होंने इस मामले में जांच करने और उनका समाधान करने की मांग की है।

उन्होंने पत्र में लिखा कि सबसे पहले, मैं हमारी लोकतांत्रिक प्रक्रिया की सुरक्षा में भारत के चुनाव आयोग की प्रतिष्ठित संवैधानिक भूमिका के प्रति गहरा सम्मान व्यक्त करना चाहता हूँ। हालाँकि, हाल ही में मतदाता मतदान के आंकड़ों और चुनाव बाद के पैटर्न के बारे में कुछ आरोप सार्वजनिक डोमेन में सामने आए हैं, विशेष रूप से महाराष्ट्र विधानसभा चुनावों के संदर्भ में, जिन पर आपका ध्यान देने की आवश्यकता है। समाचार रिपोर्टों में उल्लिखित डेटा से पता चलता है कि शाम 5:00 बजे, महाराष्ट्र में मतदान 58.22% दर्ज किया गया था मतगणना शुरू होने से कुछ घंटे पहले मतदान को 66.05% तक अपडेट किया गया, जिसमें 7.83% की वृद्धि हुई, जो लगभग 76 लाख अतिरिक्त वोटों के बराबर था। हालांकि मुझे यकीन है कि मतदाता मतदान के आंकड़ों की सटीकता सुनिश्चित करने के लिए चुनाव आयोग के पास मजबूत तंत्र हैं, लेकिन इस स्पष्ट चुनाव-पश्चात वृद्धि का दावा कई लोगों द्वारा ऐतिहासिक मानदंडों से अधिक होने का दावा किया जाता है।

जॉन ब्रिटास ने कहा कि ईमानदारी और पारदर्शिता के लिए ईसीटी की लंबे समय से चली आ रही प्रतिष्ठा को देखते हुए, मुझे विश्वास है कि इन चिंताओं को हमारी चुनावी प्रक्रियाओं की विश्वसनीयता बनाए रखने के लिए पूरी तरह से संबोधित किया जाएगा। मतदाता मतदान के आंकड़ों में कथित विसंगतियों के बारे में विभिन्न तिमाहियों से चिंताएँ उभरी हैं।महाराष्ट्र में हाल ही में हुए विधानसभा चुनावों में 11 उम्मीदवारों ने अपने जिलों की 137 इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीनों (ईवीएम) के माइक्रो-कंट्रोलरों की जांच की मांग की है। इसके लिए कुल मिलाकर 66.64 लाख रुपए का भुगतान भी किया है। इन उम्मीदवारों में एनसीपी (एसपी) के बारामती उम्मीदवार युगेंद्र पवार, एनसीपी (एसपी) के हडपसर उम्मीदवार प्रशांत जगताप और कांग्रेस के पुणे छावनी उम्मीदवार रमेश बागवे शामिल हैं।

'महायुति में कोई विवाद नहीं है'

> विपक्ष पर बरसे कार्यवाहक मुख्यमंत्री शिंदे

मुंबई।

महाराष्ट्र में सरकार गठन को लेकर जारी संकट के बीच राज्य के कार्यवाहक मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे रविवार को सतारा के जननी देवी मंदिर पहुंचे। इसके बाद वह हेलीकॉप्टर से मुंबई पहुंचे। इससे पहले मीडिया से बात करते हुए उन्होंने कहा कि महायुति में कोई विवाद नहीं है। मेरी तबीयत ठीक है। मैं आराम करने के लिए गांव आया था. मैंने ढाई साल में छुट्टी नहीं ली।

शिंदे ने कहा कि चुनाव के दौरान मैंने बहुत मेहनत की थी। इसलिए मैं थोड़ा आराम करने के लिए गांव आया था। उन्होंने आगे कहा कि अमित शाह के साथ बैठक हुई थी। अब महागठबंधन के नेताओं की बैठक हुई है. राज्य के हित में निर्णय लिया जाएगा। हम लोगों की उम्मीदों को पूरा करेंगे।

वहीं, विपक्ष पर निशाना साधते हुए उन्होंने कहा कि विपक्ष के पास कोई काम नहीं बचा है. हमारा कोई विवाद नहीं है. वे (महा विकास आघाड़ी) विपक्ष का नेता भी नहीं बना सकते. इसलिए वह ईवीएम का मुद्दा उठा रहे हैं. विपक्ष को लोकसभा चुनाव, झारखंड, तेलंगाना, कर्नाटक में भी सफलता मिली थी. उस समय उन्होंने सवाल क्यों नहीं उठाया.

अब आगरा की जामा मस्जिद का होगा जीपीआर सर्वे

> मस्जिद की सीढ़ियों के नीचे श्रीकृष्ण की मूर्तियां दबी होने का दावा

नई दिल्ली।

संभल की जामा मस्जिद और अजमेर में ख्वाजा मुइनुद्दीन चिश्ती की दरगाह के बाद अब आगरा की जामा मस्जिद का मामला भी अदालत पहुंच गया है। आगरा की जामा मस्जिद में नीचे भगवान श्रीकृष्ण की मूर्ति होने का दावा किया गया है। कोर्ट में याचिका दायर कर जामा मस्जिद की सीढ़ियों की ग्राउंड पेनेट्रेटिंग रडार (जीपीआर) से सर्वे कराने की मांग की गई है।

आगरा की कोर्ट में दायर याचिका में योगेश्वर श्रीकृष्ण जन्मस्थान सेवा संघ ट्रस्ट और श्रीकृष्ण जन्मभूमि संरक्षित सेवा ट्रस्ट ने कहा है कि आगरा की जामा मस्जिद की सीढ़ियों के नीचे

श्रीकृष्ण की मूर्तियां दबी हैं। जाने-माने कथावाचक देवकीनंदन ठाकुर से जुड़े इन दोनों ट्रस्ट की याचिका पर फिलहाल 23 दिसंबर कोई सुनवाई होनी है। कोर्ट से अपील की गई है कि जामा मस्जिद की सीढ़ियों के नीचे दबी मूर्तियों को निकलवा कर उन्हें सौंप दी जाएं। इसमें यह भी दावा किया गया है कि औरंगजेब ने साल 1670 ईस्वी में केशवदेव मंदिर को ढहा दिया था। उसमें रखी मूर्तियों को ही आगरा की जामा मस्जिद में दफन किया था।

वादी की ओर से अधिवक्त अजय प्रताप सिंह ने अपनी याचिका में एक किताब का हवाला दिया है। इसमें उन्होंने कहा है कि भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (एएसआई) के पहले डायरेक्टर जनरल अलेक्जेंडर कनिंघम ने एक किताब लिखी है। इसका नाम है, ए टूर इन ईस्टर्न राजपूताना 1882-83।इसी किताब में अलेक्जेंडर कनिंघम ने यह दावा किया है कि औरंगजेब ने श्रीकृष्ण भगवान की मूर्तियों को कुदसिया बेगम की सीढ़ियों के नीचे दबा दिया था।

क्या है ग्राउंड पेनेट्रेटिंग रडार ?

ग्राउंड पेनेट्रेटिंग रडार सिग्नल (जीपीआर) का इस्तेमाल बहुत सी वस्तुओं का पता लगाने में किया जा सकता है।

दिल्ली कूच करेंगे किसान

> नहीं लाएंगे ट्रैक्टर-ट्रॉली

नई दिल्ली।

अपनी मांगों को लेकर हरियाणा-पंजाब के शंभू बॉर्डर और खनौरी बॉर्डर पर प्रदर्शन कर रहे किसान 6 दिसंबर को दिल्ली कूच करेंगे। लेकिन ट्रैक्टर ट्रोलियां आगे ले जाने की इजाजत ना होने के मद्देनजर किसानों ने ऐलान किया है कि इस बार वो ट्रैक्टर ट्राली लेकर आगे नहीं बढ़ेंगे, बल्कि पैदल ही अलग-अलग जत्थों में दिल्ली की और 6 दिसंबर को रवाना होंगे और दिल्ली पहुंच कर अपने आंदोलन को आगे बढ़ाएंगे।

किसान आंदोलन 2.0 को शुरू हुए लगभग 9 महीने से ज्यादा का समय हो चुका है। ऐसे में किसान पंजाब- हरियाणा की सीमा पर शंभू और खनौरी बॉर्डर पर बैठे हुए हैं और प्रदर्शन कर रहे हैं. इसी के बाद अब किसानों ने दिल्ली कूच करने का निर्णय ले लिया है।

प्रदर्शनकारी किसान 13 फरवरी से पंजाब और हरियाणा के बीच शंभू और खनौरी बॉर्डर पर डेरा डाले हुए हैं। इसी के बाद अब केएमएम नेता सरवन सिंह पंढेर ने कहा, लंबे इंतजार के बाद, उन्होंने दिल्ली जाने का फैसला किया है। उन्होंने कहा, हम 6 दिसंबर को दिल्ली की ओर बढ़ेंगे। पंढेर ने कहा कि किसान रोजाना सुबह 9 बजे से शाम 5 बजे तक यात्रा करेंगे. पंढेर ने

उम्मीद जताई कि हरियाणा सरकार भी किसानों की मदद करेगी. किसानों का पहला चरण अंबाला के जग्गी गांव में होगा। किसानों का कहना है कि सरकार उन से बात नहीं कर रही है। संयुक्त किसान मोर्चा (गैर-राजनीतिक) और किसान मजदूर मोर्चा सरकार से फसलों के लिए एमएसपी की कानूनी गारंटी की मांग कर रहे हैं। किसान लीडर ने कहा, हम शांति से बैठ कर पिछले 9 महीने से सरकार से बात करने का इंतजार कर रहे हैं। लेकिन कोई एक्शन नहीं लिया गया, इसके बाद हमारे पास अब कोई ऑप्शन नहीं बचा है, लेकिन अब हम दिल्ली जाएंगे। भारतीय किसान यूनियन (शहीद भगत सिंह) के तेजवीर सिंह ने कहा कि वो 280 दिनों से दो सीमाओं पर डेरा डाले हुए हैं और केंद्र ने 18 फरवरी से उनके साथ कोई बातचीत नहीं की है।

तेलंगाना में मारे गए सात माओवादी

हैदराबाद। तेलंगाना के मुलुगु जिले के एक जंगली इलाके में रविवार को पुलिस से हुई मुठभेड़ में सात माओवादी मारे गए। पुलिस ने बताया कि एतुरनगरम के वन क्षेत्र में तलाशी अभियान के दौरान तेलंगाना पुलिस के विशिष्ट नक्सल रोधी बल 'ग्रेहाउंड्स' और माओवादियों के बीच यह मुठभेड़ हुई। पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि मुठभेड़ में सात माओवादी मारे गए। उन्होंने कहाकि मुठभेड़ स्थल से बरामद हथियारों में दो एके 47 राइफल शामिल हैं। अधिकारी ने कहा कि मारे गए माओवादियों में प्रतिबंधित भाकपा (माओवादी) की तेलंगाना राज्य समिति (येलंडु नरसामपेट) का सचिव कुरसाम मंगू उर्फ भद्रू भी शामिल है। पुलिस के अनुसार, माओवादी विरोधी दस्ते के साथ समन्वय में तेलंगाना ग्रेहाउंड्स ने जंगल में एक संयुक्त तलाशी अभियान चलाया।

जीएसटी से भरा सरकारी खजाना

> नवंबर में 1.82 लाख करोड़ रुपये का जीएसटी कलेक्शन

नई दिल्ली।

जीएसटी का नवंबर महीने में रिकॉर्ड कलेक्शन हुआ है। एक दिसंबर को सरकार ने जीएसटी कलेक्शन का डेटा जारी किया है। जीएसटी कलेक्शन डेटा के अनुसार, नवंबर महीना में जीएसटी कलेक्शन 8.5 प्रतिशत बढ़ा है। रिकॉर्ड कलेक्शन की वजह से सरकारी खजाने में 1.82 लाख करोड़ रुपये आए हैं। नेट जीएसटी रेवेन्यू में 11.1 प्रतिशत की बढ़ोतरी दर्ज की गई है। हालांकि, अक्टूबर में भी सरकारी खजाना में जमकर बढ़ोतरी हुई थी। एक महीना पहले कलेक्शन 1.87 लाख करोड़ रुपये हुआ था। लेकिन सितंबर में जीएसटी कलेक्शन 1.62 लाख करोड़ रुपये था।

विवार को सरकार ने आंकड़े जारी किए। इन आंकड़ों के मुताबिक, सेंट्रल जीएसटी कलेक्शन 34141 करोड़ रुपये, स्टेट जीएसटी कलेक्शन 43047 करोड़ रुपये और आईजीएसटी

91828 करोड़ रुपेय है। आंकड़ों के अनुसार, सेस 12253 करोड़ रुपये रहा है। यही नहीं नेट जीएसटी रेवेन्यू में भी करीब 11.1 प्रतिशत का ग्रोथ है। यह ग्रोथ सभी प्रकार के रिफंड्स को एडजस्ट करने के बाद 1.63 लाख करोड़ रुपये है।

सरकार ने वित्त वर्ष 2024-25 के लिए 22 लाख करोड़ रुपए डायरेक्ट टैक्स के जरिए जुटाने का लक्ष्य रखा है। हालांकि, 7 महीने में सरकार आधे से ज्यादा वसूल कर चुकी है। केंद्र सरकार ने 1 अप्रैल, 2024 से अक्टूबर महीने यानी पिछले 7 महीने में 11.25 लाख करोड़ रुपए का नेट डायरेक्ट टैक्स वसूला है। इसमें कॉर्पोरेट टैक्स 4.94 लाख करोड़ रुपए और पर्सनल इनकम टैक्स के 5.98 लाख करोड़ रुपए शामिल हैं। अब बाकी बचे 5 महीनों में टैक्स कलेक्शन के टारगेट को पूरा करना है। बता दे कि जीएसटी की शुरुआत 1 जुलाई 2017 से हुई। सरकार ने केंद्र और राज्य सरकारों के 17 टैक्स और 13 उपकरों को हटाकर जीएसटी लागू किया था। ये एक तरह का इनडायरेक्ट टैक्स है जिसमें 5, 12, 18 और 28% के चार स्लैब हैं।

घरेलू ट्रांजैक्शन बढ़ने से अधिक रेवेन्यू मिला

इस साल के नवम्बर महीना में जीएसटी कलेक्शन में साढ़े आठ प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई है। आर्थिक विशेषज्ञों की मानें तो नवम्बर में डोमेस्टिक ट्रांजैक्शन बढ़ा है जिसकी वजह से सरकार को अधिक रेवेन्यू मिला है। अधिक रेवेन्यू मिलने से जीएसटी कलेक्शन में काफी वृद्धि हुई है।

सुप्रीम कोर्ट पहुंची कांग्रेस

> धर्मस्थलों के सर्वे की मांग वाली याचिकाओं पर रोक की गुहार

नई दिल्ली।

धार्मिक स्थलों के सर्वेक्षण पर रोक की मांग वाली याचिकाओं पर रोक के लिए कांग्रेस ने सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटाया है। कांग्रेस नेता आलोक शर्मा व प्रिया मिश्रा ने शीर्ष कोर्ट से गुहार लगाई कि देशभर की अदालतों को ऐसी याचिकाओं पर विचार न करने का निर्देश दिया जाए। कांग्रेस नेताओं ने कहा कि राज्यों को भी उपासना स्थल (विशेष प्रावधान) अधिनियम, 1991 के प्रावधानों का अनुपालन का निर्देश जारी किया जाए।

इसमें यह भी कहा गया कि राज्यों को धार्मिक संरचनाओं या मस्जिदों के सर्वेक्षण पर न्यायालयों के किसी भी आदेश का पालन न करने का निर्देश जारी किया जाए। याचिकाकर्ताओं ने मथुरा, वाराणसी में ज्ञानवापी मस्जिद, अजमेर शरीफ, मध्य प्रदेश में धार और उत्तर प्रदेश में संभल में मस्जिदों और धर्मस्थलों का सर्वेक्षण करने के लिए जारी आदेशों की वैधता पर सवाल उठाए हैं।

वाराणसी की ज्ञानवापी मस्जिद से संबंधित एक याचिका पर सुनवाई करते हुए सुप्रीम कोर्ट ने 13 अक्तूबर 2023 को कहा था कि वहां पूजा करने के अधिकार के लिए

दायर किया गया मुकदमा पूजा स्थल अधिनियम, 1991 के तहत प्रतिबंधित है या नहीं, यह 15 अगस्त 1947 को ढांचे की प्रकृति और स्थिति पर निर्भर करेगा। कानून के तहत 15 अगस्त 1947 इसकी कट ऑफ तिथि है।

11 जुलाई 2023 को इस अधिनियम की वैधता पर सवाल उठाने वाली याचिका पर सुप्रीम कोर्ट ने कहा था कि वह धार्मिक स्थलों से संबंधित विभिन्न अदालतों के समक्ष कार्यवाही पर पूरी तरह रोक नहीं लगा सकता। इस कानून में धार्मिक स्थलों की 15 अगस्त, 1947 को प्रचलित स्थिति बनाए रखने का आदेश दिया गया था।

पीएफ का भी बनेगा एटीएम जैसा कार्ड

> सरकार करने जा रही है बड़ा बदलाव

नई दिल्ली.

सरकार कर्मचारी भविष्य निधि संगठन के तहत नई सुविधाओं को पेश करने की योजना बना रही है। कर्मचारी भविष्य निधि संगठन 3.0 वर्जन के तहत अब पीएफ का पैसा एटीएम से निकालने की सुविधा मिल सकती है। इसके अलावा, केंद्र सरकार पीएफ कंट्रीब्यूशन की सीमा हटाने और कर्मचारियों के लिए अधिक सेविंग विकल्प उपलब्ध कराने की दिशा में भी कदम उठा रही है। इस योजना के मई-जून 2025 तक लागू होने की उम्मीद है।

मौजूदा समय में कर्मचारी और इंप्लॉयर दोनों कर्मचारी प्रोविडेंट फंड में 12 फीसदी का योगदान करते हैं। इंप्लॉयर के योगदान में से 8.33 फीसदी इपीएफ-95 के तहत पेंशन कटौती में जाता है और 3.67 फीसदी इपीएफ में जाता है।

ईपीएफओ में वोलंटरी पीएफ का विकल्प

ईपीएफओ पहले से वॉलेंटरी पीएफ की सुविधा देता है, जिससे कर्मचारी अपने मूल वेतन का 100 फीसदी तक योगदान कर सकते हैं। इस पर वही ब्याज दर लागू होगी, जो सामान्य पीएफ पर होती है

सरकार की योजना के अनुसार, पेंशन कटौती की मौजूदा दर 8.33% पर स्थिर रहेगी। हालांकि, वेतन सीमा बढ़ने से पेंशन राशि में इजाफा हो सकता है। प्रस्तावित परिवर्तनों से कर्मचारियों को सीधे योजना में योगदान करने की अनुमति मिल सकती है, जिससे उन्हें अपने पेंशन लाभ को बढ़ाने में मदद मिलेगी।

पीएफ निकासी नियम के तहत अगर किसी सदस्य की नौकरी चली जाती है तो वह 1 महीने के बाद अपने पीएफ अकाउंट से 75% पैसा निकाल सकता है। इससे वह बेरोजगारी के दौरान अपनी और अपने परिवार की जरूरतें पूरी कर सकता है। PF में जमा बाकी 25% हिस्से को जॉब छूटने के दो महीने बाद निकाला जा सकता है।।

नए साल में केंद्रीय कर्मचारियों को मिलेगा तोहफा

नई दिल्ली.

देश के 1 करोड़ से अधिक केंद्रीय कर्मचारी और पेंशनभोगी 8वें वेतन आयोग को लेकर मोदी सरकार की घोषणा का इंतजार कर रहे हैं। वैसे तो केंद्र सरकार ने कई बार 8वें वेतन आयोग के गठन की खबरों से इनकार किया है लेकिन कर्मचारियों को अब भी उम्मीदें हैं। कर्मचारियों को उम्मीद है कि केंद्र सरकार आगामी केंद्रीय बजट में इसकी घोषणा कर सकती है।

नए आयोग की घोषणा होते ही वह केंद्र को अपनी सिफारिशें देगा और उन सुझावों के आधार पर मोदी सरकार केंद्रीय कर्मचारियों के वेतन और पेंशन में बदलाव लागू करेगी।

हालिया मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक केंद्र सरकार से नए वेतन आयोग के तहत 2.86 गुना वेतन बढ़ोतरी लागू करने का आग्रह किया जाएगा। यह वृद्धि फिटमेंट फैक्टर पर आधारित होगी। फिटमेंट फैक्टर एक कैल्कुलेशन है जिसका उपयोग सरकारी कर्मचारियों के वेतन और रिटायर्ड लोगों की पेंशन को संशोधित करने के लिए किया जाता है।

7वें वेतन आयोग के तहत केंद्र सरकार ने 2.57 के फिटमेंट फैक्टर का इस्तेमाल किया, जिससे न्यूनतम वेतन 7,000 रुपये से बढ़कर 18,000 रुपये हो गया। बता दें कि हर नए वेतन आयोग के लागू होने के साथ ही वेतन और पेंशन में बदलाव किए जाते हैं।

मौजूदा समय में केंद्रीय कर्मचारियों को 2.57 फिटमेंट फैक्टर के आधार पर सैलरी दी जाती है।

अगर इसे बढ़ाकर 2.86 कर दिया जाए तो कर्मचारियों की बेसिक सैलरी में बड़ा इजाफा हो सकता है।

2024 में दिखी न्यू इंडिया की झलक?

> 80 कंपनियों ने बटोरे 1 लाख करोड़

नई दिल्ली.

कैलेंडर वर्ष 2024 भारतीय कंपनियों के लिए क्वालिफाइड इंस्टीट्यूशनल प्लेसमेंट के माध्यम से धन जुटाने का ऐतिहासिक वर्ष साबित हुआ है. अब तक 80 कंपनियों ने 1.13 लाख करोड़ रुपए जुटाए हैं, जो कि सीवाय 23 के 38,220 करोड़ रुपए की तुलना में तीन गुना अधिक है. यह आंकड़ा 2020 के 80,816 करोड़ रुपए के पिछले रिकॉर्ड को भी पीछे छोड़ चुका है.यदि गोदरेज प्रॉपर्टीज़ और केबल और वायर फर्म केईआई इंडस्ट्रीज के मौजूदा कीप , जो कुल 8,000 करोड़ रुपए हैं, सफलतापूर्वक पूरे होते हैं, तो सीवाय 24 में कुल राशि 1.21 ट्रिलियन रुपए तक पहुंचने की संभावना है. स्वतंत्र बाजार विश्लेषक अंबरीश बालिगा के अनुसार, यह साल द्वितीयक बाजारों और प्रमोटरों के लिए शानदार रहा है, जिन्होंने बाजार में तेजी का फ़ायदा उठाते हुए भविष्य के लिए फंड जुटाया.

नवंबर में वॉकहार्ट, वरुण बेवरेजेज, और ज़ोमैटो ने मिलकर 17,000 करोड़ रुपए जुटाए. ज़ोमैटो का 8,500 करोड़ रुपए का क्यूआईपी इस वर्ष का सबसे बड़ा प्रस्ताव है, जिसका उपयोग प्रौद्योगिकी बुनियादी ढांचे, ब्रांडिंग और मार्केटिंग पर खर्च करने की योजना है. गोदरेज प्रॉपर्टीज़ ने भूमि अधिग्रहण और सामान्य कॉर्पोरेट उद्देश्यों के लिए 6,000 करोड़ रुपए जुटाने का क्यूआईपी जारी किया है.

अक्टूबर तक, 77 कंपनियां 96,321 करोड़ रुपए जुटा चुकी थीं. अगस्त 2020 में छह कंपनियों ने मिलकर 39,032 करोड़ रुपए जुटाए थे, जो अब तक किसी एक महीने में क्यूआईपी के ज़रिए जुटाई गई सबसे बड़ी राशि है. लेकिन सीवाय 24 का प्रदर्शन इन सभी आंकड़ों को पार कर गया है, जो भारतीय बाजार की बढ़ती ताकत और निवेशकों के भरोसे को दर्शाता है.

पोस्ट ऑफिस की इस स्कीम में करें निवेश

> 5 साल में जुड़ जाएंगे लाखों रुपए

नई दिल्ली.अगर आप भविष्य में आर्थिक सुरक्षा चाहते हैं और जोखिम से बचकर निवेश करना चाहते हैं, तो पोस्ट ऑफिस की रिकरिंग डिपॉजिट स्कीम आपके लिए बेहतरीन विकल्प हो सकती है। यह स्कीम छोटी बचत को बड़ा फंड बनाने का एक सुरक्षित तरीका है, जहां आप बिना किसी बड़े निवेश के अपने पैसे को बढ़ा सकते हैं।पोस्ट ऑफिस की यह स्कीम 5 साल की अवधि के लिए है और इसमें निवेश करने के लिए आपको रोजाना सिर्फ ₹100 बचाने की जरूरत है। महीने भर में ₹100 प्रतिदिन बचाकर आप ₹3,000 तक जोड़ सकते हैं। सालाना ₹36,000 की बचत से 5 साल में कुल ₹1,80,000 का निवेश किया जा सकता है। वर्तमान में, इस योजना पर 6.7% की ब्याज दर मिल रही है। इस हिसाब से, 5 साल के बाद आपको ₹34,097 ब्याज के रूप में मिलेंगे। मैच्योरिटी पर आपके कुल ₹2,14,097 बन जाएंगे। यानी छोटी बचत से आप लाखों का फंड तैयार कर सकते हैं।यह योजना छोटे निवेशकों और उन लोगों के लिए आदर्श है, जो कम जोखिम में अपने भविष्य के लिए सुरक्षित फंड बनाना चाहते हैं। इसमें निवेश करने के लिए किसी विशेष वित्तीय विशेषज्ञता की आवश्यकता नहीं होती, और इसे ग्रामीण एवं शहरी दोनों क्षेत्रों में आसानी से अपनाया जा सकता है। बच्चों को बचपन से बचत और निवेश की आदत डालने का यह एक बेहतरीन जरिया है।

आरडी खाता खोलने के लिए आप नजदीकी पोस्ट ऑफिस जा सकते हैं। इसके लिए आधार कार्ड, पहचान प्रमाण, और न्यूनतम ₹100 की पहली किस्त के साथ आवेदन करें।

ईपीएफओ मेंबर्स को भी मिलेगा तगड़ा रिटर्न

नई दिल्ली.

केंद्रीय भविष्य निधि संगठन के कर्मचारियों को उनकी जमा राशि पर अब ज्यादा रिटर्न मिलेगा. बीते शुक्रवार को केंद्रीय मंत्री मनसुख मांडविया की अध्यक्षता में बैठक हुई. जिस बैठक में ईपीएफओ और ईपीएफ से जुड़े कई अहम फैसले लिए गए. इसी बैठक में सेंट्रल बोर्ड ऑफ ट्रस्टीज ने कर्मचारियों की आय बढ़ाने के लिए उन्हें बेहतर रिटर्न दिलाने के लिए एक्सचेंज ट्रेडेड फंड में निवेश करने की मंजूरी दी है.

रिपोर्ट्स के मुताबिक सीबीटी ने कर्मचारियों को ज्यादा लाभ दिलाने के लिए उनकी ईटीएफ में जमा की राशि में से 50 फीसदी राशि को सेंट्रल पब्लिक सेक्टर एंटरप्राइजेज और भारत 22 फंड में कम से कम 5 सालों के लिए जमा करने को मंजूरी दी है. इसके अलावा बची रकम को सरकारी सिक्योरिटीज और कॉरपोरेट बॉन्ड में निवेश किया जाएगा, जिससे उम्मीद की जा रही है कि कर्मचारियों को पीएफ पर हाई रिटर्न मिलेगा.

बैठक में सीबीटी की ओर से एमनेस्टी स्कीम 2024 की सिफारिश की गई. इसके अलावा कर्मचारियों की आर्थिक मदद करने के लिए और उनकी ओर से कम से कम शिकायत आए. इसके लिए बोर्ड ने ईपीएफ स्कीम 1952 में भी कुछ सुधार करने का फैसला लिया है. जिसके तहत अब तक हर महीने 24 तारीख तक जिन क्लेम को सेटल किया जाता था. उन पर पिछले महीने के अंत तक ही ब्याज दिया जाता था, लेकिन बोर्ड ने इस नियम में बदलाव कर दिया है. अब क्लेम जिस तारीख तक सेटल होगा उस तारीख तक ब्याज दिया जाएगा.

सरकार ने पीएफ कर्मचारियों के हक में एक और फैसला लिया है, जिसके तहत अब ऑटो क्लेम की लिमिट को बढ़ाकर 50 हजार से 1 लाख रुपये तक कर दिया गया है. अब शादी, मकान बनवाने के लिए एडवांस में पैसे लिए जा सकेंगे. इसके अलावा ईडीएलआई पर भी बैठक में फैसला लिया गया. इसके फायदे को 28 अप्रैल 2024 से पहले लागू करने की मंजूरी दी गई है. इसके तहत न्यूनतम बीमा लाभ 2.5 लाख रुपये और अधिकतम 7 लाख रुपये तक मिलेगा.

आरबीआई के फैसले पर रहेगी बाजार की निगा

नई दिल्ली.

वैश्विक रुझानों, व्यापक आर्थिक आंकड़ों और ब्याज दर पर आरबीआई के फैसले से इस सप्ताह शेयर बाजारों की दिशा तय होगी। एक्सपर्ट्स ने कहा कि इस सप्ताह निवेशक ऑटो बिक्री के मासिक आंकड़ों पर भी नजर रखेंगे।

स्वस्तिक इन्वेस्टमार्ट लिमिटेड के शोध प्रमुख संतोष मीना ने कहा, "बाजार सोमवार को 5.4 प्रतिशत की निराशाजनक जीडीपी वृद्धि पर प्रतिक्रिया दे सकते हैं। आगामी आरबीआई नीति महत्वपूर्ण होगी, जिसमें ब्याज दर निर्णय और टिप्पणी, दोनों पर ही निवेशकों की नजर होगी।" उन्होंने आगे कहा कि वैश्विक मोर्चे पर, भू-राजनीतिक तनाव, विशेष रूप से रूस-यूक्रेन की स्थिति को लेकर चिंता बनी हुई है।

मीना ने आगे कहा कि भारत, अमेरिका और चीन से विनिर्माण पीएमआई जैसे महत्वपूर्ण व्यापक आर्थिक आंकड़े भी बाजार को प्रभावित करेंगे। विनिर्माण और खनन क्षेत्रों के खराब प्रदर्शन के साथ ही कमजोर खपत के कारण चालू वित्त वर्ष की जुलाई-सितंबर तिमाही में भारत की आर्थिक वृद्धि दर दो साल के निचले स्तर 5.4 प्रतिशत पर पहुंच गई। देश हालांकि अभी भी सबसे तेजी से बढ़ने वाली प्रमुख अर्थव्यवस्था बना हुआ है।

पिछले सप्ताह भारतीय शेयर बाजारों ने काफी उतार-चढ़ाव देखा, हालांकि सप्ताह के अंत में बाजार बढ़त के साथ बंद हुए।

मास्टर कैपिटल सर्विसेज लिमिटेड की निदेशक पलका अरोड़ा चोपड़ा ने कहा, "बाजार का नजरिया भारत के विनिर्माण पीएमआई, सेवा पीएमआई, ब्याज दर पर फैसले, अमेरिकी एसएंडपी वैश्विक समग्र पीएमआई, विनिर्माण पीएमआई, सेवा पीएमआई, गैर-कृषि रोजगार के आंकड़ों जैसे प्रमुख घरेलू और वैश्विक आर्थिक कारकों से प्रभावित होगा।

एलआईसी के मार्केट कैप में आई सबसे ज्यादा तेजी

> इन्फोसिस को नुकसान

नई दिल्ली.

पिछले हफ्ते घरेलू शेयर बाजार में काफी उतार-चढ़ाव देखने को मिला। इस दौरान बीएसई सेंसेक्स 685.68 अंक या 0.86 फीसदी और एनएसई निफ्टी 223.85 अंक या 0.93 फीसदी चढ़ा। देश की शीर्ष 10 सबसे मूल्यवान कंपनियों में नौ का कुल बाजार पूंजीकरण पिछले सप्ताह 2,29,589.86 करोड़ रुपये बढ़ गया। इसमें भारतीय जीवन बीमा निगम यानी एलआईसी को सबसे अधिक लाभ हुआ। कंपनी का मूल्यांकन 60,656.72 करोड़ रुपये बढ़कर 6,23,202.02 करोड़ रुपये हो गया। एचडीएफसी बैंक ने 39,513.97 करोड़ रुपये जोड़े, जिससे इसका मूल्यांकन बढ़कर 13,73,932.11 करोड़ रुपये हो गया।

देश की सबसे वैल्यूएबल कंपनी रिलायंस इंडस्ट्रीज का बाजार मूल्यांकन 35,860.79 करोड़ रुपये बढ़कर 17,48,991.54 करोड़ रुपये और भारती एयरटेल का बाजार मूल्यांकन 32,657.06 करोड़ रुपये बढ़कर 9,26,725.90 करोड़ रुपये हो गया। भारतीय स्टेट बैंक का बाजार मूल्यांकन 20,482 करोड़ रुपये बढ़कर 7,48,775.62 करोड़ रुपये और आईसीआईसीआई बैंक का मूल्यांकन 15,858.02 करोड़ रुपये बढ़कर 9,17,724.24 करोड़ रुपये हो गया।

इस दौरान हिंदुस्तान यूनिलीवर, टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज और आईटीसी का मूल्यांकन भी बढ़ा। हालांकि, इन्फोसिस का बाजार मूल्यांकन 18,477.5 करोड़ रुपये घटकर 7,71,674.33 करोड़ रुपये रह गया।

यह पिछले हफ्ते मार्केट कैप गंवाने वाली टॉप 10 में शामिल अकेली कंपनी रही। रिलायंस इंडस्ट्रीज सबसे मूल्यवान घरेलू कंपनी बनी रही। इसके बाद टीसीएस, एचडीएफसी बैंक, भारती एयरटेल, आईसीआईसीआई बैंक, इन्फोसिस, भारतीय स्टेट बैंक, एलआईसी, आईटीसी और हिंदुस्तान यूनिलीवर का स्थान रहा।

जीएसटी में हो सकते हैं जल्द बदलाव

नई दिल्ली. नवंबर महीने में जीएसटी कलेक्शन के आंकड़े में शानदार तेजी देखने को मिली है. सरकार ने बताया कि नवंबर में जीएसटी कलेक्शन 8.5 प्रतिशत बढ़कर 1.82 लाख करोड़ रुपए हो गया. वित्त मंत्रालय के आंकड़ों के अनुसार, अप्रैल-नवंबर की अवधि के लिए कलेक्शन 14.57 लाख करोड़ रुपए है.अक्टूबर में ग्रॉस जीएसटी कलेक्शन 9 प्रतिशत बढ़कर 1.87 लाख करोड़ रुपए से अधिक हो गया, जो घरेलू बिक्री में तेजी और बेहतर अनुपालन के कारण अब तक का दूसरा सबसे अधिक कलेक्शन है. अक्टूबर में केंद्रीय जीएसटी कलेक्शन 33,821 करोड़ रुपए, राज्य जीएसटी 41,864 करोड़ रुपए, एकीकृत आईजीएसटी 99,111 करोड़ रुपए और उपकर 12,550 करोड़ रुपए रहा.

निकाल | महाराष्ट्र राज्य लॉटरी | **महाराष्ट्र मोहिनी** | विकली लॉटरी | सोडत सायं. 4:30 वाजता

सोडत दर रविवार • सोडत क्रमांक 48 • तिकीट किं. रु. 15/- • सोडत दिनांक 01/12/2024

पहिले सामायिक बक्षिस रु. 10000/-	MO-08 : 5652

सर्व मालिकांसाठी • FOLLOWING NO.'S ARE COMMON TO ALL SERIES • सर्व मालिकांसाठी

दुसरे बक्षिस रु. 5000/-	5265		
तिसरे बक्षिस रु. 2000/-	1857 महाराजा असोसिएट्स, इचलकरंजी	2868 लॉटरी भांडार, नागपूर	4098

चौथे बक्षीस रु. 700/- (सर्व मालिकांसाठी)

1017	1957	2334	3599	5078
1097	1958	2762	3622	5154
1124	2012	2807	4074	5365
1157	2162	3077	4203	5501
1219	2247	3087	4290	5582
1252	2255	3306	4348	5585
1289	2282	3338	4848	5840
1896	2319	3355	5059	5898

महाराष्ट्र राज्य लॉटरी MAHARASHTRA STATE LOTTERY | महाराष्ट्र सह्याद्री मासिक सोडत | तिकीट किंमत रु. 50/- | सोडत दिनांक 10-12-2024
जिंका फक्त 5 अंकावर पहिले सामाईक बक्षिस रु. 22 लाख (रु. 11 लाखाची X 2 बक्षिसे) | दुसरे बक्षिस रु. 2 लाख (रु. 10 हजाराची X 20 बक्षिसे) | सातवे बक्षिस रु. 12 लाख (रु. 150 ची X 8000 बक्षिसे)
छपाईतील कोणत्याही चुकीबद्दल आम्ही जवाबदार नाही. • अचूक निकालासाठी अधिकृत गॅझेट पाहावे. • प्रस्तुतकर्ता : महाराष्ट्र राज्य लॉटरी
महाराष्ट्र मोहिनी विकली लॉटरी | सोडत दिनांक 01/12/2024
ऑनलाईन रिजल्ट मिळवा : : /princeagency : /princeagencypl : /princeagencymah

एचडीएफसी बैंक ने प्रगति बचत खाता लॉन्च किया

मुंबई.

भारत के अग्रणी निजी क्षेत्र के बैंक एचडीएफसी बैंक ने प्रगति बचत खाता लॉन्च किया है, जिसे विशेष रूप से भारत के ग्रामीण और अर्ध-शहरी क्षेत्रों की बैंकिंग आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए डिज़ाइन किया गया है। एचडीएफसी बैंक, जो अपनी 51 प्रतिशत शाखाओं के साथ अर्ध-शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों में सक्रिय है, इन क्षेत्रों की वित्तीय समावेशन और आर्थिक विकास को बढ़ावा देने के लिए लगातार प्रयासरत है। इस नए खाते का उद्देश्य भारत के कृषि क्षेत्र के लिए एक व्यापक बैंकिंग पारिस्थितिकी तंत्र बनाना है, जिसमें किसान (पारंपरिक कृषि, मवेशी प्रजनन, मत्स्य पालन, मुर्गी पालन और डेयरी फार्मिंग), स्व-नियोजित व्यक्ति, स्वयं सहायता समूह और सहकारी समितियाँ शामिल हैं।

बैंक की 4600 से अधिक शाखाएँ अर्ध-शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों में फैली हुई हैं, जो भारत की लगभग दो तिहाई आबादी तक पहुँचने के लिए एक महत्वपूर्ण 'टचपॉइंट' के रूप में कार्य करेंगी, जिससे ग्रामीण अर्थव्यवस्था को बढ़ावा मिलेगा।

एचडीएफसी बैंक ने बिगहाट के साथ साझेदारी की है, जिसके तहत किसानों को कृषि उपकरण, बीज और उर्वरकों पर विशेष छूट प्राप्त होगी।यह खाता कम रखरखाव शुल्क और विशेष लाभों के साथ आता है, जो विशेष रूप से ग्रामीण और अर्ध-शहरी ग्राहकों के लिए डिज़ाइन किया गया है।इस पहल का उद्देश्य ग्रामीण निवासियों को डिजिटल बैंकिंग और वित्तीय प्रबंधन के सरल उपकरणों तक पहुँच प्रदान करना है।

एचडीएफसी बैंक की इस पहल से किसानों और ग्रामीण निवासियों को बेहतर वित्तीय सेवाएँ, कृषि संसाधन और तकनीकी सहायता प्राप्त होगी, जिससे उनके जीवन स्तर में सुधार होगा। इसके अलावा, बैंक ने एचडीएफसी एर्गो जनरल इंश्योरेंस कंपनी लिमिटेड के साथ साझेदारी में कई क्यूरेटेड वित्तीय उत्पाद पेश किए हैं, जैसे कि टू-व्हीलर लोन, ट्रैक्टर लोन, गोल्ड लोन, किसान गोल्ड कार्ड (केजीसी) और मवेशी बीमा।

एचडीएफसी बैंक के कंट्री हेड ने कहा, "हमारे प्रगति बचत खाते के माध्यम से हम वित्तीय समावेशन और कृषि सशक्तिकरण के लिए कई उद्योग-प्रथम पहलें लेकर आ रहे हैं। हमारा लक्ष्य एक समावेशी और टिकाऊ पारिस्थितिकी तंत्र बनाना है जो ग्रामीण विकास को बढ़ावा देता है और स्थानीय समुदायों का उत्थान करता है।"

इस नई पहल से एचडीएफसी बैंक की ओर से वित्तीय समावेशन को बढ़ावा देने और कृषि समुदाय को सशक्त बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम उठाए जा रहे हैं।

चीन से आ रहे घटिया पावर बैंकों पर सरकार की नजर

नई दिल्ली.

चीन में बने घटिया क्वालिटी के पावर बैंकों की बढ़ती बिक्री ने सरकार की चिंता बढ़ा दी है। सरकार को इनके आयात को रोकने के लिए कदम उठाने पड़ रहे हैं क्योंकि ये देश में प्रतिस्पर्धा को बिगाड़ सकते हैं। साथ ही ये सुरक्षा तथा प्रदर्शन के मानकों पर उपभोक्ताओं को धोखा दे सकते हैं। ऐसे पावर बैंकों की वास्तविक क्षमता दावे से 50-60% कम है। दावा किया जाता है कि यह कम से कम दो बार मोबाइल फोन को चार्ज कर सकता है। लेकिन यह देखने में आया है कि ज्यादातर मामलों में एक बार ही मोबाइल चार्ज करने के बाद इसकी पावर खत्म हो जाती है। कंप्टीशन में आने और बाजार में हिस्सेदारी हासिल करने के लिए भारतीय कंपनियां बहुत कम कीमत पर चीनी सप्लायर्स से ये घटिया लीथियम-आयन सेल खरीद रही हैं।इस महीने की शुरुआत में भारतीय मानक ब्यूरो ने दो चीनी आपूर्तिकर्ताओं- गुआंगडोंग क्वासुन न्यू एनर्जी टेक्नोलॉजी कंपनी और गंझोउ नोवेल बैटरी टेक्नोलॉजी कंपनी के पंजीकरण रद्द कर दिए थे। भारत में सेल आपूर्ति में इन कंपनियों की आधे से अधिक हिस्सेदारी थी।

१- श्रद्धा सबुरी लॉटरी, साई मंदिर
२- जय भोले लॉटरी, झेरी लॉन
३- न्यू बॉम्बे लॉटरी, लक्ष्मी भवन चौक धरमपेठ
४-साई लॉटरी, पंचशील चौक
५- अनिल बंसोड़ लॉटरी, झासीरानी चौक बर्डी
६- नरेंद्र लॉटरी, शिवम् मॉल के पास सीताबर्डी
७- प्रवीण लॉटरी महाराष्ट्र बैंक मुंजे चौक सीताबर्डी
८-मयूरी लॉटरी, आकाशवाणी चौक
९-माँ आंबे लॉटरी, आगाराम देवी
१०- नितिन लॉटरी, रामबाग कॉलोनी, मेडिकल चौक
११-दिलीप लॉटरी, नर्सिंग टॉकीज़, महाल
१२ श्री गणेश लॉटरी नर्सिंग टॉकीज़, महाल
१३-शुभम लॉटरी नर्सिंग टॉकीज़, महाल
१४ श्री गजानन लॉटरी झेंडा चौक, महाल
१५-आशीष लॉटरी शाहिद चौक, इतवारी
१६- ख्वाजा लॉटरी कमाल टॉकीज़, कमाल चौक
१७- वैभव लॉटरी इंदौरा चौक लष्करी बाग
१८-चिकटे लॉटरी सक्करदरा चौक
१९- ओमसाई लॉटरी,महाकाळकर बिल्डिंग, छोटा ताजबाग
२०- गुरुदेव लॉटरी , गांधीचौक चंद्रपुर
२१-गजानन लॉटरी, अकोला
22- प्रेम लॉंटरी सेंटर, कमाल चौक
23- नारायण लॉटरी, शहीद चौक, इतवारी
24- महावीर लॉटरी, बाजार चौक, कलमेश्वर

विदर्भ स्टॉकिस्ट प्रविण कडू : 9822472123

निकाल | महाराष्ट्र राज्य लॉटरी | **महाराष्ट्र गजलक्ष्मी** | रवि विकली लॉटरी | सोडत संध्या. 4:45 वाजता

सोडत दर रविवार • सोडत क्रमांक 48 • तिकीट किं. रु. 20/- • सोडत दिनांक 01/12/2024

मालिका	GL-00	GL-01	GL-02	GL-03	GL-04
पहिले बक्षिस रु. 10,000/-	5591	1540	0035	7115	2641

सर्व मालिकांसाठी • FOLLOWING NO.'S ARE COMMON TO ALL SERIES

दुसरे बक्षिस रु. 5000/-	2163	3959 श्री गणेश एन्टरप्रायझेस - दादर, मुंबई			
तिसरे बक्षिस रु. 2000/-	2412	3422 डायमंड कॉर्पोरेशन, बोरिवली	5668	6486	8494

चौथे बक्षिस रु. 1000/-	2540	2994	4088	4391	5395	5929	6554	6854	7647	8225
पाचवे बक्षिस रु. 500/-	1054	1981	2391	3176	3777	6595	6825	9156	9319	9992

सहावे बक्षीस रु. 300/- (सर्व मालिकांसाठी)

सहावे बक्षिस रु.	0801	1521	2438	3333	4403	5485	6686	7231	8205	8888
300/-	0807	1716	2442	3383	4445	5528	6687	7318	8208	8979
0029	0828	1779	2562	3386	4446	5561	6703	7377	8238	8984
0067	0880	1789	2571	3424	4452	5675	6706	7435	8291	8995
0084	0920	1812	2679	3510	4497	5712	6740	7541	8380	9134
0201	1000	1895	2723	3516	4574	5965	6764	7580	8407	9139
0205	1014	1907	2760	3638	4619	6066	6766	7641	8442	9143
0209	1133	1910	2778	3647	4674	6162	6774	7700	8463	9147
0236	1142	1925	2793	3737	4754	6165	6816	7707	8481	9311
0240	1152	2012	2890	3738	4839	6204	6874	7773	8490	9491
0309	1187	2120	2916	3743	4856	6237	6906	7821	8703	9648
0340	1214	2138	2925	3844	4947	6349	6925	7843	8753	9651
0404	1239	2185	3076	3858	5085	6471	7074	7858	8778	9660
0515	1283	2227	3079	3933	5221	6500	7080	7894	8790	9696
0524	1362	2232	3137	3936	5272	6597	7133	7974	8820	9856
0580	1492	2275	3201	4004	5351	6628	7145	8008	8828	9896
0721	1506	2295	3231	4077	5436	6642	7196	8158	8829	9909
0750	1510	2332	3234	4098	5455	6672	7223	8177	8861	9928
0800	1519	2353	3305	4142	5465	6683	7225	8187	8865	9954

महाराष्ट्र राज्य लॉटरी MAHARASHTRA STATE LOTTERY | महाराष्ट्र सह्याद्री मासिक सोडत | तिकीट किंमत रु. 50/- | सोडत दिनांक 10-12-2024
जिंका फक्त 5 अंकावर पहिले सामाईक बक्षिस रु. 22 लाख (रु. 11 लाखाची X 2 बक्षिसे) | दुसरे बक्षिस रु. 2 लाख (रु. 10 हजाराची X 20 बक्षिसे) | सातवे बक्षिस रु. 12 लाख (रु. 150 ची X 8000 बक्षिसे)
महाराष्ट्र गजलक्ष्मी रवि विकली लॉटरी | सोडत दिनांक 01/12/2024 | छपाईतील कोणत्याही चुकीबद्दल आम्ही जवाबदार नाही. अचूक निकालासाठी अधिकृत गॅझेट पहावे प्रस्तुतकर्ता : महाराष्ट्र राज्य लॉटरी
ऑनलाईन रिजल्ट मिळवा : : /princeagency : /princeagencypl : /princeagencymah

'हम 63 विधानसभा क्षेत्रों में ईवीएम हैक करेंगे

चुनाव आयोग ने दी सफाई

मुंबई.

महाराष्ट्र में विधानसभा चुनाव के नतीजे आने के बाद से माविया नेताओं को ईवीएम पर संदेह होने लगा है. उम्मीदवारों की शिकायत है कि कई जगहों पर वोटों की गिनती में गड़बड़ी हो रही है. कांग्रेस, शिवसेना (ठाकरे) और एनसीपी (शरद पवार) पार्टी के नेता जितेंद्र अवाद, रोहित पवार ईवीएम को लेकर कई दावे कर रहे हैं. उसमें ईवीएम हैकिंग का दावा करने वाला एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया. इस वायरल वीडियो पर अब चुनाव आयोग ने सफाई दी है. आयोग ने यह भी कहा है कि इस

संबंध में मुंबई की साइबर पुलिस में मामला दर्ज किया गया है.

इस वीडियो में दो व्यक्तियों को वीडियो कॉलिंग पर एक कथित हैकर के साथ ईवीएम हैकिंग पर चर्चा करते हुए दिखाया गया है। दो कॉल करने वाले 105 में से 63 प्रत्याशियों के जीतने के बारे में पूछ रहे हैं। लेकिन कथित हैकर का कहना है कि इसके लिए वीवीपैट मशीन नंबर की जरूरत पड़ेगी. हैकर का कहना है कि इसके अलावा, 288 में से 281 निर्वाचन क्षेत्रों में हमारी पहुंच ईवीएम तक है। हैकर उन्हें यह भी बताता है कि हैकिंग के लिए हाई स्पीड इंटरनेट कनेक्शन और उस जगह पर फील्ड के कुछ लोगों की जरूरत होती है जहां ईवीएम रखी जाती हैं।

हैकर यह भी बता रहा है कि अभ्यर्थियों से क्या जानकारी चाहिए। हैकर का यह भी दावा है कि जब ईवीएम मशीन बंद हो जाती है,तब भी उसमें ट्रांसमिशन होता है और वीवीपैट पहले ही मशीन को हैक कर लेता है। छह मिनट 55 सेकेंड का यह वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया. हैकर बेहद शांत और तकनीकी तरीके से ईवीएम हैकिंग की जानकारी दे रहा है. ऐसे में कई लोगों का मानना है कि इस वीडियो में कथित बातचीत सच है. इसमें चुनाव आयोग की आलोचना की गई .

चुनाव आयोग ने दर्ज कराई एफआईआर

चुनाव आयोग ने कहा कि कोई भी व्यक्ति जो ईवीएम को लेकर झूठे दावे करने, गलत सूचना फैलाने के प्रयास में शामिल है, उसके खिलाफ कानून के अनुसार सख्त कार्रवाई की जाएगी। चुनाव आयोग ने ईवीएम हैक करने का दावा करने वाले व्यक्ति के खिलाफ पुलिस में शिकायत दर्ज कराई है। गौरतलब है कि आरोपी ने दावा किया है कि वह मशीन की फ्रीक्वेंसी को अलग करके ईवीएम को हैक कर सकता है। महाराष्ट्र के मुख्य निर्वाचन अधिकारी (सीईओ) ने दर्ज शिकायत में आरोप लगाया है कि सैयद शुजा द्वारा किए गए दावे झूठे और निराधार हैं।

एमएनएस नेता अविनाश जाधव ने दिया इस्तीफा

ठाणे. मनसे नेता अविनाश जाधव ने रविवार को ठाणे और पालघर जिला अध्यक्ष पद से इस्तीफा दे दिया है. उन्होंने कहा है कि ठाणे और पालघर जिलों में एमएनएस उम्मीदवारों की हार के कारण उन्होंने इस्तीफा दिया है. अविनाश जाधव ठाणे सिटी विधानसभा क्षेत्र से मनसे के उम्मीदवार थे। लेकिन वे भी हार गये. मनसे नेता अविनाश जाधव ठाणे और पालघर के जिला अध्यक्ष पद पर हैं।अविनाश जाधव के मार्गदर्शन में उम्मीदवारों ने ठाणे और पालघर जिलों में चुनाव लड़ा।अविनाश जाधव ने भी ठाणे शहर निर्वाचन क्षेत्र से चुनाव लड़ा.लेकिन इस सीट पर उन्हें बीजेपी उम्मीदवार संजय केलकर ने हरा दिया था. इस सीट पर अविनाश जाधव तीसरे स्थान पर रहे थे. ठाणे जिले में मनसे के अन्य उम्मीदवार भी हार गये. आखिरकार अविनाश जाधव ने ठाणे और पालघर जिला अध्यक्ष पद से इस्तीफा दे दिया है. उन्होंने अपना इस्तीफा पार्टी अध्यक्ष राज ठाकरे को सौंप दिया है .

अजित पवार नहीं होते तो शिवसेना 100 सीटें जीतती?

> गुलाब पाटिल ने किया दावा

मुंबई. अजित पवार, महायुति और महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव परिणाम 2024 पर गुलाब पाटिल: एक तरफ महायुति ने अभी तक सत्ता का दावा नहीं किया है। मुख्यमंत्री पद के लिए उनका चेहरा अभी तय नहीं हुआ है. इसलिए जहां विपक्ष महायुति की आलोचना कर रहा है, वहीं महायुति के नेता भी एक-दूसरे की आलोचना करते नजर आ रहे हैं. ऐसा देखा जा रहा है कि महायुति के कुछ नेताओं ने एक दूसरे की आलोचना की है. शिवसेना (शिंदे) नेता गुलाब पाटिल ने दावा किया,''अगर अजित पवार हमारे (भाजपा और एकनाथ शिंदे की शिवसेना) महागठबंधन में नहीं होते तो हम 90 से 100 सीटें जीतते।''इस पर राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (अजित पवार) ने जवाब दिया है. इस पार्टी के प्रवक्ता और विधान परिषद सदस्य अमोल मिटकारी ने गुलाब को यही जवाब दिया है. मितकारी ने कहा,''यह गुलाब पाटिल की एक मीठी गलतफहमी है कि

अगर अजित पवार नहीं होते तो शिंदे गुट को 90 से 100 सीटें मिलतीं. उन्हें महागठबंधन में नमक का पत्थर फेंकने की कोशिश नहीं करनी चाहिए।"

गुलाब पाटिल ने इस मौके पर कहा,''पिछले ढाई साल में मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने बहुत मेहनत की है. ढाई साल में प्रदेश की जनता के मन में अच्छी जगह बनाई है। इसने बड़ी प्रतिष्ठा अर्जित की है। एकनाथ शिंदे ने वो कर दिखाया जो ढाई साल में कोई नहीं कर पाया. वे प्यारी बहनों के प्यारे भाई बन गए हैं। किसान प्यारे भाई बन गये हैं। युवा दोस्त बन गए हैं. वे मेरी बहनों के आशीर्वाद से लड़ रहे हैं. इसलिए मुझे लगता है कि एकनाथ शिंदे की आलोचना करना किसी के लिए भी उचित नहीं है।''

21 वीं पशुधन जनगणना शुरू

मुंबई.

21 वीं पशुधन जनगणना 25 नवंबर से मुंबई में शुरू हो गई है, जो पशुपालन विभाग (महाराष्ट्र सरकार) और मुंबई नगर निगम की संयुक्त पहल है। यह पशुगणना 28 फरवरी 2025 तक चलेगी और नगर निगम प्रशासन ने नागरिकों से पशुगणना के लिए आने वाले गणनाकारों को सहयोग करने की अपील की है.

केंद्र सरकार के निर्देशानुसार पशुपालन एवं डेयरी विभाग द्वारा हर पांच साल में पशुधन गणना कराई जाती है। पशुपालन विभाग (महाराष्ट्र सरकार) और मुंबई नगर निगम की संयुक्त पहल मोबाइल एप्लिकेशन की मदद से मुंबई में पशु जनगणना कर रही है। पशुपालकों का घरेलू, घरेलू उद्योग और गैर-घरेलू गतिविधियों आदि में वर्गीकरण सीधे घर-घर जाकर किया गया। साथ ही, पशुपालकों से उपलब्ध जानवरों की प्रजातियों (जैसे कुत्ते, मवेशी, भैंस, भेड़, बकरी, मुर्गी) को उम्र, लिंग, नस्ल के आधार पर दर्ज किया जा रहा है।

पुणेवासियों के लिए स्वतंत्र सरकारी अस्पताल बनेगा

पुणे. पुणे में एक स्वतंत्र अस्पताल की मांग कई वर्षों से की जा रही है. ससून अस्पताल से सटे महाराष्ट्र राज्य सड़क विकास निगम (एमएसआरडीसी) के भूखंड पर अस्पताल स्थापित करने की चर्चा कई वर्षों से चल रही थी। हालांकि, एमएसआरडीसी ने यह प्लॉट एक निजी डेवलपर को दिया था और इसे लेकर अनिश्चितता थी। अब ससून अस्पताल प्रशासन ने औंध उरो अस्पताल की जगह पर अस्पताल बनाने की पहल की है.

बी। जे। मेडिकल कॉलेज और ससून जनरल अस्पताल में 400 से 500 बिस्तरों वाला अस्पताल और अनुसंधान केंद्र स्थापित करने का प्रस्ताव है। केंद्र में उन्नत कैंसर उपचार होगा और एक संलग्न स्नातकोत्तर मेडिकल कॉलेज होगा। प्रस्ताव है कि अस्पताल के निर्माण के लिए 60 फीसदी धनराशि केंद्र सरकार और 40 फीसदी धनराशि राज्य सरकार का चिकित्सा शिक्षा विभाग देगा. इसके माध्यम से पर्याप्त धनराशि प्राप्त कर अस्पताल में आधुनिक गुणवत्ता वाली स्वास्थ्य सुविधा बनाने की योजना है। फिलहाल कैंसर के मरीजों को इलाज के लिए मुंबई जाना पड़ता है। सूत्रों ने बताया कि भविष्य में नई सुविधा बनने पर पुणे सहित पश्चिमी महाराष्ट्र के मरीजों का यहां इलाज किया जा सकेगा।

चिकित्सा शिक्षा विभाग ने अस्पताल के निर्माण की योजना तैयार करने के लिए विशेषज्ञों की पांच सदस्यीय समिति का गठन किया था। इस कमेटी ने हॉस्पिटल और पोस्ट ग्रेजुएट कॉलेज की योजना तैयार की है. यह योजना अंतिम चरण में है और इसे अगले सप्ताह जिला कलेक्टर को सौंप दिया जाएगा. कलेक्टर ने इस प्रोजेक्ट के लिए जमीन देने का वादा किया है. औंध उरो अस्पताल का कुल क्षेत्रफल 85 एकड़ है। सूत्रों ने बताया कि इसमें से 10 एकड़ जमीन पर अस्पताल बनाने का प्रस्ताव है।

एकनाथ शिंदे के समर्थन में आई कांग्रेस!

मुंबई.

महाराष्ट्र में विधानसभा चुनाव के बाद राज्य के नए सीएम को लेकर अभी भी सस्पेंस जारी है। दिल्ली से लेकर मुंबई तक बैठकें हुई। इसके बावजूद भी मुख्यमंत्री के नाम का ऐलान नहीं हो सका। महायुति में जारी सियासी घटनाक्रम पर अब विपक्ष भी हमलावर है। कांग्रेस सांसद प्रमोद तिवारी ने रविवार को राज्य में चल रहे सत्ता परिवर्तन के बीच महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री पद को संभालने के भाजपा के तरीके की जमकर आलोचना की है। महायुति गठबंधन को धोखे और राजनीतिक पतन की कहानी करार दिया। वहीं भाजपा पर शिंदे को "इस्तेमाल करो और फेंक दो की नीति" के तहत इस्तेमाल करने के

बाद धोखा देने का आरोप लगाया।

महाराष्ट्र की राजनीतिक घटनाक्रम पर कांग्रेस सांसद ने कहा कि एकनाथ शिंदे अब "विश्वासघात की सजा" का सामना कर रहे हैं और उन्होंने भाजपा में विश्वास और विश्वसनीयता की कमी को उजागर किया है। उन्होंने आगे ये भी कहा कि महायुति गठबंधन की कहानी धोखे और राजनीतिक पतन की कहानी है। पहले एकनाथ शिंदे ने अपने राजनीतिक गुरु के परिवार को धोखा दिया था।

ईवीएम पर राहुल कलाटे को संदेह

> 25 बूथों पर ईवीएम का सत्यापन!

चिंचवड. चिंचवड़ विधानसभा क्षेत्र में शरद पवार गुट के राहुल कलाटे ने ईवीएम मशीन सत्यापन के लिए आवेदन किया है. चिंचवड से विधायक शंकर जगताप महाविकास अघाड़ी के राहुल कलाटे के खिलाफ लड़ रहे थे. जगताप चिंचवड से एक लाख से ज्यादा वोटों से जीते. इस पर आपत्ति जताते हुए राहुल कलाटे ने ईवीएम सत्यापन के लिए आवेदन किया है.

राहुल कलाटे ने कुछ मुद्दे उठाए हैं. जबकि चुनाव चिंचवड विधानसभा क्षेत्र में हो रहा था, चुनाव केवल महाराष्ट्र में हो रहा था। चिंचवड विधानसभा क्षेत्र में बड़ी संख्या में मतदाता राज्य के विभिन्न हिस्सों में रहते हैं। हालाँकि चिंचवड़ में हजारों

मतदाता मतदान करने के लिए अपने गृहनगर गए, फिर भी चिंचवड़ में मतदान प्रतिशत कैसे बढ़ गया? ऐसा सवाल राहुल कलाटे ने उठाया और आपत्ति जताई और ईवीएम सत्यापन के लिए आवेदन किया.

एक बूथ पर जीएसटी समेत 47 हजार रुपये तक का आकलन किया गया है. उन्होंने ऐसे कुल 25 बूथों के लिए भुगतान किया है। ऐसी जानकारी राहुल कलाटे ने दी है. राहुल कलाटे को आवेदन किए हुए तीन से चार दिन हो गए हैं, लेकिन अभी तक उन्हें चुनाव आयोग से जवाब नहीं मिला है. उन्होंने कहा है कि 45 दिन में जवाब मिलने की उम्मीद है. इसलिए वे चुनाव आयोग के जवाब का इंतजार कर रहे हैं.

कुएं में गिरने से छात्र की मौत

जलगांव. तहसील के पिंगलवाड़े स्थित आश्रम स्कूल में एक सात वर्षीय छात्र की कुएं में गिरने से मौत हो गई। यह दर्दनाक हादसा 30 नवंबर को हुआ। बताया जा रहा है कि स्कूल में शौचालय की समुचित व्यवस्था नहीं होने के कारण स्कूल के छात्र अक्सर शौच के लिए खेतों में जाते थे। मृतक छात्र भी घटना वाले दिन शौच के लिए खेतों की ओर गया था और इसी दौरान यह हादसा हुआ।

जानकारी के अनुसार शनिवार को जब 7 वर्षीय छात्र पंकज जमादार वलवी दिखाई नहीं दिया तो उसकी तलाश शुरू हुई। इसकी खोजबीन के दौरान बच्चा स्कूल के पास स्थित एक कुएं में पड़ा हुआ मिला, जिसकी जानकारी पुलिस को दी गई। घटनास्थल पर पहुंचकर पुलिस ने बच्चे का शव कुएं

से निकालकर पास के अमलनेर ग्रामीण अस्पताल भिजवाया लेकिन वह पहले ही दम तोड़ चुका था। इस घटना की सूचना मिलने पर अधिकारी अरुण पवार यावल अमलनेर ग्रामीण अस्पताल पहुंचे लेकिन बिना कोई ठोस कार्रवाई किए ही बिना ही वो वहां से चले भी गए। इस हादसे को लेकर स्थानीय पुलिस ने इस मामले में आकस्मिक मृत्यु का मामला दर्ज किया है। पुलिस ने बताया कि मामले की जांच की जा रही है। इस दुखद घटना ने क्षेत्र और यहां के स्कूलों में शौचालय की कमी और स्कूलों में बच्चों की सुरक्षा के मुद्दे को उजागर किया है।

पोर्नोग्राफी रैकेट मामले में राज कुंद्रा को समन जारी

मुंबई.

प्रवर्तन निदेशालय ने हाल ही में अभिनेत्री शिल्पा शेट्टी के पति राज कुंद्रा के कई ठिकानों पर छापेमारी की। इसके बाद अब प्रवर्तन निदेशालय ने हाई-प्रोफाइल पोर्नोग्राफी रैकेट मामले में राज कुंद्रा को पूछताछ के लिए बुलाया है। ईडी सूत्रों के मुताबिक, प्रवर्तन निदेशालय ने उद्योगपति राज कुंद्रा को पूछताछ के लिए सोमवार सुबह 11 बजे मुंबई स्थित उसके दफ्तर में पेश होने को कहा है. वहीं इस मामले में अन्य लोगों को भी जांच के लिए बुलाया गया है. मुंबई पुलिस ने जुलाई 2021 में राज कुंद्रा को

अश्लील सामग्री बनाने और वितरित करने के आरोप में गिरफ्तार किया था । अब प्रवर्तन निदेशालय पॉर्न फिल्मों के निर्माण और बिक्री से हुई आय की जांच कर रहा है। प्रवर्तन निदेशालय ने हाल ही में जांच के तहत मामले के सिलसिले में मुंबई और उत्तर प्रदेश में लगभग 15 स्थानों पर छापेमारी की थी ।

इस मामले में मुंबई पुलिस ने आरोप लगाया है कि राज कुंद्रा ने ऐप्स और अन्य प्लेटफॉर्म के जरिए अश्लील सामग्री प्रसारित करके बहुत पैसा कमाया है। जांच के दौरान, पुलिस ने हॉटशॉट्स ऐप के लिए वित्तीय अनुमानों और बाजार रणनीतियों का विवरण देने वाले मेमोरी कार्ड, हार्ड डिस्क और पावरपॉइंट प्रेजेंटेशन सहित आपत्तिजनक सबूत जब्त किए। राज कुंद्रा ने 2019 में आर्म्सप्राइम मीडिया नाम से कंपनी शुरू की। बाद में राज कुंद्रा ने ऐप को अपने रिश्तेदार प्रदीप बख्शी की यूके फर्म को बेच दिया।

ठाणे एसएनसीयू कक्ष शिशुओं के लिए जीवन रक्षक

मुंबई. दरअसल 400 ग्राम वजन वाले बच्चे का इलाज करना हमारे लिए एक चुनौती थी. शाहपुर के आदिवासी इलाके की एक महिला ने ठाणे जिला अस्पताल में 400 ग्राम वजन के बच्चे को जन्म दिया। चूंकि मां को पर्याप्त पोषण नहीं मिल पाया, इसलिए बच्चे को बचाना बड़ी चुनौती थी. करीब डेढ़ महीने से बच्चे का इलाज एसएनसीयू (स्पेशल नियोनेटल केयर यूनिट) में चल रहा था...आज बच्चा और मां सकुशल घर लौट आए हैं, यह देखकर अस्पताल के एसएनसीयू के डॉ. सुरेश वानखेड़े के चेहरे पर संतुष्टि नजर आवे कम वजन वाले शिशुओं के लिए जीवनरक्षक बनें। आर्थिक स्थिति ठीक न होने के कारण ठाणे जिले के विभिन्न स्थानों से सैकड़ों महिलाएं प्रसव के लिए ठाणे जिला अस्पताल आती हैं। प्रसूति वार्ड में बिस्तरों का अनुपात और प्रसव के लिए आने वाली महिलाओं की संख्या बेहद व्यस्त है। नतीजतन, प्रसव के लिए आने वाली कई माताओं को फर्श पर गद्दे पर सोना पड़ता है। प्रसव के लिए आने वाली माताओं की संख्या को देखते हुए डॉक्टरों और नर्सों का अनुपात बेहद व्यस्त है।

युवाओं में एचआईवी संक्रमित होने की संभावना अधिक

मुंबई.

पिछले पांच सालों में एचआईवी मरीजों की संख्या लगातार घट रही है. 2019-20 की तुलना में 2023-24 में एचआईवी मरीजों की संख्या में 0.2 फीसदी की कमी आई है. हालाँकि रोगियों की संख्या में कमी आई है, लेकिन नए एचआईवी संक्रमणों में 75 प्रतिशत युवा लोग हैं। इसमें भी एचआईवी से संक्रमित महिलाओं का अनुपात 31 फीसदी है. हालांकि यह चिंताजनक है, एआरटी केंद्रों पर उचित उपचार प्राप्त करने वाले नव निदान रोगियों की संख्या में भी 4.1 प्रतिशत की वृद्धि हुई है।

मुंबई जिला एड्स नियंत्रण सोसाइटी 2030 तक मुंबई में संपूर्ण एचआईवी रोकथाम के लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए निरंतर प्रयास कर रही है। इसके तहत नागरिकों में जागरूकता पैदा करने और अधिक जांच करने पर जोर दिया जा रहा है। पिछले पांच वर्षों में मुंबई में 29 लाख 16 हजार 74 नागरिकों का एचआईवी परीक्षण किया गया। इसमें 16 हजार 794 संक्रमित मरीज मिले।

मुंबई में हर साल औसतन 3000 नए एचआईवी संक्रमित मरीज मिल रहे हैं। नये निदान किये गये मरीजों में 15 से 49 वर्ष के मरीजों का अनुपात 75 प्रतिशत तथा महिलाओं का अनुपात 31 प्रतिशत है। साथ ही मुंबई जिला एड्स नियंत्रण सोसायटी के अतिरिक्त परियोजना निदेशक डॉ. विजय कुमार करंजकर ने कहा.

पिछले पांच वर्षों में एआरटी केंद्रों में लाए गए नए निदान वाले रोगियों की संख्या में 4.1 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। मुंबई में अब तक मिले कुल मरीजों में से 40 हजार 658 एचआईवी पॉजिटिव मरीजों का इलाज एआरटी सेंटरों में किया जा रहा है.

आज का राशिफल

मेष - जातकों के लिए कल दिन इनकम को बढ़ाने वाला रहेगा. आपको अपने घरेलू कामों पर पूरा ध्यान देना होगा.

वृषभ - जातकों के लिए दिन आनंदमय रहने वाला है. आपकी संतान आपकी उम्मीदों पर खरी उतरेगी. आप अपने फिजूल के खर्चों को बढ़ा सकते हैं.

मिथुन- जातकों के लिए कल दिन सुख सुविधाओं को बढ़ाने वाला रहेगा. आपके घर किसी नये मेहमान का आगमन हो सकता है, जिससे माहौल खुशनुमा रहेगा.

कर्क -दिन व्यस्तता भरा रहने वाला है. आप अपनी जिम्मेदारियां को बखूबी निभाएंगे और किसी से यदि कोई कर्ज लिया था, तो उसे भी उतारने में सफल रहेंगे.

सिंह - शीघ्रता व भावुकता में कोई निर्णय लेने से बचना होगा. यदि किसी जरूरतमंद व्यक्ति की मदद करने का मौका मिले, तो आप अवश्य करें.

कन्या - जातकों के लिए दिन रचनात्मक क्षमता को बढ़ाने वाला रहेगा. आपकी कला कौशल में सुधार आएगा. आपको अपने विरोधियों से सतर्क रहना होगा.

तुला -आज दिन सोच समझकर कामों को करने के लिए रहेगा. आपकी कुछ प्रभावशाली लोगों से मुलाकात होगी.

वृश्चिक - आज कल दिन मिश्रित रूप से फलदायक रहने वाला है. बच्चों के साथ आप समय मौज मस्ती करने में व्यतीत करेंगे.

धनु -जातकों की नेतृत्व क्षमता बढ़ेगी. आप अपने आवश्यक कामों को कल पर टालने की कोशिश ना करें. यदि आपने धन संचय करने का सोचा था

मकर -जातकों के लिए दिन मिश्रित रूप से फलदायक रहने वाला है. आपको पारिवारिक मुद्दों में ढील देने से बचना होगा.

कुंभ -आज दिन मिला-जुला रहने वाला है. आपको यदि कोई शारीरिक कष्ट लंबे समय से चल रहा था, तो उसमें भी काफी हद तक राहत मिलेगी.

मीन -आज दिन मेहनत से काम करने के लिए रहेगा. आपको अपने विरोधियों से सतर्क रहना होगा. साझेदारी में कोई काम करना आपके लिए अच्छा रहेगा.

राष्ट्रीय कृमि मुक्ति दिवस पर बच्चों को कृमिनाशक गोली वितरित

मुंबई. राज्य में 4 दिसंबर को राष्ट्रीय कृमि मुक्ति दिवस मनाया जाएगा और इस दिन 1 से 19 वर्ष तक के सभी लड़के-लड़कियों को स्वास्थ्य विभाग की ओर से कृमिनाशक गोलियां दी जाएंगी. जन स्वास्थ्य विभाग ने इस संबंध में योजना बनाई है और शिक्षा विभाग और बाल कल्याण विभाग के समन्वय से लगभग 1 करोड़ 48 लाख लड़के-लड़कियों को कृमिनाशक गोलियां दी जाएंगी. कृमि के कारण बच्चों और किशोरों में एनीमिया, पेट दर्द, उल्टी, दस्त, मतली, भूख न लगना का खतरा होता है। इसलिए इस संभावित खतरे से बचने के लिए राज्य के जन स्वास्थ्य विभाग ने अपील की है कि 1 से 19 साल तक के सभी लड़के-लड़कियां कृमिनाशक गोली का सेवन करें.

स्वास्थ्य विभाग ने 'राष्ट्रीय कृमि मुक्ति दिवस' की तैयारी कर ली है और चिकित्सा अधिकारियों, शिक्षकों एवं अन्य संबंधित कर्मचारियों को आवश्यक निर्देश दे दिये गये हैं. राज्य के 56,007 आंगनवाड़ी केंद्रों, 55,102 स्कूलों और कॉलेजों में लगभग 1 करोड़ 48 लाख लड़के और लड़कियों को कृमि नाशक गोलियाँ दी जाएंगी। जिन वंचित बच्चों को किसी कारणवश 4 दिसंबर को कृमि नाशक गोली नहीं दी गई, उन्हें 10 दिसंबर को मॉप-अप दिवस पर गोली दी जाएगी।

बस चालक की करंट लगने से मौत

पुणे.

छात्रों को ले जा रहे एक बस चालक की करंट लगने से मौत की घटना कोंढवा के सिंहगढ़ सिटी स्कूल के परिसर में घटी. कोंढवा पुलिस ने दुर्घटना के लिए जिम्मेदार होने के आरोप में संस्था के निदेशकों और कर्मचारियों के खिलाफ मामला दर्ज किया था। मृतक बस चालक की पहचान संतोष पांडुरंग मालवडकर (उम्र 47, निवासी पिसोली ग्राम पंचायत, कोंढवा) के रूप में हुई है। दुर्घटना के लिए जिम्मेदार होने के आरोप में सिंहगढ़ सिटी स्कूल के निदेशक धनंजय तुकाराम महादिक, परिवहन पर्यवेक्षक दौलत दत्तात्रेय ढोक और विजय संपत कुंभार के

खिलाफ मामला दर्ज किया गया है। संतोष मालवडकर की पत्नी सुनीता (उम्र 40) ने कोंढवा पुलिस स्टेशन में शिकायत दर्ज कराई है. संतोष मालवडकर सिंहगढ़ सिटी स्कूल के छात्रों को परिवहन करते हैं। 18 अक्टूबर को वह सिंहगढ़ सिटी स्कूल के परिसर में खड़ी बस पर पानी फेंक कर उसे साफ कर रहा था. तभी बस के कंप्रेसर में लगे तार से मालवडकर को करंट का झटका लगा. बिजली का झटका लगने से मालवडकर बेहोश हो गए. संस्थान के स्टाफ ने उन्हें तुरंत अस्पताल में भर्ती कराया। इलाज से पहले ही उसकी मौत हो गई.

कोंढवा पुलिस ने शुरुआत में इस मामले में आकस्मिक मौत दर्ज की थी. मालवडकर की पत्नी सुनीता ने हाल ही में पुलिस में शिकायत दर्ज कराई है. जर्जर तार से करंट लगने से पति की मौत हो गयी. बस का रखरखाव ठीक से न होने के कारण यह हादसा हुआ। उन्होंने शिकायत में कहा कि इस हादसे के लिए संस्था के निदेशक और सुपरवाइजर जिम्मेदार हैं. सहायक पुलिस निरीक्षक राजेश उसगांवकर जांच कर रहे हैं.

क्या बीजेपी के पास है राज्यपाल की शक्ति

> संजय राउत ने बावनकुले पर साधा निशाना

मुंबई.

महाराष्ट्र में शिवसेना (यूबीटी) सांसद संजय राउत ने पूर्व सीजेआई डीवाई चंद्रचूड पर आरोप लगाया है. उन्होंने कहा कि एक ऐसी सरकार सुप्रीम कोर्ट के प्रोटेक्शन में चली, जो संविधान के खिलाफ थी. इसके लिए साफ तौर पर पूर्व मुख्य न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़ और सुप्रीम कोर्ट जिम्मेदार है.अब केयरटेकर गवर्नमेंट भी संविधान के खिलाफ चल रही है. इतने दिन हो चुके हैं, उनके पास भारी बहुमत है. अकेले बीजेपी के पास बहुमत है, फिर भी इन लोगों ने राजभवन में जाकर सरकार बनाने का दावा नहीं किया है. ये सभी अगर अल्पमत में होते और हमारे पास बहुमत होता, तो ये लोग राजभवन में भाग-भागकर जाते और अपना दावा ठोक देते कि हमें अपनी सरकार बनानी है.

उन्होंने महाराष्ट्र बीजेपी अध्यक्ष चंद्रशेखर बावनकुले पर निशाना साधते हुए कहा कि नागपुर से बैठकर वो कहते हैं कि 5 तारीख को सरकार बनेगी, शपथ ग्रहण होगा. क्या वो राज्यपाल हैं? या फिर इन लोगों के पास राज्यपाल की शक्ति है? उन्होंने कहा कि हम सब कुछ देख रहे हैं कि ईवीएम में किस तरह की गड़बड़ी हुई है? पैसों का खेल भी चलाया, इनकी सारी गतिविधियों के खिलाफ हम जल्द ही बहुत बड़ा मूवमेंट चलाने की तैयारी कर रहे हैं. एक सवाल के जवाब में उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री के नाम में सस्पेंस जैसा कुछ नहीं है. इन्हें बहुमत मिला है तो जल्द से जल्द विधायक दल का नेता चुना जाना चाहिए.

महायुति अभी तक विधायक दल का नेता नहीं चुन पाई

संजय राउत ने मीडिया से बातचीत में कहा कि आज इनके पास बहुमत है. इतने दिन बीत चुके हैं, लेकिन ये लोग सरकार बनाने का दावा नहीं कर रहे हैं. चुनाव परिणाम आने के इतने दिनों बाद भी महायुति अपना विधायक दल का नेता नहीं चुन पाई है. ये सभी सिर्फ जनता को बेवकूफ बना रहे हैं.

सुविचार

सुबह का एक छोटा सा सकारात्मक विचार
आपका पूरा दिन बदल सकता है.

संपादकीय

सुधार की जरूरत

❏ सुप्रीम कोर्ट ने एक याचिका पर सुनवाई करते हुए यूपी पुलिस को जैसी कड़ी फटकार लगाई है, उससे जाहिर होता है कि मर्ज पुराना है और गंभीर भी। देश की शीर्ष अदालत को अगर यहां तक कहना पड़े कि पुलिस पावर का आनंद ले रही है और उसे संवेदनशील होने की जरूरत है, तो इसका मतलब कि खाकी उन अपेक्षाओं पर खरी नहीं उतर पा रही, जिसके लिए उसे इतनी शक्तियां दी गई हैं। अदालत की टिप्पणी फिर से याद दिला रही है कि देश में पुलिस सिस्टम में सुधार की कितनी जरूरत है।

समाज के एक बड़े तबके में पुलिस के लिए आदर नहीं, डर का भाव है। उसे थाने में जाकर अपनी बात कहने से डर लगता है। हम बात करते हैं कि आम जन पुलिस के साथ सहयोग करें, लेकिन ऐसा कैसे हो सकता है, जब तक कि आम जन का पुलिस पर भरोसा ही नहीं होगा। इसकी वजह है पुलिसिया कार्यप्रणाली, जो अभी तक औपनिवेशिक मानसिकता में जकड़ी दिखाई देती है। और इसकी वजह से कानून नहीं, डर का शासन ज्यादा दिखता है।

सवाल यह भी है कि पुलिस इस मानसिकता से निकलेगी कैसे, जबकि उसकी बुनियाद में अब भी 1861 का वही पुलिस एक्ट है, जो अंग्रेजों ने हिंदुस्तानियों पर राज करने के लिए बनाया था। डेढ़ सौ बरस से ज्यादा हो गए और इस दौरान देश-समाज ने इतनी तरक्की कर ली, लेकिन उसकी तुलना में पुलिस सिस्टम वहीं ठहरा हुआ लगता है। कहने को सिस्टम में सुधार के लिए 1977 में नेशनल पुलिस कमिशन बना, रिबेरो समिति, पद्मनाभैया समिति, मलिमथ समिति आई, लेकिन किसी के भी सुझावों पर पूरी तरह अमल नहीं किया गया। सुप्रीम कोर्ट ने एक याचिका पर सुनवाई करते हुए 2006 में पुलिस सुधारों के लिए कुछ दिशा-निर्देश दिए थे। इसमें कहा गया था कि स्टेट सिक्योरिटी कमिशन का गठन हो और डीजीपी समेत दूसरे अफसरों को भी कम से कम दो साल का मौका मिले। इनका मकसद यह था कि पुलिस को राजनीतिक दबाव से निकाला जाए, ताकि वह स्वतंत्र रूप से काम कर सके। कहने की जरूरत नहीं कि इन पर अमल नहीं हुआ।

मार्च 2023 में सरकार ने संसद में जानकारी दी थी कि देश में प्रति एक लाख आबादी पर औसतन केवल 152.80 पुलिसकर्मी हैं। यूपी में तो यह आंकड़ा और भी कम था, महज 133.86। इस बात से इनकार नहीं किया जा सकता कि पूरे देश की पुलिस दबाव में है। सीनियर्स का प्रेशर, काम के घंटे, छुट्टियों की कमी- कुल मिलाकर यह स्थिति उस डिपार्टमेंट के लिए सही नहीं कही जा सकती, जिस पर सुरक्षा जैसी अहम जिम्मेदारी है। हम यह तो सोच रहे हैं कि पुलिस सुधर जाए, लेकिन यह भी सोचना होगा कि उनके काम का माहौल सुधरे। दोनों चीजें साथ होंगी, तभी परिणाम बेहतर मिलेगा।

- एन. रघुरामन

हैप्पीनेस ऐसा मूड जो सकारात्मक मनोदशा रचता है

मैं एक ऐसे युवा को जानता हूं, जो 2015 में पुणे स्थित एक संगठन में अस्थायी कर्मचारी के रूप में शामिल हुए और नौ वर्षों में पांच पदोन्नतियां हासिल करते हुए उन लोगों को पछाड़ दिया, जो 25-30 वर्षों से वहां काम कर रहे थे।

पिछले हफ्ते मैं कंपनी के मालिक से एक डिनर पर मिला तो उनसे पूछा कि उन्होंने उस विशेष कर्मचारी को इतनी बार क्यों पदोन्नत किया? उन्होंने कहा, क्योंकि वह "हैप्पीनेस कॉलर' पहनकर कार्यालय आता है! आप सोच रहे होंगे कि यह क्या है? तो आगे पढ़ें।

आपने पुणे के पास जुन्नार डिवीजन में खेत-मजदूरों के बारे में सुना होगा, जिन्होंने जान बचाने के लिए "सी' आकार का एक नुकीला कॉलर अपनी गर्दन में पहनना शुरू कर दिया है। ऐसा इसलिए है, क्योंकि तेंदुए आम तौर पर किसी व्यक्ति की गर्दन को पकड़ लेते हैं और अपने दांतों को गहराई तक गड़ाकर उसे मार देते हैं।

पिछले पांच वर्षों में उस क्षेत्र में तेंदुए बहुत बढ़ गए हैं। लेकिन आप में से कई लोगों ने निश्चित रूप से देखा होगा कि या तो कार्यस्थल पर इच्छित पदोन्नति और वेतन-वृद्धि न देकर जानबूझकर आपका करियर खत्म किया जा रहा है या ऊपर बताए गए युवा कर्मचारी की तरह कुछ लोगों को हर साल बिना किसी अपवाद के वेतन-वृद्धि और पदोन्नति या दोनों मिलते रहते हैं। क्योंकि वे भी एक खास किस्म की कॉलर पहनते हैं और कॉर्पोरेट में उसे "हैप्पीनेस कॉलर' कहा जाता है।

तो यह "हैप्पीनेस कॉलर' क्या है? इसे धारण करने वाले कर्मचारी तब भी मुस्कराते हैं, जब उनका काम बहुत थका देने वाला होता है। प्रबंधन को लगता है कि वे कार्यालय में "हैप्पी वॉरियर्स' हैं। उनकी मुस्कराहट शीर्ष पदों पर बैठे लोगों को संकेत देती है कि वे नकारात्मकता और बर्न-आउट के शिकार नहीं हुए हैं।

यदि आप उनसे पूछें कि काम से लदे होने के बावजूद वे क्यों मुस्कराते रहते हैं, तो वे आपको एक और बड़ी स्माइल देंगे, गले लगाएंगे और अपना काम पूरा करने के लिए डेस्क की ओर चल देंगे, क्योंकि उनके खुशमिजाज स्वभाव के पीछे एक तीव्र महत्वाकांक्षा छिपी होती है। वे अपनी डेस्क की ओर जाते समय खुद से कहते होंगे : "मैं काम पूरा करना चाहता हूं और अधिक पैसे कमाना चाहता हूं।'ये मुस्कराते हुए सहकर्मी जन्मजात ऐसे नहीं थे। जहां ज्यादातर कर्मचारी देर तक काम करके या कुछ खास कौशल विकसित करके प्रबंधन को प्रभावित करने की कोशिश करते हैं, वहीं इन अथक आशावादी लोगों की यह छोटी सेना सिर्फ काम का अतिरिक्त बोझ उठाते हुए मुस्कराकर बाकी सभी को मात देने के लिए दृढ़ संकल्पित है।

"हैप्पी वॉरियर्स' का मतलब है अपमानित महसूस करने पर लोगों को संदेह का लाभ देना और निराशा को व्यक्तिगत रूप से नहीं लेना। इसका परिणाम यह रहता है कि वे खराब मूड में नहीं आते और उनका प्रदर्शन प्रभावित नहीं होता।एचआर मैनेजर भी हर पदोन्नति से पहले यह देखना चाहते हैं कि आप पेशेवर रूप से चुनौतियों को संभालने में सक्षम हैं और सकारात्मक दृष्टिकोण के साथ आगे बढ़ते हैं। ऐसे लोग कार्यस्थल पर बहुत ऊर्जा लेकर आते हैं और निस्संदेह उन्हें अधिक काम भी मिलता है। लेकिन इसके नतीजे में उन्हें स्पष्ट रूप से प्रबंधन की तवज्जो मिलती है, जो पदोन्नति और वेतन-वृद्धि में तब्दील हो जाती है। खुशी एक सकारात्मक मानसिकता की ओर ले जाती है, जो कार्यस्थल पर मैत्रीपूर्ण रवैए और साथ ही निर्णय लेने में कठोरता को दर्शाती है।

बढ़ती सड़क दुर्घटनाएं

घायलों और मृत्यु की दर को शून्य कैसे किया जाए!

❏ सड़क दुर्घटनाएं थमने का नाम नहीं ले रही हैं। आए दिन उनके समाचार चैनलों और समाचार पत्रों में देखने और पढ़ने को मिलते हैं। ये दुर्घटनाएं अवश्य ही दिल दहलाने वाली होती हैं। इन दुर्घटनाओं में किसी की घटनास्थल पर ही मौत हो जाती है और फिर किसी का जीवन साथी चल बसता है, किसी बच्चे के सिर से उसके पिता या मां का साया उठ जाता है , कोई ज़िंदगी भर के लिए अपंग हो जाता है । जिस घर का दीपक किसी हादसे में बुझ जाता है तो उस घर में हमेशा के लिए अंधेरा छा जाता है। कभी उन सड़क हादसों में पूरा परिवार ही उजड़ जाता है। हैरानी की बात तो तब होती है जब घायलों को बिना प्राथमिक सहायता के छोड़ दिया जाता है,घायलों के वीडियो बनाने में लग जाते हैं बल्कि उस घड़ी में घायलों को प्राथमिक चिकित्सा की अत्यंत आवश्यकता होती है । इन दुर्घटनाओं में बच्चों और किशोरों की मौतें अधिक होती हैं,इस प्रकार की दुर्घटनाएं स्कूल ,कॉलेजों के आसपास होती हैं । इनसे बचने के लिए स्कूल और कॉलेजों के आसपास वाहनों की गति सीमा 25 किमी प्रति घंटा होना चाहिए।

दुर्घटनाओं के मूल कारणों में अक्सर वाहन चालक यातायात नियमों की परवाह और पाबंदी नहीं करते । इसके अलावा वाहन को तेज़ गति से चलाना और लापरवाही बरतना भी दुर्घटना का मुख्य कारण बनती है। नतीजा हमारे सामने है कि सड़क दुर्घटनाओं में विश्व में भारत शीर्ष स्थान पर है, जहां हर दिन 400 से अधिक मौतें होती हैं। आंकड़ों पर नज़र डालने से ज्ञात होता है कि भारत में विश्व के मात्र एक प्रतिशत वाहन हैं, लेकिन विश्व में होने वाली सभी सड़क दुर्घटनाओं में से 6 प्रतिशत और मौतों में से 11 प्रतिशत भारत में होती हैं। पिछले दशक में सड़क दुर्घटनाओं के आंकड़े 3.1 मिलियन से अधिक मृत्यु और 5 मिलियन से अधिक घायल हुए हैं। दुर्घटनाओं से पता चलता है कि शहरों की अपेक्षा ग्रामीण क्षेत्रों में सड़क दुर्घटनाएं अधिक होती हैं।

सड़क दुर्घटनाओं के बहुत से कारक जिम्मेदार होते हैं , जैसे यातायात पर्यवेक्षण की कमी, सड़कों पर आवारा जानवरों की मुक्त आवाजाही, राजमार्गों की तकनीकी कमियां, चालकों द्वारा सड़क संकेतों की अनदेखी, यातायात नियमों का पालन न करना, घायलों को समय पर चिकित्सा सहायता न मिलना , तीव्र गति और नशे में वाहन चलाना , वाहन के आगे पीछे के वाहन चालकों का असावधानी पूर्वक वाहन चलाने के साथ उनका भी नशे में रहना ; चौराहों, रोड, फुटपाथ पर अव्यवस्थित वाहनों को खड़ा होना , फुटपाथ या रोड के किनारे दुकानों का यातायात व्यवस्था में बिगाड़ पैदा करना, ट्रेफिक पुलिस द्वारा वाहनों को अनावश्यक रोकने का प्रयास करना जिससे कि वाहन चालक तीव्र गति से वाहन दौड़ाते हैं जो कभी दुर्घटना का कारण बन जाते हैं , रोड की दुर्दशा के अलावा रेडियम पट्टे न होना जिससे कि डिवाइडर और ब्रेकर दिखाई नहीं देते ऐसे बहुत से मामले दुर्घटनाओं का कारण बनते हैं। सड़क के डिवाइडर की अनावश्यक कटिंग भी दुर्घटना की ज़िम्मेदार है। यदि कटिंग आवश्यक है तो रोड़ के दोनों ओर स्पीड ब्रेकर होना चाहिए ताकि दुर्घटनाओं को रोका जा सके। उड़ान पुल से यातायात को नियंत्रित करने में अवश्य ही मदद मिलती है लेकिन उनपर भी दुर्घटनाओं का होना बेहद चिंताजनक है । उड़ान पुल के निर्माण से पहले ही यातायात के मानकों को ध्यान में रखा जाना चाहिए तब उन्हें दुर्घटनाओं से मुक्त किया जा सकता है ।

दूसरी आश्चर्य की बात यह है कि आंकड़े बताते हैं कि 1.65% लोग सड़क चिन्हों की वास्तविकता को जानते हैं लेकिन केवल 16% लोग ही उसका पालन करते हैं।

सड़क दुर्घटना में होने वाली अधिकांश मौतों को कुछ साधारण उपायों के माध्यम से रोका जा सकता है । जैसे सुरक्षित तरीके से वाहन चलाना, सड़क पर पैदल चलने वालों का ख्याल रखना, तेज़ गति और ओवर-टेकिंग से बचना, अपने वाहन की गति को नियंत्रित रखना , आवारा जानवरों को सड़क पर घूमने को प्रतिबंधित किया जाना, फुटपाथों पर व्यवसायियों द्वारा अतिक्रमण कर पैदल चलने वालों को सड़क पर चलने के लिए मजबूर करने से रोकना तथा ट्रेफिक पुलिस के गश्त से भी सड़क दुर्घटनाओं को रोकने में मदद मिल सकती है ।आंकड़े यह भी बताते हैं कि देश में सन् 2022 में कुल 461312 सड़क दुर्घटनाएं हुईं , उनमें से 168491 लोगों की मृत्यु हुई है जबकि 443366 दुर्घटनाओं में घायल होने वालों में महिलाओं से अधिक पुरुषों की संख्या है । इनमें ज़्यादातर 15 से 19 वर्ष आयु किशोर हैं। मृतकों में अधिकतर की आयु 15 से 25 वर्ष के बीच होती है। दुर्घटनाओं में 20-25% पॉलीट्रोमा और 60% लोगों को सेरेब्रल पाल्सी होती है। दोपहिया वाहन चालकों के दुर्घटनाग्रस्त होने की संभावना अधिक होती है, उनमें से कुछ मौत के मुंह में चले जाते हैं, कुछ की चोटें गंभीर होने के कारण उनके जीवन में बदलाव आ जाता है, ऐसे घायल लंबे समय तक बिस्तर पर अपना जीवन व्यतीत करते हैं.

दुर्घटनाओं की रोकथाम के लिए सर्वोत्तम तरीकों से अनुशंसित कार्रवाइयों की रूपरेखा तैयार की गई है। हमारे देश ने संयुक्त राष्ट्र द्वारा तैयार कार्यक्रम के तहत सड़क पर होने वाली मौतों को 2030 तक आधा कम करने की प्रतिबद्धता की है। जीवन के इस महत्वपूर्ण पहलू , सड़क दुर्घटनाओं और समाज के कमज़ोर वर्गों यानी बच्चों और कम उम्र के लोगों पर विशेष ध्यान केंद्रित करने के लिए यूनिसेफ ने यातायात और सड़क सुरक्षा विशेषज्ञों, मीडिया और संचार पेशेवरों, लेखकों और समाज के गणमान्य सदस्यों को गुजरात के गांधीनगर में आमंत्रित कर उसने गुजरात सरकार के इंटरनेशनल आटो मोबाइल सेंटर फॉर एक्सीलेंस में एक राष्ट्रीय मीडिया कार्यशाला का आयोजन किया था। इसका उद्देश्य यह था कि सड़क सुरक्षा की समस्याओं का व्यावहारिक समाधान कैसे खोजा जाए । इसमें अवगत कराया गया कि सड़क हादसों में बच्चों की मौतों के प्रति उनके आंकड़े चौंकाने वाले हैं । दुनिया भर में हर मिनट में 2 मौतें होती हैं और प्रतिदिन 3,200 से अधिक सड़क दुर्घटनाओं में 5 से 29 वर्ष के बच्चों और किशोरों में मृत्यु का प्रमुख कारण बनी हुई हैं।

कार्यशाला में सड़क सुरक्षा सलाहकार और पूर्व निदेशक एनआईएमएचएएमएस , बैंगलोर डॉ. जी गुरु नाथ ने सड़क सुरक्षा के पीछे के बुनियादी विज्ञान को रेखांकित किया । लगभग आधे घंटे की बातचीत में उन्होंने उस से संबंधित समस्या और समाधान को प्रस्तुत किया। उन्होंने आश्चर्य जताया कि विकसित पश्चिम ने सड़क दुर्घटना में होने वाली मौतों को किस तरह कम किया है, जबकि हमारे देश में ध्यान नहीं दिया जाता ।

हमारे देश में वाहन चालक इस तरह से वाहन चलाते हैं कि कई लोगों की मौत हो जाती है। उन्होंने सीट बेल्ट लगाने, हेलमेट पहनने, यातायात नियमों का पालन करने , वाहन चलाते समय मोबाइल फोन का प्रयोग न करने, गति को निर्धारित सीमा में रखने तथा शराब पीकर वाहन चलाने से होने वाले नुकसान पर आंकड़ों के साथ विस्तार से चर्चा की। उन्होंने कहा कि 72 प्रतिशत दुर्घटनाएं तेज गति के कारण होती हैं, जबकि 70 प्रतिशत मौतों को मानक सीमा के हेल्मेट पहनने से रोका जा सकता है। उन्होंने कहा कि इस ओर शीघ्र ही ध्यान देना अत्यावश्यक है । (फुटपाथों पर हेल्मेट की बिक्री गुणवत्ता पर सवालिया निशान पैदा करती है, इस ओर ध्यान दिया जाना चाहिए कि वहां मानक गुणवत्ता के ही हेल्मेट की बिक्री हो)।

यूनिसेफ के इस मुद्दे को उठाने के पीछे सड़क हादसों के शिकार लोगों में बच्चों और किशोरों की आधी संख्या का होना बताया है। इस मुद्दे पर यूनिसेफ ने अपनी 2022 की रिपोर्ट "दक्षिण एशिया में बाल और किशोर सड़क सुरक्षा" पर प्रकाश डाला। उसके अनुसार 2019 में उस क्षेत्र में 2.12 मिलियन मौतों में से 9 प्रतिशत घायल हुए और सड़क पर यातायात बाधित होने पर एक चौथाई बच्चे और किशोर हैं , उनमें से 468,171 मौतें घायल होने का कारण बनीं । इनमें से 85929 मौतें सड़क पर यातायात टकराने के साथ डूबने से हुईं । कुल मिलाकर यातायात मौतों की यह दर प्रति 100,000 लोगों पर 6 थी। इन दुर्घटनाओं के कारण 20 वर्ष से कम आयु के 2.5 मिलियन लोग विकलांग हुए।

विशेषज्ञों का मानना है कि सड़क पर होने वाली मौतें ऐसी हैं जिनसे बचा जा सकता है। फिर भी वे घटित हो ही रही हैं और उनमें प्रति वर्ष 10% की दर से बढ़ोत्तरी भी हो रही है। वे इस बात पर सहमत थे कि सबसे पहले हमें यह समझने की ज़रूरत है कि दुर्घटनाएँ क्यों होती हैं और फिर उत्पादों (वाहन सुधार) और लोगों के व्यवहार में अधिक महत्वपूर्ण बदलाव(समस्याओं) के साथ सामने आना चाहिए । ताकि ज़मीनी समस्या से निपटने में आसानी हो. इसी तरह मौतों में भी बढ़ोतरी की गंभीरता सड़कों पर होने वाली मौतों की संख्या को गति प्रबंधन से कम किया जा सकता है। क्योंकि सड़क हादसों में मौत का मुख्य कारण तेज़ रफ्तार है। और इस पहलू का कार्यान्वयन कठोर से कठोरतम होना चाहिए.ओवर-स्पीडिंग के बार-बार दोषी पाए जाने पर उनका लाइसेंस रद्द कर उन पर लगाम लगाई जा सकती है। यदि इसका समाधान सरल है तो इस पर काम किया जाना चाहिए । चौराहों के सिग्नल पर भी ध्यान देने की आवश्यकता है , कभी वे बंद रहते हैं और कभी वहां ट्रेफिक पुलिस नहीं होती , इससे यातायात व्यवस्था बिगड़ती है और कहीं न कहीं वह दुर्घटना का रुख ले लेती है । अस्पतालों के आसपास काफी भीड़ भाड़ रहती है, रोगियों को शीघ्र चिकित्सा सहायता मिल जाए इसके लिए चालक अस्पताल तक पहुंचने के लिए वाहन को तेज़ गति से चलाने का प्रयास करते हैं जो जोखिम भरा होता है। इस समस्या पर ध्यान देकर सड़क को अतिक्रमण और भीड़ भाड़ से मुक्त किया जाना चाहिए। अस्पतालों की सीमा में वाहनों की रफ़्तार 30 किमी प्रति घंटा के लगभग होनी चाहिए।

यातायात के विभिन्न विभाग ऐसे हैं जो सड़क सुरक्षा की समस्याओं से जुड़े हुए हैं। उनकी उदासीनता पूरी तरह से दूर होना चाहिए,समस्याओं का निदान निकाला जाना चाहिए , वे तब हरकत में आते हैं जब तक कोई बड़ी दुर्घटना न हो जाए. हर पल देशवासियों, शासन ,प्रशासन, यातायात विभाग, इस से जुड़े विशेषज्ञों को मिलकर निरंतर जागरूकता अभियान चलाना चाहिए ताकि आमजन तक संदेश के प्रसारण से दुर्घटनाओं और मौतों को कम से कम और शून्य किया जा सकता है।

- डॉ. एम.ए. रशीद

बाल कथा

श्रीकृष्ण के मित्र हो गए निराश

❏ बालक कृष्ण से जुड़ी प्रेरक कथा है। द्वापर युग में विष्णु जी ने श्रीकृष्ण अवतार लिया। गोकुल में बाल कृष्ण लीलाएं कर रहे थे। श्रीकृष्ण का स्वभाव था कि वे किसी भी परिस्थिति में हार नहीं मानते थे। लगातार कोशिश करते रहना, उनका स्वभाव था। एक दिन बालक कृष्ण और बलराम ग्वालों के साथ जंगल में खेल रहे थे। खेलते-खेलते सभी बच्चे घने वन में चले गए। लगातार खेलते रहने से छोटे-छोटे ग्वाले थक गए, उन्हें भूख-प्यास लगने लगी।

बालकृष्ण अपने साथी ग्वालों की हालत देखकर समझ गए कि सभी थक गए हैं और इन्हें भूख भी लगी है। कृष्ण ने साथी ग्वालों से कहा कि कुछ ही दूरी पर कुछ ब्राह्मण यज्ञ कर रहे हैं, वहां कई लोग हैं तो उन लोगों ने भोजन भी बनाया होगा। तुम सब वहां जाओ और अपनी परेशानी बताकर खाना मांग लेना।सखा कृष्ण की बात मानकर सभी ग्वाले उस यज्ञ स्थल पर पहुंच गए। सभी ग्वालों ने वहां के लोगों को अपनी परेशानी बताई और उनसे खाना मांगा, लेकिन लोगों ने उन्हें मना कर दिया। खाना न मिलने से ग्वाले निराश हो गए और कृष्ण के पास लौट आए।

कृष्ण ने ग्वालों से निराशा की वजह पूछी तो ग्वालों ने पूरी बात बता दी। कृष्ण ने फिर कहा कि तुम एक बार जाओ, फिर से वहां खाना मांगना।

ग्वाले बोले कि वहां जाने का कोई फायदा नहीं है। अगर उन्होंने एक बार में खाना नहीं दिया है तो वे दूसरी बार में भी खाना नहीं देंगे।

> **श्रीकृष्ण की सीख**
> श्रीकृष्ण ने सभी को सीख दी कि एक बार प्रयास करके थकना नहीं चाहिए, असफलता से निराश नहीं होना चाहिए। हमें सफल होने तक कोशिश करनी चाहिए और हर बार अपने तरीकों में बदलाव करना चाहिए।

कृष्ण ने ग्वालों को समझाया कि कभी-कभी पहले प्रयास में असफलता मिल जाती है तो हमें निराश नहीं होना चाहिए। असफलता मिल जाए तो हमें अपने प्रयासों नहीं रोकने चाहिए। हमें सफल होने तक प्रयास करते रहना चाहिए। बार-बार प्रयत्न करना ही सफल व्यक्ति का मुख्य गुण है। असफलता मिल रही है, तब भी हमें कोशिश नहीं छोड़नी चाहिए। सफलता कहीं न कहीं, किसी न किसी रूप में हमारी प्रतीक्षा जरूर कर रही होगी। तुम सभी एक बार फिर वहां जाओ, लेकिन इस बार किसी और तरीके से खाना मांगना। इस बार मेरा और बलराम का नाम लेकर खाना मांगना, तुम्हें खाना जरूर मिलेगा।

कृष्ण की बात मानकर एक बार फिर सभी ग्वाले यज्ञ स्थल पर पहुंच गए। इस बार सभी ग्वालों ने कृष्ण और बलराम का नाम लेकर खाना मांगा तो ब्राह्मणों में सभी बच्चों को खाना दे दिया। खाना लेकर सभी ग्वाले श्रीकृष्ण के पास लौट आए।

व्यंग्य

-डॉ. सुरेन्द्र वर्मा

आलेख झूठ बोले कौआ काटे

❍ एक फिल्मी गाने में यह सलाह दी गई है कि झूठ नहीं बोलना चाहिए और काले कौए से डरना चाहिए क्योंकि अगर आप झूठ बोलेंगे, तो कौआ आपको काट लेगा। पता नहीं कि कौआ कब से सत्यवादी हो गया जो झूठ बोलने पर आपको बक्षेगा नहीं, और इस 'जघन्य' अपराध के लिए आपको सज़ा देगा। अगर सचमुच ऐसा होता तो कौवों की तो सचमुच बन ही आती और वे हर समय किसी न किसी को काटते ही रहते। क्या कोई कभी बिना झूठ बोले रह सकता है ? दुनिया का सारा व्यापार तो झूठ पर ही आधारित है। हर कोई अच्छी तरह समझता है कि सत्य बोलने में कितनी दुश्वारियां हैं। बिना झूठ का सहारा लिए आदमी दो कदम भी चल नहीं सकता। झूठ ही वह लाठी है कि जिसके सहारे वह चल पाता है। यदि दुनिया में झूठ न बोला जाए तो सारे काम ही रुक जाएं।

फ्राइड ने मानव मन की बड़ी गहराई से जांच पड़ताल की थी और अपनी खोज में उसने भी यही पाया था कि यदि प्रत्येक व्यक्ति यह तय कर ले कि चौबीस घंटे वह सिर्फ सत्य ही बोलेगा, सिर्फ सत्य और सत्य के सिवा कुछ ही नहीं, तो दुनिया में चार दोस्त भी नहीं बचेंगे, पति पत्नियों में तलाक हो जाएंगे, सारे रिश्ते टूट कर तहस-नहस हो जाएंगे। और फ्राइड जब कहता है तो उसकी बात को हलके में नहीं ले सकते; लोगों के मन में झांकने की उसमें अपूर्व क्षमता थी। उसने यह अच्छी तरह समझ लिया था कि लोग जो कहते हैं, वैसा होता नहीं। वे कहते कुछ और हैं, और सोचते कुछ और ही हैं। भीतर कुछ और बाहर कुछ और। सच तो यह है कि हमारे सारे नाते-रिश्ते झूठ पर ही खड़े हैं।

अगर एक पत्नी अपने पति से कहे कि मैं तो आपके आपके चरणों की दासी हूँ तो पति को चौकन्ना हो जाने की ज़रूरत है। पर भोला पति बड़ा प्रसन्न हो जाता है। फूल के कुप्पा हो जाता है। उसे पता ही नहीं चलता कि पत्नी अब चौबीस घंटे यह सिद्ध करने में लग जाएगी कि असल में तुम ही चरण-दास हो। ऐसी भला कौन सी पत्नी होगी जो अपने पति को अक्लमंद मानती हो।

आलेख

- दिलीप भाटिया

समय का बजट

अमीर के पास अरबों हैं। गरीब के पास चन्द रूपए। मध्यम व निम्न वर्ग वाले व्यक्ति सीमित आमदनी के कारण खर्च व बचत का बजट बनाते हैं, ताकि सम्भव हो तो, उधार लेने से बच सकें। पर, समय सभी के पास बराबर है। सीमित है। दिन में मात्र 24 घंटे। इस नश्वर शरीर का इस पृथ्वी पर समय भी प्रकृति/विधाता ने निश्चित करके ही हमें इस संसार में भेजा है। हम सब यात्री हैं। किस का स्टेशन कब आ जाएगा, पता नहीं। जितना भी समय हमें मिला है, उतने ही समय में हम अच्छे कर्म कर एक नेक इन्सान भी बन सकते हैं या फिर समय को व्यर्थ ही नष्ट करते हुए जीने की मात्र औपचारिकता निभा सकते हैं। इसलिए हमें समय का बजट बनाकर चलना होगा। अधिकांश हम सभी रोना रोते रहते हैं, 'समय' नहीं होने का। व्यस्तता आवश्यक है, 'समय' का सदुपयोग अधिकतम हो, उसके लिए आइए कुछ सूत्रों पर विचार करें।

अपनी दिनचर्या एक कागज पर लिख लें। मूल्यांकन करने पर पता चलेगा कि 20 में से 10 काम करने की आवश्यकता ही नहीं थी। इन 10 कामों को दैनिक दिनचर्या से हटा देंगे तो कुछ नए 5 अच्छे कामों के लिए स्वतः ही मिल जाएगा। आवश्यकता बिना घंटों तक फोन, इन्टरनेट व टेलीविजन पर समय नष्ट करना ही हो तो है, व्यावहारिकता, शिष्टाचार मनोरंजन निश्चय ही आवश्यक हैं। पर एक संतुलित समय सीमा में। शिष्टाचार के कारण दूसरा आपसे शिकायत नहीं कर रहा है पर हम अपने साथ सामने वाले का समय भी नष्ट कर रहे है शालीनता, विनम्रता, शिष्टता से रिश्ते निभाना, कुशल क्षेम जानना, परेशानी संकट मेंमदद करना निश्चय ही समय का सार्थक सदुपयोग है पर अनावश्यक बातचीत, निन्दा पुराण, बिना मतलब के संदेश/मेल फारवर्ड करना अपने साथ दूसरों के समय का भी अपव्यय है।

आवश्यक कार्यों के लिये एक डायरी लिखिये। जहां तक संभव हो काम को टालिये मत। आज व अभी ही करने की सकारात्मक सोच रखकर कम समय, उर्जा, शक्ति, धन, में बहुत अधिक किया जा सकता है अपने कार्य की गति को बढाइए आजकल कार्यालय में 10-12-14 घंटे काम करना फैशन सा हो गया है पर परिवार के लिये समय ही नहीं निकाल पाते। बेटे की होमवर्क की कॉपी देखनी है, बूढी मां का चश्मा ठीक करवाना है, बेटी को साइंस मॉडल बनाने के लिये टिप्स देने हैं, पत्नी को लेडी डॉक्टर को दिखाकर सोनोग्राफी करवानी है, पिता जी के लिये खांसी की दवाई लानी है, इत्यादि परिवार की आवश्यक्ताएं पूरी करने के लिये समय तभी मिल पाएगा जब हम कार्यालय/व्यापार को व्यवस्थित कर 8 घंटों में ही अपना निश्चित काम पूरा करने का प्रयास करेंगे।

लघुकथा

-मृदुला श्रीवास्तव

ब्रांडेड

❍ सरोजिनी नगर की मार्किट के कोने में बने उस कांच के विशाल शोरूम में घुसने से पहले उसने सोचा क्यूँ न शोरूम से कुछ दूरी पर खड़े जूते बेचते उस रेहड़ी वाले से भी जूतों का रेट पूछ लिया जाए। जूते बनावट में बढ़िया लग रहे थे, बिल्कुल शोरूम में लगे जूतों के डिजाइन जैसे ही।'कितने का है भैया ये ?' 'छह सौ पचास का।'क्यूं लूट रहे हो ?''नहीं साब। खुद मेरा अपना बनाया हुआ है। बस 100 बचेंगे इसमें मुझे।''नहीं नहीं, ठीक लगाओ' टाई वाले ने उससे कहा। 'नहीं नहीं साब, पटरा नहीं बैठेगा।

वो जो सामने वाले शोरूम में जितने भी जूते लगे देख रहे हो न साब जी, उन्हें भी मैंने और मेरे बेटों ने ही बनाया है।'छोड़ यार, तू क्या खाकर बनाएगा? वो तो ब्रांडेड शोरूम है। इतने सुन्दर जूते तूने बनाए होते तो यहाँ रेहड़ी लगा रहा होता? ठीक लगा दाम।' 'नहीं साब बस 500 तक का

लगा सकता हूँ।''छोड़, 600-700 ही देने है तो वो शोरूम का जूता क्या बुरा है ?'आपकी जैसी मर्जी साब।'चल छोड़ मुझे नहीं लेना।''कहता हुआ वह सामने फिक्सड प्राइस के बोर्ड वाले उसी शोरूम की सीढ़ियों पर गजब की अकड़ से चढ़ गया।'ये क्या ओरिजनल ब्रांडेड शूज हैं?'यस सर डेफिनेटली।' आर यू श्योर' 'यस सर, यू नो इन अवर शॉप लाइक अवर कंटरी एवरी थिंग इज ब्रांडेड सर। हाँ जैसे ये जो विग आपके सिर पर लगी है वो भी ब्रांडेड है। यस यस सर-आपने ठीक समझा. कहते हुए दोनों खिल खिलाने में व्यस्त हो गए। और फिर देखते ही देखते जूते बिक गये.

ब्राडेंड कंपनी के नकली टैग वाले डिब्बा बंद उन जूतों को, शानदार क्वालिटी के कैरी बैग में सिकन्दर बन झुलाता वह कार की पिछली सीट पर पैकेट को फेंक पांच मिनट के भीतर स्टेयरिंग घुमाता वहाँ से निकल लिया, बिना यह जाने कि शोरूम के मालिक ने हमेशा की तरह इन जूतों को भी पिछले ही महीने उसी ठेले वाले के जूते बनाने की वर्कशाप से मात्र 400 रुपये जोड़ी, थोक में खरीदा था । न कोई सौदेबाजी, न कोई चिक चिक, न कोई झिक झिक एलईडी की रोशनी में चमचमाते, प्लास्टिक के स्टैंड पर खड़े दूसरे जूते सामने भागती उसकी गाड़ी को पीछे से अंगूठा दिखाने में व्यस्त थे। लेकिन रेहड़ी वाले के चेहरे पर उतरती चढ़ती गर्दिश की उन ब्रांडेड लकीरों को पढ़ने का समय शायद किसी के पास नहीं था।

क्या आप अस्थमा दमा सांस रोग से परेशान हैं

❏ दमा सांस या सांस की बीमारी खासकर बारिश या ठंडी के मौसम में ज्यादा परेशान करती है कई लोगो को यह बीमारी कई सालो से लम्बे समय से होती है। ये लोग इसके लिए हमेशा आयुर्वेद में हिअ एलोपैथिक स्टेरॉइड, एंटीएलर्जिक मेडिसिन्स खाते रहते है परन्तु उनको केवल टेम्परली रिलीफ हे मिलता है और तकलीफ नहीं छूटती। परन्तु आयुर्वेद एक ऐसा प्राचीन जीवनशास्त्र (लाइफ साइंस) एवं चिकित्सा शास्त्र (मेडिकल साइंस) है जिससे की सास जड़ से है की बीमारी में तुरंत आराम

मिलता है एवं लम्बे समय तक कम दवाओं में बिना किसी साइड इफेक्ट्स के मरीज़ को आराम मिलता है बढ़ कुछ इलाज के बाद तो उनको दवाई भी लेने जड़ की जरुरत नहीं होती केवल कभी कभी ही तकलीफ होने पर होती है।

सास (अस्थमा) के रोगियों को चल रही रोगी आज कल चल रही कोरोना पान्डेमिक से भी ज्यादा सावधान रहने की ज़रूरत है क्यूंकि इन रोगियों को कोरोना आसानी से तकलीफ में डाल सकता है। आयुर्वेदिक उपचार में श्वास निवारण सिरप ,चित्रकहरीतकी, वासावलेह , स्पेशल श्वासाहर कैप्सूल ,तुलसी सृंग तुलसी प्लस स्ट्रांग सिरप, खोखो सिरप ,एलीनोज़ कैप्सूल इत्यादि से अस्थमा या सास की बीमारी में जल्दी आराम होते हुए देखा गया है। शिवशंकर आयुर्वेदिक चिकित्सालय सीताबर्डी टेम्पेल बाजार रोड। महाजन मार्किट में स्तिथ योग काम्प्लेक्स में एक ऐसा चिकित्सालय है जहा के अनुभवी डॉक्टर्स इस बीमारी अस्थमा ,श्वासरोग दमा का सटीक एकदम दुष्परिणाम विरहित इलाज करते है। जो रुग्ण पंप इन्हेलर्स का इस्तेमाल करते है उनके पंप लेने का प्रमाण धीरे धीरे काम होकर पूरी तरह से छूट भी जाता है। उनके अस्थमा अटैक्स कम होकर उनकी सेवेंटी भी कम हो जाती है। अस्थमा से पीड़ित इच्छुक रुग्ण 9112079000 / 8605245080 पर संपर्क स्थापित कर इस तकलीफ से आज भी छुटकारा पा सकते है।

सीताबर्डी स्थित शिवशंकर आयुर्वेदिक एजेंसी अथवा क्लिनिक में इन दूरध्वनि क्रमांकों पर संपर्क स्थापित करें. 9112079000 / 8605245080.

नागपुर मेट्रो समाचार : फैजान मिडिया सर्विसेस प्रा. लि. के लिए मुद्रक एवं प्रकाशकः फैजान सिराज शेख ने देश पब्लिकेशन, ई-30/2 हिंगणा एमआईडीसी, नागपुर-16 से मुद्रित कर 532, हनुमान नगर नागपुर.440009 से प्रकाशित किया.
संपादकः इमरान मुमताज शेख, मो. 9730005662 (पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार) ngpms2019@gmail.com RNI.NO - MAHHIN/2019/78960 (सभी न्यायलयीन प्रक्रिया नागपुर न्यायालय में होगी.)

हिंदी दैनिक
नागपुर मेट्रो समाचार
नागपुर, सोमवार, 2 दिसंबर 2024

जिला चंद्रपुर-गढ़चिरोली

आज लोकतंत्र दिवस का आयोजन

चंद्रपुर. आम जनता की शिकायतों एवं कठिनाइयों को सरकारी तंत्र द्वारा न्याय एवं तत्परता से हल करने के प्रभावी उपाय के रूप में जिलाधिकारी की अध्यक्षता में हर माह के प्रथम सोमवार को लोकतंत्र दिवस का आयोजन किया जाता है। इस लोकतंत्र दिवस के अवसर पर नागरिक और किसान जिलाधिकारी के पास शिकायत पत्र दाखिल करते हैं।

सोमवार, 2 दिसंबर 2024 को दोपहर 1 बजे जिलाधिकारी कार्यालय, चंद्रपुर में लोकतंत्र दिवस का आयोजन किया है. जिला स्तरीय लोकतंत्र दिवस में शिकायत प्रस्तुत करते समय निर्धारित प्रारूप में शिकायत प्रपत्र के साथ तालुका लोकतंत्र दिवस टोकन नंबर की एक प्रति एवं आवेदन पत्र 2 प्रतियों में 15 दिन पूर्व जमा करना होगा। शिकायत और बयान व्यक्तिगत प्रकृति का होना चाहिए। जिला प्रशासन ने बताया है कि इसके बाद ही शिकायत आवेदन स्वीकार किया जायेगा.

बाल विवाह मुक्ति अभियान

चंद्रपुर. जिला एवं सत्र न्यायालय, चंद्रपुर में मुख्य जिला एवं सत्र न्यायाधीश एवं जिला विधिक सेवा प्राधिकरण की अध्यक्ष समृद्धि भीष्म की अध्यक्षता में न्यायालय के सभी न्यायाधीशों, अधिवक्ताओं, कर्मचारियों एवं कानूनी स्वयंसेवकों को *बाल विवाह मुक्ति' के तहत जागरूक किया गया एवं सभी ने प्रतिज्ञा ली। इस मौके पर श्रीमती भीष्म ने सभी से अपील की कि बाल विवाह रोकने के लिए सभी को पहल करनी चाहिए और चाइल्ड हेल्पलाइन नंबर 1098 पर संपर्क कर इसकी जानकारी देनी चाहिए. हमारा एक प्रयास बाल विवाह रोक सकता है.

रेल यात्रियों के मोबाइल चोरी करने के आरोप में दो गिरफ्तार

> 2 लाख 71 हजार के मोबाइल जब्त

बल्लारपुर. पिछले कुछ दिनों से रेल यात्रियों के मोबाइल फोन चोरी होने की घटनाएं सामने आ रही हैं. इससे यात्रियों में भय का माहौल बन गया. इस बीच मंगलवार 26 नवंबर को रेलवे लोहमार्ग पुलिस ने मोबाइल फोन चोरों की तलाश की और आरोपियों के पास से 2 लाख 71 हजार रुपये कीमत के 10 मोबाइल फोन जब्त किए और 2 आरोपियों को गिरफ्तार किया. आरोपी का नाम समीर शेख साबिर शेख उम्र 25 साल और आर्यन उर्फ साहिल वसीम शेख उम्र 20 साल दोनों चंद्रपुर में रहते हैं. इन्हें गिरफ्तार कर इनके पास से 2 मोबाईल फोन कुल कीमत 55,000/- रूपये एवं 10 मोबाईल फोन कुल कीमत 2,71,000/- रूपये जब्त किये गये.

वर्धा लोहमार्ग पुलिस स्टेशन के थानेदार सहायक पुलिस निरीक्षक हर्षल चपले, डीबी स्क्वाड के कांस्टेबल संतोष वाडगिरे, अंसार खान, पुलिस कांस्टेबल पंकज भांगे, संदेश लोटाने, अजय मुन, चंदन देहनकर, चालक पुलिस कांस्टेबल काशीनाथ केंद्र और रेलवे पुलिस चौकी बल्लारशाह के अखिलेश चौधरी नीलेश निकोडे आदि ने कार्यवाही की.

पक्षियों का शिकार कर उन्हें बेचने वाला गिरफ्तार

> बल्लारपुर वन सर्वेक्षण विभाग की कार्रवाई

बल्लारपुर. स्थानीय नाम (वाराबुकी) इस पक्षी को 40 मील प्रति घंटे की रफ्तार से उड़ने वाले पक्षी के रूप में जाना जाता है और यह पक्षी प्रकृति के चक्र में एक महत्वपूर्ण तत्व है. उक्त पक्षी का अवैध रूप से शिकार किया जा रहा था और बेचा जा रहा था, इसकी गुप्त सूचना मिलने पर वनविभाग की टीम ने आरोपी संजय दादाजी नाणे, उम्र 33 वर्ष, को सोमवार (25 तारीख) को रात 9 बजे के आसपास विसापुर टोल नाका क्षेत्र में गिरफ्तार किया.

जब आरोपी की तलाशी ली गई तो आरोपी के पास एक मृत उक्त पक्षी मिला. इसके बाद आरोपी के घर जाकर जब और तलाशी ली गई तो घर में एक जिंदा वारबुकी पक्षी और वारदात में इस्तेमाल की गई सामग्रियां भी मिलीं. आरोपी से आगे पूछताछ करने पर आरोपी ने कबूल किया कि वह वर्धा नदी तल के ऊपर पक्षियों को जाल से पकड़कर बेच रहा था. तदनुसार, आरोपी पर वन्यजीव (संरक्षण) अधिनियम 1972 की धारा 2, 9, 39, 44, 49 (बी), 50, 51 वन्यजीव अपराध क्रमांक के तहत आरोप लगाया गया. साथ ही आरोपी के घर से अपराध में प्रयुक्त 1 मोटरसाइकिल और अपराध में प्रयुक्त सामग्री भी जब्त की गई.

सहायक वन संरक्षक आदेश कुमार शेंडगे, वन परिक्षेत्र अधिकारी बल्हारशाह नरेश रामचन्द्र भौवरे और मुकेश भांडकर की मौजूदगी में क्षेत्र सहायक कोमल घुगलोत वन संरक्षक वर्षा पिपरे, सुधीर बोकड़े, अनिल चौधरी, नितेश बावने ने आरोपियों को गिरफ्तार करने में सहयोग किया. मामले की आगे की जांच बल्हारशाह नरेश रामचन्द्र भौवरे, उप वन संरक्षक, चंद्रपुर, उप वन संरक्षक, चंद्रपुर, श्वेता बोड्डू और सहायक वन संरक्षक, आदेश कुमार शेंडगे के मार्गदर्शन में की जा रही है.

ईवीएम विरोधियों पर मुनगंटीवार ने फोड़ा ठीकरा

> जीत भारत जोड़ो से और हार ईवीएम की वजह से?
> विरोधियों की दोहरी नीति
> हार को ईवीएम से ना जोड़ें

चंद्रपुर, सुनील तायडे

विधानसभा चुनाव में महायुति ने महा विकास अघाड़ी को हरा दिया.

अब उनके नेता इस बात को आगे बढ़ा रहे हैं कि ईवीएम से छेड़छाड़ की गई है. वह कैमरे के सामने आकर ईवीएम और चुनाव आयोग पर निशाना साधेंगे. ऐसे विरोधियों के बारे में बोलते हुए बीजेपी नेता सुधीर मुनगंटीवार का गुस्सा फूट पड़ा. उन्होंने विरोधियों की जमकर खबर ली. उन्होंने विरोधियों पर एक से बढ़कर एक सवाल दागे.

एक न्यूज चैनल को दिए इंटरव्यू में मुनगंटीवार ने कहा कि, जो विधायक विपक्ष से चुने गए हैं उन्हें पहले इस्तीफा दे देना चाहिए. उनका आचरण भी संदिग्ध है. क्या उनका चयन हमारे साथ मैच फिक्सिंग से हुआ है ? मुनगंटीवार ने 'ये अंदर की बात है और कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष हमारे साथ हैं' जैसे एक से बढ़कर एक सवाल पूछे, कांग्रेस का प्रदेश अध्यक्ष कैसे चुना गया, उन्हें लोकसभा में हमसे ज्यादा सीटें मिलीं, इस पर किसी ने क्यों नहीं ईवीएम का मुद्दा बनाया.

कानून बनाने वाले कांग्रेस के 'वे' नेता कौन थे ?

दोनों अधिनियमों में 1951 और 1961 में संशोधन किया गया। वह कौन कांग्रेस नेता थे, जिन्होंने संसद में लंबा भाषण दिया था कि, 'पेपर बैलेट छापने से भ्रम पैदा होता है, बिहार राज्य की तरह बूथ कैप्चरिंग होती है..' यह किसने कहा था ? इस समिति की नियुक्ति 2010 में मनमोहन सिंह ने की थी। उस कमेटी की रिपोर्ट किस राज्य में आई थी ? इसे किसने स्वीकार किया, यह कहते हुए मुनगंटीवार ने फिर विरोधियों पर सवालों की बौछार कर दी. कर्नाटक में जब जीत होती है तो कांग्रेस जीतती है और जब हारती है तो ईवीएम मशीन की वजह से हार जाती है, यह कांग्रेस का बचपना है, और दोहरे मापदंड अपना रही है. मुनगंटीवार ने विरोधियों की कड़ी आलोचना की.

विरोधी तेलंगाना में जीते और राहुल गांधी की भारत जोड़ो यात्रा के कारण, और अगर हम महाराष्ट्र में हारते हैं, तो हम दोहरा रुख नहीं अपना सकते कि हम ईवीएम के कारण हारे। अगर ईवीएम पर कोई आपत्ति है तो सभी निर्वाचित लोगों को इस्तीफा दे देना चाहिए. क्योंकि उन पर यह आरोप नहीं लगना चाहिए कि हमें महायुति के नेताओं ने चुना है. एक छोटे से राज्य में हम उन्हें चुनते हैं, यह उनका दूसरा हास्यास्पद आरोप है। क्योंकि ये आरोप लगाकर वो कर्नाटक का अपमान कर रहे हैं. क्योंकि कर्नाटक कोई छोटा राज्य नहीं है. प्रति व्यक्ति आय के मामले में कर्नाटक शीर्ष पांच राज्यों में आगे है। सुधीर मुनगंटीवार ने कर्नाटक के लोगों से भी अपील की कि अगर ये लोग कर्नाटक के बारे में ऐसी बात कर रहे हैं तो कर्नाटक के लोगों को अगले 100 साल तक इन्हें नहीं चुनना चाहिए.

क्रीड़ा संकुल बना मनोरंजन की आड़ में व्यापार संकुल

> खेल के अलावा मनोरंजन कार्यक्रम को इजाजत न दे प्रशासन
> सामाजिक कार्यकर्ता रट्टे की प्रशासन से मांग

वरोरा.

वरोरा शहर के क्रिडा संकुल पर मनोरंजनात्मक कार्यक्रम अथवा मेला को किराए से दिया जा रहा है. लेकिन मनोरंजन के आड में यह क्रिडा संकुल अब व्यापार का संकुल बनता जा रहा है. इस संदर्भ शहर के सामाजिक कार्यकर्ता आलेख रट्टे ने नगरपालिका प्रशासन को ज्ञापन के माध्यम से खेल

के अलावा क्रिडा संकुल पर अन्य मनोरंजनात्मक कार्यक्रम अनुमती ना देने की मांग की है.

शहर में क्रीडा संकुल पर हरदिन सैकडों छात्र खेल की प्रॅक्टिस करते है, लेकिन इस मौसम में हर साल लोगो के मनोरंजन के लिये क्रीडा संकुल पर मेला भराते है. इस मेले में लोगो से पैसे लेकर तिकीट से इन्ट्री दी जाती. भीतर भी झुले जैसे अनेक मनोरंजन के लिये ऊंचे दाम में तिकीट से मनोरंजन का खेल चलता है. करिबन पाच, छ दिन के मनोरंजन के नाम पर इस क्रीडा संकुल पर लाखो का व्यापार कर क्रीडा संकुल को व्यापार संकुल का रूप दिया है. इस मेले के आयोजन के लिये करिब 10 दिन पहले से ही टेंट लगाने के लिये ग्राउंड पर बडे पैमाने में गड्डे कर मेला खडा होता है. इस ग्राउंड को हर साल छात्र अपने मेहनत से तैयार करते और हर साल मेला लगाने वाले तैयार ग्राउंड को खराब छोडकर चल बनते है. इससे हताश होकर खेल की प्रॅक्टिस करने वाले छात्रो ने आज सामाजिक कार्यकर्ता रट्टे की सहायता से तहसीलदार योगेश कौटकर को ज्ञापन देकर खेल की प्रॅक्टिस में होनेवाले व्यत्यय पर मार्ग निकालने तथा भविष्य में इस ग्राउंड का उपयोग सिर्फ खेल कुद के लिये ही उपयोग में रखने का आग्रह किया है.

इस क्रीडा संकुल से अनेक छात्र स्टेट लेवल तक अनेक खेलो में खेले है. कोई छात्र स्कुल की तरफ से जिला, विदर्भ, राज्य लेवल पर खेलकर सफल होता है. तो उस छात्र को स्कुल 10 मार्क विशेष कामगिरी करने वाले छात्र को 20 मार्क का उपयोग छात्र के रिझल्ट में समावेश होता है. क्रीडा संकुल में छात्रो के खेल प्रॅक्टिस के समय कमर्शियल तत्व पर मेला भराना छात्रो के भविष्य के साथ खिलवाड करने जैसा ही है. इसलिए भविष्य में तहसील क्रीडा संकुल पर खेल कुद के अलावा अन्य आयोजन के लिये प्रशासन मंजुरी न देने की मांग छात्र तथा सामाजिक कार्यकर्ता आलेख रट्टे, मनीष नंदनवार, देसाई व अन्य ने की है.

महापरिनिर्वाण दिवस पर जिले से विशेष ट्रेन की मांग: सांसद प्रतिभा धानोरकर

चंद्रपुर.

भारतीय संविधान के निर्माता महामानव डॉ. अंबेडकरी अनुयायी 6 दिसंबर को बाबा साहब अंबेडकर के महापरिनिर्वाण दिवस पर के लिए मुंबई जाएंगे। इसके लिए सांसद प्रतिभा धानोरकर ने रेलवे बोर्ड के अध्यक्ष और मध्य रेलवे के मुख्य महाप्रबंधक को बल्लारपुर से मुंबई तक अप-डाउन विशेष ट्रेन सेवा प्रदान करने के लिए पत्र लिखा है.

भारतीय राज्य संविधान के निर्माता डॉ. बाबा साहब अंबेडकर का महापरिनिर्वाण दिवस 6 दिसंबर को है, इसलिए जिले से लाखों अनुयायी उन्हें श्रद्धांजलि देने मुंबई जायेंगे. लेकिन, जिले से मुंबई के लिए कोई नियमित ट्रेन सेवा नहीं होने से अनुयायियों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है. इसके लिए सांसद प्रतिभा धानोरकर ने मध्य रेलवे के मुख्य महाप्रबंधक और रेलवे बोर्ड के चेयरमैन को पत्र लिखा है. 4 दिसंबर को मुंबई जाने वाली और 7 दिसंबर को बल्लारपुर आने वाली विशेष ट्रेन सेवा उपलब्ध कराने की मांग की गई है. चूंकि चंद्रपुर जिले में बौद्ध अनुयायियों की संख्या बड़ी है, इसलिए लाखों अनुयायी महामानव पूजने जा सकते। सांसद प्रतिभा धानोरकर ने भी पत्र के माध्यम से उक्त मांग पर तत्काल संज्ञान लेने का अनुरोध किया है.

चलती ट्रेन की चपेट में आया यात्री, रेल जवान ने बचाई जान

> चंद्रपुर रेल स्टेशन पर घटी रोमहर्षक घटना

चंद्रपुर.

ट्रेन के गति पकडने के बाद उसे पकडने के चक्कर में एक यात्री नीचे गिर पडा और ट्रेन के पहियों में आने से पूर्व वहां मौजूद आरपीएफ जवान ने जान पर खेलकर उस यात्री को बाहर खींचकर उसकी जान बचाई. फिर ट्रेन को रोककर उसे सुरक्षित ट्रेन में बिठाया गया. यात्री के लिए जान बच जाना किसी चमत्कार से कम नहीं थी.

एक अद्वितीय सतर्कता और त्वरित सोच का परिचय देते हुए, रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएफ) के प्रधान आरक्षक (HC) उमाशंकर वशिष्ठ ने चंद्रपूर स्टेशन पर एक यात्री की जान बचाई, जो प्लेटफार्म और चलती ट्रेन के बीच गिर पड़ा था. यदि वशिष्ठ उसे तुरंत बाहर नहीं खींचते तो उसका ट्रेन के पहियों में आना निश्चित था.

26 नवम्बर 2024 को, शाम 6:12 बजे ट्रेन नंबर 22619 प्लेटफार्म नंबर 1 से रवाना हो रही थी, तभी प्रधान आरक्षक उमाशंकर वशिष्ठ ने देखा कि एक यात्री चलती स्लीपर कोच में चढ़ने का प्रयास कर रहा है. दुर्भाग्यवश, यात्री संतुलन खो बैठा और प्लेटफार्म पर गिरते हुए ट्रेन और प्लेटफार्म के बीच गैप में गिरने वाला था. बिना किसी हिचकिचाहट

के, HC वशिष्ठ ने तत्परता से कार्रवाई की और यात्री को पकड़कर उसे सुरक्षित स्थान पर खींच लिया, जिससे वह ट्रेन के चपेट में आने से बच गया. उनकी त्वरित और सही कार्रवाई ने यात्री की जान बच गई.

यह दृश्य देखकर, प्लेटफार्म पर मौजूद उप-निरीक्षक (SI) नितिन अवसरमल ने तुरंत ऑन ड्यूटी गार्ड रमेश सिंह से समन्वय किया. गार्ड ने तुरंत प्रेशर ड्रॉप कर ट्रेन को रोका. जब ट्रेन रुकी, तो यात्री को सुरक्षित रूप से ट्रेन में चढ़ाया गया और ट्रेन नंबर 22619 अपने गंतव्य की ओर 18:14 बजे पुनः रवाना हुई.

समय की कमी के कारण यात्री यात्रा विवरण नहीं दे सका, लेकिन उसने प्रधान आरक्षक उमाशंकर वशिष्ठ का दिल से आभार व्यक्त किया, जिन्होंने उसकी जान बचाई.

यह उदाहरण सतर्कता और कर्तव्यनिष्ठा की मिसाल पेश करता है और आरपीएफ कर्मचारियों की यात्री सुरक्षा के प्रति प्रतिबद्धता को दर्शाता है. यह घटना इस बात की याद दिलाती है कि आरपीएफ यात्री सुरक्षा में अपनी अहम भूमिका निभाता है.

लड़कियों से छेड़छाड़ करना महंगा पड़ा दो रोडरोमियो को

> दो हिरासत में : पुलिस की कार्रवाई

गढ़चिरोली:

पुलिस ने गुरुवार को दो शरारती युवकों को गिरफ्तार किया, जिन्होंने दोपहिया वाहन पर पीछा करके बस में यात्रा कर रही 4 से 5 नाबालिग और वयस्क छात्राओं को परेशान किया था. इस घटना के बाद छात्राएं अपने परिवार को लेकर पुलिस को शिकायत करने थाने पहुंचे। इस दौरान पुलिस ने तुरंत अभियान चलाकर दो लड़कोंको गिरफ्त में लेकर न्यायालय में पेश किया जिनको न्यायालय ने दो दिन की पुलिस कस्टडी में भेज दिया गया।

युवाओं में स्टाइलिश और अलग दिखने का क्रेज बढ़ गया है। इसके बावजूद शहर में स्कूल-कॉलेज की छात्राओं से युवकों की छेड़छाड़ की घटनाएं बढ़ गई हैं। स्कूल में गाने गुनगुनाकर, लड़कियों को चेतावनी देकर, गलत इशारों से पीछा करके परेशान किया जा रहा है। कुछ युवक आए दिन छात्राओं से छेड़छाड़ कर रहे हैं। कुछ ऐसी ही स्थिति शहर में सामने आई।

पुलिस की कार्रवाई के बाद उपद्रवी युवकों में दहशत फैल गयी है. राज तुलशीदास चव्हाण, निवासी. नवेगांव (19) और मंथन भाऊराव खोबरागड़े, निवासी कृष्णानगर, जिला.चंद्रपुर गिरफ्तार आरोपियों के नाम हैं. पुलिस निरीक्षक रेवचंद सिंगनजुड़े के मार्गदर्शन में महिला पुलिस उपनिरीक्षक आरती सासवड़े ने यह कार्रवाई की.

गढ़चिरौली पुलिस ने भगोड़ों को सीधे जेल भेज दिया

इसे गंभीरता से लेते हुए राज चव्हाण और मंथन खोबरागड़े को तुरंत गिरफ्तार कर लिया गया. उनके विरुद्ध भारतीय न्यायिक संहिता की धारा 78, 351. 3(5) और POCSO की धारा 12 के तहत मामला दर्ज किया गया. दोनों आरोपियों को जेल भेज दिया गया।

कैनरी कांटे से पीछा कर रही थी

राज्य परिवहन निगम की बस चंद्रपुर जिले से गढ़चिरौली की ओर आ रही थी. इस बीच, कनेरी फाटा में 4 से 5 स्कूली छात्राएं बस में चढ़ गईं, छात्रों को बस में चढ़ते देख दो चिंतित युवकों ने दोपहिया वाहन पर बस का पीछा किया और गढ़चिरौली शहर के इंदिरा गांधी चौक तक पहुंच गए। इतना ही नहीं इंदिरा गांधी चौक पर आते ही आरोपी युवकों ने फिर से छात्रों से बदसलूकी शुरू कर दी.

खेलने गए चार बच्चे नदी में डूबे

गढ़चिरोली : शहर के नजदीक बोरमाला घाट स्थित वैनगंगा नदी में चार स्कूली बच्चों के डूबने की घटना शनिवार 30 नवंबर को दोपहर करीब 2 बजे घटी. एक लड़के की मृत्यु हो गई और तीन अन्य लड़के बच गए।

मृतक का नाम जयन्त आज़ाद शेख (10) निवासी तेली मोहल्ला, हनुमान वार्ड, गढ़चिरौली है। बचाए गए लड़कों में रियाज शब्बीर शेख (14), लड्डु फैयाज शेख (13), जिशान फैयाज शेख (15) सभी निवासी तेली मोहल्ला, हनुमान वार्ड, गढ़चिरौली शामिल हैं। मिली जानकारी के मुताबिक, ये सभी शनिवार को एक साथ बोरमाला नदी घाट पर घूमने गए थे। जीशान और लड्डू की मां ताजू शेख भी वहां थीं. इसी बीच चारों बच्चे मौज-मस्ती करने के लिए नदी में उतर गये, लेकिन पानी की गहराई का अंदाजा नहीं होने के कारण चारों डूब गये. जयंत आजाद शेख (10) की मौत हो गई, जबकि तीन अन्य सुरक्षित बच गए। जब चारों डूब गए तो उन्होंने चिल्लाना शुरू कर दिया और पास में मौजूद महिला ताजू फैयाज शेख ने हिम्मत करके पानी में छलांग लगा दी और अकेले ही रियाज और उसके दो बेटों जिशान और लड्डू को बचा लिया, लेकिन जयंत शेख को नहीं बचा सकी और वह पानी में बह गया। इसी दौरान कुछ मछुआरे मदद के लिए दौड़ पड़े। उन्होंने जयंत को बाहर निकाला। हालाँकि, अस्पताल ले जाने से पहले ही उनकी मृत्यु हो गई जबकि अन्य तीन बच्चे बच गए। इस घटना से शहर में शोक व्याप्त है और पानी में कूदने का साहस कर डूबते बच्चों को बचाने वाली मां की सराहना की जा रही है.

ताड़ोबा में छोड़े गए तीन सफेद पेटवाले गिद्धों की मौत

> गिध्दों को लगाए थे जीएसएम ट्रांसमिशन ट्रकिंग डिवाइस
> गिद्धों की मौत से वन विभाग में हलचल

चंद्रपुर.

चंद्रपुर जिले के ताडोबा-अंधारी टाइगर रिजर्व के बोटेझरी जंगल में छोड़े जाने के बाद 3 गिद्धों की मौत हो गई है. इस वर्ष जनवरी माह में हरियाणा राज्य के पिंजौर से लाए गए 10 लुप्तप्राय गिद्धों को जीएसएम ट्रांसमिशन ट्रकिंग डिवाइस का उपयोग करके बोटेझरी में छोड़ा गया था. गिद्धों के मौत की बात उजागर होते ही वन विभाग में अफरातफरी मच गई. वन विभाग ने मृत गिद्धों के अवशेषों को आगे की जांच के लिए भेज दिया है.

जटायु संरक्षण केंद्र की स्थापना 21 जनवरी 2024 को ताडोबा-अंधारी टाइगर रिजर्व में की गई

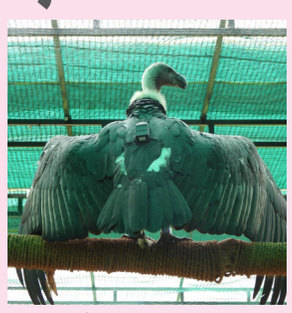

थी. पिंजौर स्थित बीएनएसएस अनुसंधान केंद्र से 10 लुप्तप्राय सफेद पेट वाले गिद्धों को इस केंद्र में लाया गया था. इन्हें टाइगर रिजर्व के वन क्षेत्र में स्थापित प्री-रिलीज़ एवेयरी में विशेषज्ञ की निगरानी में रखा गया था.

इन सभी गिद्धों को जंगल के वातावरण में ढालने के लिए पहले प्री-रिलीज़ एवेयरी में रखा गया था. इन गिद्धों का पिछले 6 माह से बीएनएसएस संस्थान के वैज्ञानिकों द्वारा प्रतिदिन एवं सूक्ष्मता से अध्ययन किया गया. इन सभी गिध्दों को प्रकृति में मुक्त करना आवश्यकता था. इसलिए बॉम्बे नेचुरल हिस्ट्री सोसाइटी, मुंबई के वरिष्ठ वैज्ञानिकों ने सभी 10 गिद्धों को जीएसएम ट्रांसमिशन ट्रकिंग डिवाइस से सुसज्जित किया. उक्त उपकरण यूरोप से आयात किया गया था.उक्त जीपीएस स्थापित करने के बाद इन गिद्धों को कुछ दिनों के अवलोकन के बाद छोड़कर इस तकनीक से इन पक्षियों की दैनिक गतिविधियों के बारे में जानकारी प्राप्त करने में मदद मिलेगी. इस अभ्यास से गिध्द संवर्धन एवं संरक्षण हेतु उपाययोजना निश्चित करने के पश्चात 21 जनवरी 2024 को ताडोबा के बोटेझरी जंगल में 10 गिद्धों को छोड़ा गया. इनमें से 3 गिद्धों की मौत हो चुकी है. वन विभाग ने मृत गिद्धों के शवों को एकत्र किया है और उन्हें शव परीक्षण के लिए नागपुर की एक प्रयोगशाला में भेज दिया है. यह सभी गिद्ध सफेद पीठ वाली प्रजाति के थे. प्रकृति में गिद्धों की संख्या कम हो गयी थी. यह प्रयोग प्रकृति की शृंखला में संतुलन बनाये रखने के लिए किया गया था.

एक एक कर सारे रिकॉर्ड तोड़ रहा पुष्पराज

अल्लू अर्जुन, रश्मिका मंदाना और फहद फासिल की फिल्म 'पुष्पा 2' 5 दिसंबर को बड़े पर्दे पर दस्तक देने जा रही है. फिल्म की एडवांस बुकिंग भी शुरू हो गई है. एडवांस बुकिंग शुरू होते ही लोगों ने टिकटों की बुकिंग शुरू कर दी है. कुछ ही घंटों में लाखों टिकटों को बुक कर लिया गया है. फिल्म का बज़ कितना ज्यादा है इसका अंदाज़ा इसी बात से लगाया जा सकता है कि पेटीएम पर टिकट बुकिंग सेक्शन में फिल्म ने इंटरेस्ट के मामले में अपने नाम का झंडा गाड़ दिया है.

पुष्पा 2 के आधिकारिक इंस्टाग्राम हैंडल पर इसके नए रिकॉर्ड के बारे में जानकारी दी गई है. बताया गया है कि पेटीएम पर पुष्पा: द रूल 2.6 मिलियन यानी 26 लाख इंटरेस्ट पाने पहली भारतीय फिल्म बन गई है. इससे पहले इतने ज्यादा इंटरेस्ट किसी फिल्म को नहीं मिले थे. इंटरेस्ट का मतलब ये है कि इस ऐप पर इतने लोगों ने फिल्म देखने की इच्छा जताई है. अब एडवांस बुकिंग खुलने के बाद ये बात सच भी साबित होती दिख रही है.

पुष्पा 2 के टिकटों की बुकिंग तूफानी रफ्तार से हो रही है. सैकनिल्क की रिपोर्ट के मुताबिक करीब पौने दो बजे तक फिल्म के 3 लाख 31 हज़ार 503 टिकटों की बुकिंग हो चुकी है. इतने टिकटों की कीमत 9.9 करोड़ रुपये है. ये आंकड़े सिर्फ पहले दिन के हैं. इसके अलावा ब्लॉक सीट्स के साथ ये आंकड़ा अभी से ही 15.34 करोड़ रुपये को पार कर रहा है. तेलंगाना में 1.67 करोड़, कर्नाटक में 1.45 करोड़, महाराष्ट्र में 1.6 करोड़, गुजरात में 70.62 लाख, दिल्ली में 84.04 लाख और ओडिशा में 77.52 लाख रुपये से ज्यादा के टिकटों की बिक्री हुई है.

पुष्पा 2 का निर्देशन सुकुमार ने किया है. ये फिल्म 2021 में आई पुष्पा: द राइज का सेकंड पार्ट है. फिल्म का लंबे वक्त से इंतज़ार हो रहा है. अब ये रिलीज होने जा रही है.

आलिया और रणबीर ने बेटी को दिया सरप्राइज!

आलिया भट्ट और रणबीर कपूर अपने काम के साथ-साथ अपनी निजी जिंदगी को लेकर भी खूब चर्चा में रहते हैं. ये जोड़ी जैसे माता-पिता बनी है, तभी से इनकी बेटी राहा की एक झलक के लिए फैंस दिल थाम कर इंतजार करते रहते हैं. राहा का वीडियो आए

दिन सोशल मीडिया पर वायरल होता रहता है. हाल ही में राहा को फुटबॉल ग्राउंड में भी मम्मी आलिया और पापा रणबीर के साथ देखा गया था. वहीं अब अपनी बेटी के लिए क्रिसमस को खास बनाने के लिए आलिया भट्ट और रणबीर कपूर ने खास तैयार की है. आलिया भट्ट ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंड की स्टोरी पर एक वीडियो शेयर किया है. इस वीडियो को हर कोई बेहद पसंद कर रहा है. दरअसल वायरल हो रहे इस वीडियो में आलिया भट्ट ने एक क्रिसमस ट्री की झलक दिखाई है. कहने को तो ये सिर्फ एक क्रिसमस ट्री है, लेकिन इसकी खासियत ये है कि इसे खासतौर पर बेटी राहा के लिए कस्टमाइज करवाया गया है. इस वीडियो पर रणबीर, आलिया और राहा का नाम भी लिखा हुआ नजर आ रहा है.

कैंसर से हिना खान की टूट रही आस?

ब्रेस्ट कैंसर से जूझ रही हिना खान को एक बार फिर डर सता रहा है। वह खुद को अल्लाह को समर्पित कर चुकी हैं। हिना अपना हर दिन ऐसे जी रही हैं जैसे वह आखिरी हो। हिना खान को जब से अपनी जानलेवा बीमारी का पता चला है वह जिंदगी में हर वो काम कर रही है जो करना चाहती थीं। हिना खान अब घूमने निकल गई हैं। वह जिंदगी को लेकर अपना नजरिया भी फैंस के साथ शेयर कर रही है। हिना खान अपनी हेल्थ के बारे में भी फैंस को अपडेट लगातार दे रही है। कीमोथेरेपी के बाद उन्होंने अपने झड़ते बालों से लेकर अपनी आखिरी पलक के गिरने की फोटो भी फैंस को दिखाई थी। उनकी हालत देख फैंस भी डर गए थे। हिना खान का अब एक वीडियो वायरल हो रहा है। इसमें उन्होंने अल्लाह के आगे सिर झुकाया है। वह अब कैंसर की जंग में जीना या मरना सब अल्लाह पर छोड़ चुकी है। हिना खान इंस्टाग्राम पर काफी एक्टिव हो गई है। हाल ही में हिना बिग बॉस 18 में भी गई थी, जहां सलमान खान ने उनकी बहादुरी के कसीदे पढ़े थे, लेकिन जीने और मरने का डर कहीं न कहीं हिना की आंखों में दिख ही जाता है। हिना ने जो वीडियो शेयर किया है उसमें भी वह अल्लाह के दरबार में हैं और उन्होंने हिजाब पहना हुआ है, उनकी आंखों में जीने की चाह दिख रही है। वह अल्लाह को याद कर रही हैं और नींद को लेकर बोल रही है साथ ही उन्होंने कहा, "कोई नहीं, मजा आ रहा है। अल्हम्दुलिल्लाह! सारी नमाज पांचों नमाज पढ़ी हैं मैंने।

150 से ज्यादा फिल्मों में किया काम

साउथ से लेकर बॉलीवुड तक में कई सितारे ऐसे हैं, जिनका करियर की शुरुआत में भले ही किस्मत ने साथ नहीं दिया, लेकिन जब उनकी फिल्में चलनी शुरू हुईं तो उन्होंने दोबारा पीछे मुड़कर नहीं देखा. ऐसे ही एक बड़े सुपरस्टार हैं, जिन्हें बॉलीवुड में कुछ खास मुकाम हासिल नहीं हुआ, लेकिन साउथ इंडस्ट्री में आज उनके नाम से ही फिल्में चल जाती हैं. वो एक्टर कोई और नहीं बल्कि साउथ के मेगा सुपरस्टार चिरंजीवी हैं.

चिरंजीवी ने महज 3 बॉलीवुड फिल्मों में काम किया है और उनकी लगभग सभी फिल्में फ्लॉप साबित हुई हैं. दिग्गज एक्टर ने फिल्मों के फ्लॉप होने के बाद दोबारा कभी हिंदी सिनेमा में काम नहीं किया. बॉलीवुड से निराशा हाथ में लेकर चिरंजीवी ने जब साउथ में कदम रखे तो उन्होंने अपनी तगड़ी पकड़ बना ली. उनकी फिल्में लोगों को पसंद आने लगीं और देखते ही देखते वो स्टार से सुपरस्टार बन गए. इतना ही नहीं चिरंजीवी 90 के दशक सबसे ज्यादा फीस लेने वाले एक्टर भी बन गए थे. हालांकि उस दौरान अमिताभ बच्चन सबसे ज्यादा फीस लिया करते थे. लेकिन चिरंजीवी की बैक-टू-बैक हिट फिल्मों के चलते उनका स्टारडम सातवें आसमान पर पहुंच गया. चिरंजीवी साउथ इंडस्ट्री के हाईएस्ट पेड एक्टर तक बन गए थे. दिग्गज एक्टर ने अब तक 150 से ज्यादा फिल्मों में काम किया है. उन्होंने अपने अब तक के करियर में 0 फिल्मफेयर अवॉर्ड और चार नंदी अवॉर्ड जीते हैं.इनके अलावा भी चिरंजीवी के पास कई बड़े-बड़े खिताब हैं. साल 1970 एक्टर ने अपने करियर की शुरुआत की थी.

तलाक के बाद पांड्या ने पहनी किसके नाम की चेन

बॉलीवुड एक्ट्रेस नताशा स्टेनकोविक और हार्दिक पांड्या का तलाक हुए 4 महीने से अधिक का समय हो गया है। नताशा फिर से फिल्मों में काम करने लगी हैं और हार्दिक पांड्या भी अपने काम में बिजी हैं। इसी बीच हार्दिक ने एक नई चेन पहनी है, इसमें एक लेटर का पेंडेंट भी है। इसकी तस्वीर इंटरनेट पर वायरल है।नताशा के हसबैंड हार्दिक पांड्या की ये लेटेस्ट तस्वीर इन्टरनेट पर वायरल है। इसमें वो एक चेन में एक पेंडेंट पहने दिख रहे हैं। इसे देखने के बाद लोग पूछ रहे हैं कि क्या उनके जीवन में फिर से प्यार ने दस्तक दे दी है। लोग पूछ रहे हैं कि उन्होंने किसके नाम का पेंडेंट पहना है। मगर जैसा लोग सोच रहे हैं वैसा बिलकुल नहीं है। भारतीय क्रिकेटर हार्दिक पांड्या ने "A" अक्षर वाला पेंडेंट पहना है। ये तोहफा उन्होंने अपने बेटे को दिया है। वो अपने बेटे अगस्त्य से बहुत प्यार करते हैं। इसी को दिखाने के लिए उन्होंने ये स्पेशल पेंडेंट बनवाया है।

हार्दिक और नताशा का बेटा अगस्त्य इंडिया में ही। वो यहीं रहकर अपनी पढ़ाई कर रहा है। फिलहाल वो अपनी मां नताशा के साथ ही रह रहा है। मगर छुट्टियों में वो अपने पिता हार्दिक से मिलने जाता है। तब वो खूब मस्ती करते हैं।

पिता चंकी पांडे पर भड़कीं अनन्या

अनन्या पांडे और चंकी पांडे के बीच में काफी अच्छा बॉन्ड है। दोनों साथ में एक ही फिल्म में काम कर चुके हैं और अब एक्ट्रेस का दोबारा पिता के साथ काम करने का कोई इरादा नहीं है। दरअसल, हाल ही में अनन्या और चंकी ने एक्ट्रेस की फिल्मों के चॉइस को लेकर डिस्कस किया। इतना ही नहीं अनन्या ने फिल्म लाइगर करने के लिए चंकी को जिम्मेदार माना है। अनन्या यह भी कहती हैं कि वह अब चंकी के साथ दोबारा काम नहीं करेंगी

दरअसल, वी आर युवा यूट्यूब चैनल पर चंकी बोलते हैं कि अनन्या और उनके बहुत बीच बहस होती है इस मुद्दे को लेकर कि कैसे फिल्में अनन्या करें। चंकी कहते हैं, मैं 80 और 90 के दशक का हूं जहां हमने बड़ी कमर्शियल फिल्में की हैं जो हिट भी रही हैं। हमारी घर में बहुत लड़ाई होती है, लेकिन तुमने कहीं कहा कि गहराइयां से तुम्हें समझ आया कि कैसी फिल्में तुम्हें करनी है।

अन्नया कहती हैं कि जब वह बड़ी हो रही थीं वह भी अपने पिता की तरह सोचती थीं फिल्मों को चुनने को लेकर। वह बोलती हैं कि जिस तरह की फिल्में मैं देखती थी वो भी बड़ी कमर्शियल फिल्में होती थीं और आज भी मुझे उनसे प्यार है। मैं आज भी उनका पार्ट होना चाहूंगी। तभी चंकी उन्हें बीच में टोकते हुए कहते हैं कि ये तुम्हारे डीएनए में है डार्लिंग। अनन्या इस बात को मानती हैं और कहती हैं कि तब वह उस समय फिल्मों के बारे में नहीं जानती थीं। लेकिन यह सब तब बदल गया जब उन्होंने गहराइयां फिल्म की। इस फिल्म के बाद से वह एक एक्टर की तरह सोचने लगीं।

अमिताभ बच्चन इस टेनिस स्टार के हैं जबरा फैन

सुनाया मुलाकात का मजेदार किस्सा

महानायक अमिताभ बच्चन की मेजबानी वाले शो कौन बनेगा करोड़पति 16 में इस सप्ताह दर्शक दिल्ली निवासी एसएसबी के सेवानिवृत्त जनरल अधिकारी प्रेमस्वरूप सिंह नेगी से मिलेंगे, जिन्होंने हमेशा केबीसी में आने का सपना देखा था।

उत्साही टेनिस फैन और खिलाड़ी, प्रेमस्वरूप ने अमिताभ बच्चन के साथ इस खेल के प्रति अपने प्यार के बारे में बताया और कहा कि उन्हें एक बार एक टेनिस टूर्नामेंट में भाग लेने का अवसर मिला था। जवाब में अमिताभ बच्चन ने मुस्कुराते हुए कहा, "नोवाक जोकोविक मुझे बहुत पसंद हैं। वह बहुत उम्दा खेलते हैं, और वह अन्य खिलाड़ियों की नकल भी करते हैं।"

जब यह बातचीत आगे बढ़ी, तो अमिताभ बच्चन ने न्यूयॉर्क की ट्रिप के एक मज़ेदार और यादगार पल को साझा किया, जहां वह एक टेनिस टूर्नामेंट देखने गए थे। उन्होंने कहा, "मैं वहां कुछ साथी भारतीयों के साथ बैठा था, और उन्होंने मुझे पहचान लिया और ऑटोग्राफ मांगे। लेकिन आगे जो हुआ वह और भी मनोरंजक था। पास बैठी दो अमेरिकी महिलाओं ने कई बार मेरी ओर देखा और फिर कहा, 'आपसे मिलकर खुशी हुई, विजय अमृतराज।'"

उन्होंने धीरे से हंसते हुए आगे कहा, "उन्हें लगा था कि मैं पूर्व भारतीय टेनिस खिलाड़ी विजय अमृतराज था, शायद इसलिए क्योंकि मैं भारतीय था, हमारी ऊंचाई काफी हद तक समान है। उन्होंने सोचा कि चूंकि मैं ऑटोग्राफ मांगने वाले लोगों से घिरा हुआ हूं, तो मुझे कोई प्रसिद्ध टेनिस खिलाड़ी ही होना चाहिए। मैं बस मुस्कुराया और कहा, 'मैं टेनिस खिलाड़ी नहीं हूं। मैं यहां बस मैच देखने आया हूं।' मैंने उन्हें आगे यह नहीं बताया कि मैं असल में कौन हूं।"

इस मजेदार और प्यारी कहानी ने प्रेमस्वरूप और दर्शकों दोनों को हैरान कर दिया, जिसने ऐसे हालातों में भी अमिताभ की विनम्रता और सेंस ऑफ ह्यूमर को दर्शाया।

एक मैसेज से शुरू हुई थी प्रियंका-निक की लव स्टोरी

प्रियंका और निक साल 2016 में पहली बार मिले थे. हालांकि, निक ने ही इस रिश्ते की शुरुआत की पहल की थी. उन्होंने एक्ट्रेस की को-स्टार को मैसेज करके बताया था कि प्रियंका बेहद खूबसूरत हैं. बाद में निक ने प्रियंका के सोशल मीडिया आईडी पर मैसेज करके मिलने के लिए अलग अंदाज में पूछा था. उन्होंने मैसेज में कहा था कि हमारे कुछ कॉमन दोस्त हैं जो कह रहे थे कि हमें मिलना चाहिए.

प्रियंका ने निक के मैसेज का रिप्लाई किया और दोनों ने बाद में नंबर एक्सचेंज कर लिए फिर दोनों में बात शुरू हुई. साल 2017 में दोनों पहली बार मेट गाला के रेड कार्पेट पर कपल के तौर पर सामने आए.

अपने रिश्ते को पब्लिकली सामने लाने के अगले ही साल प्रियंका और निक ने सगाई कर ली. दरअसल, अपनी तीसरी डेट के लिए दोनों ग्रीस गए थे जहां निक ने उन्हें घुटने पर बैठकर प्रपोज किया था.

अविनाश ने की चाहत की बेइज्जती

बिग बॉस 18 में जब-जब तमाशा होता है तो दर्शकों को शो देखने में काफी मजा आता है. खासतौर पर हर कोई वीकेंड का वार का इंतजार करता है. क्योंकि इन दो दिन में सलमान खान घरवालों का हिसाब-किताब करते हैं. कंटेस्टेंट्स के पूरे हफ्ते की हरकतों को ध्यान में रखते हुए उन्हें समझाते हैं, सुझाव देते हैं और फटकार भी लगाता हैं. लेकिन इस बार सलमान के निशाने पर अविनाश मिश्रा आ खड़े हुए हैं वो भी अपने कहे गए कुछ शब्दों की वजह से.

सलमान खान सभी घरवालों को एक टास्क देते हैं. जिसमें वो दिग्विजय राठी और अविनाश मिश्रा को पूल के पास खड़ा करते हैं. दोनों में बेहतर कौन है, इसका चुनाव घरवालों को करना होता है और किसी एक को पूल में धक्का भी देना होता है. शो का नया प्रोमो काफी तेजी से वायरल हो रहा है. इस वायरल प्रोमो में देखा जा सकता है कि अविनाश चाहत के साथ बदतमीजी शुरू कर देते हैं, जो सलमान खान को बिल्कुल भी रास नहीं आता है.

दरअसल चाहत पांडे अपनी बात रखते हुए विवियन डीसेना और अविनाश मिश्रा की दोस्ती पर सवाल उठाती हैं और कहती हैं, अगर विवियन कहेंगे बर्तन धोने के लिए तो वो बर्तन चाट-चाटकर भी धो देंगे. चाहत की बात सुनते ही अविनाश भड़क उठते हैं और चाहत से कहते हैं कि तुम गंवार हो. इसके बाद चाहत उन्हें धक्का देने के लिए टास्क में मौजूद बड़ी चप्पल से पुश करती हैं. वहीं सलमान तुरंत अविनाश पर बरस पड़ते हैं.

सलमान खान सवाल करते हुए अविनाश से कहते हैं कि ये गंवार क्या है? ये कैसी भाषा है और ये क्या बदतमीजी है. अपनी सफाई पेश करते हुए अविनाश कहते हैं कि ये जो हरकत कर रही है कि ये कोई पढ़ा-लिखा इंसान करेगा. सलमान कहते हैं, अच्छा...आप पढ़े-लिखे हो? अविनाश कहते हैं कि एक लेवल क्रॉस कर देते हैं. सलमान जवाब देते हुए कहते हैं कि आपने भी इस घर में कई सारे लेवल क्रॉस किए हैं.

फर्श से सीधे अर्श पर पहुंची मेलबर्न

पहली बार जीता महिला बिग बैश लीग का खिताब

मेलबर्न.

महिला बिग बैश लीग 2024 का खिताब मेलबर्न रेनेगेड्स ने जीत लिया है. पिछले सीजन में इस टीम का बेहद बुरा हाल था. तब यह टीम टूर्नामेंट में आखिरी स्थान पर रही थी. लेकिन इस बार मेलबर्न फर्श से सीधे अर्श पर पहुंच गई है. रविवार 1 दिसंबर को फाइनल मुकाबले में उसने ब्रिसबेन हीट को 7 रनों से हराया और पहली बार इस टूर्नामेंट की चैंपियन बनी. मेलबर्न क्रिकेट ग्राउंड में हुए डब्ल्यूबीबीएल के 10वें सीजन के फाइनल के दौरान मेलबर्न की टीम ने पहले बैटिंग करते हुए 142 रनों का लक्ष्य रखा था. लेकिन बारिश के कारण मुकाबले को घटाकर 12 ओवर का कर दिया गया, जबकि लक्ष्य 97 का कर दिया गया था. इसे चेज करते हुए ब्रिसबेन की टीम 90 रन बना सकी.

लेकिन ओपनिंग के लिए उतरीं हेली मैथ्यूज एक छोर से अंतिम ओवर तक टिकी रहीं. उन्होंने 61 गेंद में 69 रन की अहम पारी खेली और टीम के स्कोर 141 तक पहुंचाया. वहीं 97 रन को बचाते हुए उन्होंने 3 ओवर गेंदबाजी की और 24 रन देकर 2 विकेट चटकाए. उनके इस प्रदर्शन के दम पर मेलबर्न की टीम डब्लूबीबीएल के 10 सीजन में पहली बार ट्रॉफी पर कब्जा करने में सफल रही. हेली को इसके लिए प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट का खिताब भी दिया गया. फाइनल मुकाबले में पहली पारी के बाद बारिश हो गई, जिसके कारण डकवर्थ लुईस नियम के तहत मैच को 12 ओवर तक सीमित कर दिया और लक्ष्य घटकर 98 रन हो गया. लेकिन इस छोटे से टारगेट को चेज करने उतरी ब्रिसबेन हीट की टीम ताश के पत्तों की तरह बिखर हो गया.

ब्रिसबेन की कप्तान जेस जोनासन ने नाबाद 28 गेंद में 157 की स्ट्राइक रेट से 44 रन बनाए. उनके अलावा सिर्फ दो बल्लेबाज दहाई के आंकड़े तक पहुंच सकीं. एक छोर से विकेट गिरते रहे और दूसरे छोर वो अकेले लड़ती रहीं. लेकिन उनकी बहादुरी पारी टीम के काम नहीं आई.

हेली मैथ्यूज के दम पर ट्रॉफी पर किया कब्जा

फाइनल मुकाबले में हेली मैथ्यूज मेलबर्न के लिए संकटमोचक साबित हुईं. उन्होंने पहले बैट और फिर बॉल से कमाल का प्रदर्शन किया और अपनी टीम को जीत दिलाई. फाइनल मुकाबले में मेलबर्न को टॉस में भाग्य का साथ नहीं मिला. टॉस हारने के बाद पहले बैटिंग करने उतरी उसकी शुरुआत भी अच्छी नहीं रही. उसने पावरप्ले में ही 3 विकेट गंवा दिए थे. वहीं 10वें तक जाते-जाते चौथा विकेट भी खो दिया और सिर्फ 64 रन बना सकी.

वार्मअप मैच में रोहित शर्मा फ्लॉप

नई दिल्ली. ऑस्ट्रेलिया और भारत के बीच बार्डर गावस्कर ट्रॉफी का दूसरा मुक़ाबला 6 दिसंबर से खेला जाएगा। एडिलेड ओवर में खेला जाने वाले इस डे-नाइट टेस्ट से पहले भारतीय टीम ऑस्ट्रेलिया की प्राइम मिनिस्टर के साथ दो दिन का अभ्यास मैच खेल रही है। कैनबरा के मनुका ओवल में खेले जा रहे इस मैच में रोहित शर्मा पूरी तरह से फ्लॉप साबित हुए हैं।

रोहित सलामी बल्लेबाज केएल राहुल के रिटायर हर्ट होने के बाद चौथे नंबर पर बल्लेबाजी करने उतरे। चार्ली एंडरसन की बाहर जाती गेंद को रोहित ने छेड़ दिया और ओलिवर डेविस के हाथों कैच आउट हो गए। वे आठ गेंद पर मात्र तीन ही रन बना सके। इस मैच में भारतीय टीम ने दूसरे टेस्ट मैच में टीम का क्या बल्लेबाजी लाइन अप रहेगा इसको लेकर संकेत दिये हैं। इस वार्मअप मुक़ाबले में पर्थ टेस्ट की ओपनिंग जोड़ी यशस्वी जायसवाल और केएल राहुल की सलामी बल्लेबाजी करने उतरे हैं।

इतना ही नहीं टीम मैनेजमेंट ने मैच से पहले जो खिलाड़ियों की लिस्ट दी है उसमें रोहित का नाम पांचवे नंबर पर है। ऐसे में रोहित इस वार्मअप मैच में और एडिलेड ओवर में खेले जाने वाले डे-नाइट टेस्ट में पांचवे नंबर पर ही बल्लेबाजी करने उतार सकते हैं।

पांचवें स्थान पर पहुंचे जयपुर पिंक पैंथर्स

आठवीं जीत के साथ अंक तालिका में

नोएडा.

जयपुर पिंक पैंथर्स ने नोएडा इंडोर स्टेडियम में शनिवार को खेले गए प्रो कबड्डी लीग के 11वें सीजन के 86वें मैच में तेलुगू टाइटंस को 41-28 से हराते हुए अंक तालिका में पांचवां स्थान हासिल कर लिया है। जयपुर की यह 15 मैचों में आठवीं जीत है जबकि टाइटंस को 15 मैचों में छठी हार मिली है।

जयपुर की जीत में नीरज नरवाल (12), अर्जुन देसवाल (11) की अहम भूमिका रही। टाइटंस को विजय मलिक के 17 अंक के बावजूद हार मिली। इसका कारण यह रहा कि वह तीन बार ऑल आउट हुई और उसका डिफेंस 12 के मुकाबले सिर्फ सात अंक ले सका। शुरुआती 10 मिनट में दोनों टीमों का स्कोर 7-7 था। टाइटंस ने शानदार आगाज करते हुए चौथे मिनट में ही 5-1 की बढ़त बना ली लेकिन जयपुर ने नीरज के अच्छे प्रदर्शन की बदौलत वापसी की राह पकड़ते हुए जल्द ही स्कोर 4-6 कर दिया। इसके बाद जयपुर ने लगातार तीन अंक लेते हुए न सिर्फ स्कोर 7-7 किया बल्कि टाइटंस को ऑल आउट की ओर भी धकेल दिया।

ब्रेक के बाद विजय ने बोनस लिया और फिर अर्जुन को सुपर टैकल कर टाइटंस को 10-7 से आगे कर दिया। इसके बाद टाइटंस ने दो के मुकाबले पांच अंक हासिल करते हुए छह अंक की बढ़त बना ली।

मंजीत ने एक पल के लिए ऑल आउट टाला लेकिन टाइटंस अधिक देर तक टिक नहीं सके। जयपुर को अब 26-25 की लीड मिल चुकी थी। इस बीच अर्जुन ने सुपर-10 पूरा किया। ब्रेक के बाद नीरज ने कृष्ण और अजीत का शिकार कर स्कोर 30-26 कर दिया। इसके बाद उसने 33-27 स्कोर पर टाइटंस को फिर सुपर टैकल सिचुएशन में डाला। नीरज ने फिर एक ही रेड में कृष्ण, सागर और अंकित को आउट कर टाइटंस को ऑल आउट कर जयपुर को 38-27 की बढ़त दिला कर अपनी टीम की जीत पक्की कर दी। इसके बाद लकी ने विजय का शिकार कर टाइटंस के वापसी के रास्ते बंद कर दिए। फिर अर्जुन ने आशीष को टैकल कर अपनी टीम की जीत पर मुहर लगा दी।

चैंपियंस ट्रॉफी विवाद हुआ खत्म!

नई दिल्ली.

बीसीसीआई के पूर्व सचिव जय शाह ने आखिरकार आईसीसी के चेयरमैन पद का कार्यभार संभाल लिया है। शुरुआती रिपोर्ट्स में कहा गया था कि उनका कार्यकाल एक महीने की देरी से शुरू होगा, लेकिन अब ऐसा नहीं है। माना जा रहा है कि बीसीसीआई और पीसीबी के बीच चैंपियंस ट्रॉफी 2025 को लेकर लंबे समय से चला आ रहा विवाद खत्म हो गया है।

शाह ने दावा किया है कि वह आईसीसी प्रमुख बनकर गौरवान्वित हैं। अब उनकी मुख्य प्राथमिकता महिलाओं के खेल को बेहतर बनाना है। इसके अलावा वे 2028 में लॉस एंजिल्स ओलंपिक में क्रिकेट को शामिल करने की योजना बना रहे हैं।

जय शाह ने कहा कि मैं आईसीसी के चेयरमैन की भूमिका निभाकर गौरवान्वित महसूस कर रहा हूं और आईसीसी के निदेशकों और सदस्य बोर्डों के समर्थन और विश्वास के लिए आभारी हूं।

यह खेल के लिए एक रोमांचक समय है, क्योंकि हम एलए 28 ओलंपिक खेलों की तैयारी कर रहे हैं और दुनिया भर के प्रशंसकों के लिए क्रिकेट को अधिक समावेशी और आकर्षक बनाने के लिए काम कर रहे हैं।जय शाह ने आईसीसी से कहा कि हम कई प्रारूपों के सह-अस्तित्व और महिलाओं के खेल के विकास में तेजी लाने की जरूरत के साथ एक महत्वपूर्ण मोड़ पर हैं।

जो रूट बने नंबर-1 बल्लेबाज

तोड़ा सचिन तेंदुलकर का रिकॉर्ड

नई दिल्ली. इंग्लैंड ने भले ही क्राइस्टचर्च में खेले गए पहले टेस्ट मैच में न्यूजीलैंड को 8 विकेट से हराकर जहां तीन टेस्ट मैचों सीरीज में 1-0 की बढ़त बना ली हो, लेकिन यह मुकाबला जो रूट के लिए यादगार और ऐतिहासिक बन गया है। दरअसल, इंग्लैंड के 33 वर्षीय स्टार खिलाड़ी ने टेस्ट क्रिकेट की चौथी पारी में सर्वाधिक रन के मामले में भारत के महान बल्लेबाज सचिन तेंदुलकर के रिकॉर्ड को पीछे छोड़ दिया है। अब वह टेस्ट क्रिकेट की चौथी पारी में सर्वाधिक रन बनाने वाले बल्लेबाज बन गए हैं।

रूट ने अपनी 22 रन की तेज पारी के दौरान चौथी पारी में तेंदुलकर के 1,625 रनों के आंकड़े को पार किया। उन्होंने 49वीं बार चौथी पारी में बैटिंग करते हुए यह उपलब्धि हासिल की। जो रूट के लिए यह रिकॉर्ड और भी यादगार इसलिए है, क्योंकि उन्होंने सचिन तेंदुलकर से 11 पारी कम खेलते हुए हासिल की है। वहीं मास्टर ब्लास्टर सचिन तेंदुलकर ने 60 बार चौथी पारी में बल्लेबाजी करते हुए 1,625 रन बनाए थे। जो रूट और सचिन तेंदुलकर के अलावा ग्रीम स्मिथ और एलिस्टर कुक ही 2 अन्य बल्लेबाज हैं, जिनके नाम टेस्ट क्रिकेट इतिहास की चौथी पारी में 1600 से अधिक रन हैं। पिछले महीने ही जो रूट पाकिस्तान के खिलाफ पहले टेस्ट के दौरान इंग्लैंड की ओर से सर्वाधिक रन बनाने वाले खिलाड़ी बने थे। उन्होंने एलिस्टर कुक को पीछे छोड़ दिया था। इतना ही नहीं वह टेस्ट क्रिकेट में सर्वाधिक रन बनाने वाले खिलाड़ियों की सूची में 5वें नंबर पर काबिज हो गए थे।

जो रूट के नाम 150 टेस्ट की 274 पारी में 12,777 रन हैं। टेस्ट क्रिकेट में सर्वाधिक रन बनाने का रिकॉर्ड मास्टर ब्लास्टर सचिन तेंदुलकर के नाम हैं। सचिन के नाम 200 टेस्ट मैच की 329 पारी में 15,921 रन हैं। इसके बाद रिकी पोंटिंग के नाम 168 मैच की 287 पारी में 13,378 रन हैं। तीसरे नंबर पर जैक्स कैलिस हैं, जिनके नाम 166 मैच की 280 पारी में 13,289 रन हैं। इसके बाद चौथे नंबर पर भारत के राहुल द्रविड़ हैं, जिन्होंने 164 मैच की 286 पारी में 13288 रन बनाए हैं।

इंग्लैंड ने न्यूजीलैंड को 8 विकेट से हराया

नई दिल्ली.

जैकब बेथेल के डेब्यू पर नाबाद अर्धशतक और उसके बाद ब्रायडन कार्स (6-42) के करियर की सर्वश्रेष्ठ गेंदबाजी की बदौलत इंग्लैंड ने रविवार को हेगले ओवल में न्यूजीलैंड के खिलाफ पहले टेस्ट के चौथे दिन आठ विकेट से जीत दर्ज की।

इंग्लैंड की आठ विकेट की जीत ने उन्हें तीन मैचों की सीरीज में 1-0 की बढ़त दिलाने में मदद की और उनके विश्व टेस्ट चैंपियनशिप स्टैंडिंग पॉइंट प्रतिशत को 43.75 तक सुधारा। दूसरी ओर, न्यूजीलैंड ने अपने पॉइंट प्रतिशत को 50 प्रतिशत तक गिरा दिया और उनके डब्ल्यूटीसी फाइनल क्वालीफिकेशन की संभावनाओं को भारी झटका लगा।

इंग्लैंड के खिलाफ पहले टेस्ट के चौथे दिन हैगले ओवल में 155/6 से आगे खेलने के बाद, न्यूजीलैंड ने अपने ओवरनाइट स्कोर में 99 रन जोड़े, क्योंकि कार्स ने सुबह के सत्र में मेजबान की सकारात्मक शुरुआत को बाधित करते हुए रविवार को दूसरी पारी में 254 रन पर समेट दिया। कार्स ने अपने करियर के सर्वश्रेष्ठ 6/42 के आंकड़े को हासिल करते हुए शेष चार में से तीन विकेट चटकाए, जिससे यह सुनिश्चित हुआ कि इंग्लैंड को जीत हासिल करने के लिए केवल 104 रनों का पीछा करना पड़ा।

यह कार्य 8.21 के प्रभावशाली स्कोरिंग रेट से आसानी से पूरा हुआ, क्योंकि जैकब बेथेल ने अपने डेब्यू पर शानदार नाबाद अर्धशतक लगाया, जिसे उन्होंने केवल 37 गेंदों में हासिल किया और इंग्लैंड ने दो विकेट खोकर लक्ष्य हासिल कर लिया। जबकि, कार्स अपने 10/106 के लिए प्लेयर ऑफ द मैच रहे, जो 16 वर्षों में विदेशी धरती पर दस विकेट लेने वाले इंग्लैंड के पहले तेज गेंदबाज हैं।

बल्लेबाजी के लिए आमंत्रित किए जाने पर, न्यूजीलैंड ने वापसी कर रहे केन विलियमसन के शानदार 93 रनों की बदौलत पहली पारी में 348 रन बनाए थे। जवाब में, इंग्लैंड 71/4 पर संघर्ष कर रहा था, इससे पहले हैरी ब्रूक के 171 रनों की मदद से पर्यटकों ने 499 रन बनाकर 151 रनों की शानदार बढ़त हासिल की।

भारत के सामने पाकिस्तान ने रखी 3 शर्तें

अब इस प्लान के तहत खेला जाएगा टूर्नामेंट

नई दिल्ली.

भारत और पाकिस्तान समेत दुनिया भर के क्रिकेट फैंस के लिए अच्छी खबर आ रही है। आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी को लेकर बीसीसीआई और पीसीबी के बीच लंबे समय से चला आ रहा तनाव समाप्त होने वाला है, क्योंकि पाकिस्तान हाइब्रिड मॉडल के लिए तैयार हो गया है। रिपोर्ट के अनुसार, पाकिस्तान इस टूर्नामेंट की मेज़बानी करेगा, जबकि भारत के मैच तटस्थ स्थल संभवतः संयुक्त अरब अमीरात में खेले जाएंगे। हालांकि पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड ने आईसीसी के सामने अपनी तीन शर्तें भी रखी हैं। आइये आपको भी बताते हैं वे शर्तें कौन सी हैं।

चैंपियंस ट्रॉफी 2025 को लेकर मोहसिन नकवी ने अपना रुख नरम कर लिया है। अब वह हाइब्रिड मॉडल पर टूर्नामेंट कराने को राजी हो गए हैं। लेकिन उन्होंने अपनी तीन शर्त भी रख दी हैं। पीसीबी की पहली शर्त है कि भारत द्वारा आयोजित भविष्य के आईसीसी टूर्नामेंट

में उनके मैचों के लिए भी तटस्थ स्थल होना चाहिए।

पाकिस्तान की ओर से एक और शर्त भी है जो आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी समझौते को बर्बाद कर सकती है। टूर्नामेंट के लिए हाइब्रिड मॉडल को स्वीकार करने के लिए पीसीबी चाहता है कि आईसीसी अपनी रियायत के अनुरूप उनके राजस्व हिस्से को 5.75% से बढ़ाए। अब देखने वाली बात ये होगी कि आईसीसी पीसीबी की शर्तों पर चैंपियंस ट्रॉफी कराने को राजी होता है या फिर इसके विपरीत कोई फैसला लेता है।

भारत पहले ही बाहर होने पर पाकिस्तान में हों मैच

पीसीबी की दूसरी शर्त ये है कि अगर भारत पहले ही बाहर हो जाता है तो चैंपियंस ट्रॉफी सेमीफाइनल और फाइनल पाकिस्तान में आयोजित किया जाना चाहिए। दुबई भारत के सभी मैचों लीग मैचों की मेजबानी करेगा। वहीं, अगर भारत सेमीफाइनल या फाइनल के लिए क्वालीफाई करता है तो वे मैच पाकिस्तान में नहीं, बल्कि दुबई में आयोजित किए जाएंगे।

आईएसएल: मुंबई सिटी ने हैदराबाद को 1-0 से हराया

मुंबई. मुंबई सिटी एफसी ने शनिवार शाम यहां मुंबई फुटबॉल एरेना में इंडियन सुपर लीग (आईएसएल) के एक मुकाबले में हैदराबाद एफसी को 1-0 से हरा दिया।मुंबई एफसी के मेहताब सिंह ने मैच का एकमात्र गोल दागा। पेट्र क्रैटकी की टीम ने मौजूदा सीज़न में अपनी तीसरी जीत हासिल कर पंजाब एफसी के खिलाफ पिछली हार को पीछे छोड़ दिया।खेल का पहला मौका लालियानजुआला छंगटे को मिला मगर हैदराबाद के गोलकीपर ने उनके इस प्रयास को विफल कर दिया। हालांकि कुछ मिनट बाद, मुंबई सिटी ने लगभग बढ़त बना ली थी जब जयेश राणे ने गेंद जॉन टोरल के पास पहुंचने से पहले ही मूव शुरू कर दिया था।मैच के 29वें मिनट में मेहताब ने छंगटे द्वारा दिए गए कॉर्नर पर हेडर लगाने के लिए एक असाधारण मूवमेंट किया और गोल कर दिया। मेजबान टीम द्वारा भारी दबाव झेलने के बाद हैदराबाद एफसी आखिरकार पहले हाफ के अंत में अपने खुद के कुछ मौके बनाने में सफल रही मगर इन प्रयासों को गोल में तब्दील नहीं कर सकी।मुंबई सिटी पांच दिसंबर को ओडिशा एफसी का सामना करने के लिए भुवनेश्वर जाएगी जबकि हैदराबाद एफसी चार दिसंबर को इन-फॉर्म एफसी गोवा की मेजबानी करेगी।

पहलवान को मिला अवॉर्ड

'रहबरे-आजम सर छोटू राम भारत गौरव'

सोनीपत.

जिले के गांव डबरपुर निवासी अर्जुन अवार्डी पहलवान सुनील कुमार व सोनीपत के ककरोई रोड स्थित युद्धवीर अखाड़ा को रहबरे-आजम सर छोटू राम भारत गौरव अवार्ड से सम्मानित किया गया है। यह सम्मान दिल्ली के लोधी रोड स्थित इस्लामी भवन में आयोजित कार्यक्रम के दौरान दिया गया। यह सम्मान अपने क्षेत्र में श्रेष्ठ कार्य करने वाले खिलाड़ी, अकादमी व संस्थान को दिया जाता है। युद्धवीर अखाड़ा की इस साल की उपलब्धियों को देखते हुए लड़कियों की सर्वश्रेष्ठ अकादमी का पुरस्कार दिया गया।

कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि केंद्र सरकार के कृषि राज्य मंत्री भागीरथ चौधरी व वरिष्ठ अतिथि सांसद धर्मबीर चौधरी व स्वास्थ्य मंत्री दिल्ली सरकार सौरभ भारद्वाज ने शिरकत की थी। गांव डबरपुर पहलवान सुनील कुमार को उनकी उपलब्धियों के लिए यह सम्मान दिया गया।

प्रशिक्षक कुलबीर राणा ने बताया कि यह सम्मान समारोह कालीरमण फाउंडेशन की तरफ से आयोजित किया जाता है।

संस्था की तरफ से विभिन्न क्षेत्रों में बेहतर कार्य करने वालों को प्रोत्साहन करने के लिए अवार्ड देकर सम्मानित करते हैं। उन्होंने बताया कि अखाड़ा में अब 8 अंतर्राष्ट्रीय व 22 राष्ट्रीय पहलवान अभ्यास कर रही हैं। लड़कियों की सर्वश्रेष्ठ अकादमी के लिए अखाड़े को पुरस्कृत किया गया।

सम्मान समारोह में अखाड़ा के प्रशिक्षक कुलदीप राणा व सीमा राणा को सम्मानित किया गया।

इस वर्ष अखाड़े की पहलवान रुबीन ने अंडर-15 एशियन कुश्ती प्रतियोगिता व तपस्या ने अंडर-20 एशियन कुश्ती प्रतियोगिता में गोल्ड मेडल जीते थे।

साथ ही पहलवान शिक्षा खरब ने अंडर-23 विश्व कुश्ती प्रतियोगिता में ब्रांज मेडल जीता था। वहीं, बिपाशा ने सीनियर विश्व कुश्ती प्रतियोगिता में प्रतिभागिता की थी।

संभल मस्जिद में जमकर अवैध निर्माण

> अब एएसई ने सुप्रीम कोर्ट को डिटेल में बताया

नई दिल्ली.

यूपी के संभल में मस्जिद को लेकर उठे विवाद के बीच अब सुप्रीम कोर्ट में एएसई जो कि प्रतिवादी है उन्होंने रिटन स्टेटमेंट जारी करके मस्जिद में हुए बदलाव और छेड़खानी को डिटेल में बताया है। बताया गया है कि 26 जून को एएसई मेरठ मंडल की एक टीम ने शाही जामा मस्जिद का निरीक्षण किया था। इससे पहले 21 दिसंबर, 2023 को भी एक एक टीम निरीक्षण करने गई थी, लेकिन स्थानीय निवासी जिसमें वकील मौजूद थे, उन्होंने केंद्रीय संरक्षित इमारत यानी शाही मस्जिद में जाने से रोक दिया था। इसके अलावा संभल के डीएम से इजाजत लाने को कहा था।

इसके बाद 27 फरवरी 2024 को एएसई ने संभल जिलाधिकारी को लेटर लिखकर जानकारी दी और पुलिस सुरक्षा की मांग की। सुरक्षा की तैयारी के बाद 26 जून, 2024 को एएसई की टीम पुलिस सुरक्षा के साथ मस्जिद में निरीक्षण करने गई थी. टीम के जाते ही काफी संख्या में स्थानीय निवासी जिसमे मस्जिद कमेटी के अध्यक्ष जफर अली और अन्य वकील थे आ गए।

एएसई ने आगे कहा कि उसकी टीम के पहुंचने पर लोकल और मस्जिद कमेटी के लोगों ने निरीक्षण टीम का फोटो और वीडियो बनाना शुरू कर दिया. निरीक्षण टीम की प्रक्रिया का मस्जिद कमेटी के लोग डॉक्यूमेंटेशन कर रहे थे। भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण, मेरठ मंडल, मेरठ की टीम द्वारा मस्जिद के मुख्य द्वार पर से बाई तरफ एक पुराना कुआ देखा गया जो कि अब मस्जिद कमेटी-प्रशासन द्वारा ढक दिया गया है, कुएं के ऊपर व साथ मे सुरक्षा दल के लिए एक बड़े कमरे का निर्माण कर दिया गया है। रिपोर्ट में कुएं के बारे में भी बताया गया है।

स्टेटमेंट में बताया गया है कि मस्जिद की सीढ़ी के दोनों तरफ स्टील की रेलिंग लगी है। 19 जनवरी, 2018 में इस अवैध स्टील रेलिंग के नव निर्माण के संदर्भ में आगरा मंडल की ओर से कोतवाली संभल में एफआईआर दर्ज कराई गई थी. इसके बाद 23 जनवरी, 2018 को पुरातत्व विभाग, आगरा मंडल ने जिला अधिकारी संभल को रेलिंग ध्वस्त करने का आदेश दिया था जो कि अभी तक लंबित है।

बयान में कहा गया है कि मस्जिद के केंद्र में एक हौज है जो कि नमाजियों द्वारा उपयोग में लाया जाता है. इस पर पत्थर लगाकर नवीनीकरण किया गया है। मुख्य द्वार से मस्जिद के भीतर आते ही धरातल पर लाल बलुआ पीठ, संगमरमर और ग्रेनाइट से पुराना फर्श बदलकर नया कर दिया

'मस्जिद का वास्तविक स्वरूप नष्ट हो गया है'

वर्तमान में मस्जिद को पूरी तरह कमेटी द्वारा इनेमल पेंट की मोटी परतों द्वारा पेंट कर दिया गया है और प्लास्टर ऑफ पेरिस का इस्तेमाल किया गया है, जिसकी वजह से मस्जिद का वास्तविक स्वरूप नष्ट हो गया है। मस्जिद के मुख्य हॉल के गुम्बद से लोहे की चेन से वर्तमान में कांच का एक खुमार लगाया गया है। पश्चिम की ओर दो चेंबर, छोटे कमरेनुमा सरंचना और मस्जिद के उत्तरी भाग में एक चेंबर, छोटे कमरेनुमा सरंचना में ही पुरानी छत के वास्तविक अवशेष दिखाई पड़ते हैं। मस्जिद के बाकी कमरे आम तौर पर बंद रहते हैं।

चंद्रबाबू नायडू सरकार का बड़ा ऐक्शन

> आंध्र प्रदेश में वक्फ बोर्ड को किया गया भंग

अमरावती.

चंद्रबाबू नायडू के नेतृत्व वाली आंध्र प्रदेश सरकार ने पिछली वाईएसआर कांग्रेस सरकार द्वारा नामित राज्य वक्फ बोर्ड को भंग कर दिया है। यह कदम वक्फ (संशोधन) विधेयक, 2024 के खिलाफ चल रहे हंगामे के बीच उठाया गया है। 30 नवंबर के एक आदेश में, राज्य सरकार ने उल्लेख किया कि वाईएसआरसी शासन द्वारा गठित एपी राज्य वक्फ बोर्ड लंबे समय से (मार्च 2023 से) निष्क्रिय था।

तत्कालीन गठित वक्फ बोर्ड में कुल 11 सदस्य थे, जिनमें से तीन निर्वाचित थे और बाकी आठ मनोनीत थे। उल्लेखनीय है कि आंध्र प्रदेश उच्च न्यायालय ने 1 नवंबर, 2023 को राज्य वक्फ बोर्ड के अध्यक्ष के चुनाव पर रोक लगा दी थी, क्योंकि एक याचिका में बोर्ड के गठन की प्रक्रिया को चुनौती दी गई थी।

आदेश में आगे कहा गया है, मुख्य कार्यकारी अधिकारी, एपी राज्य वक्फ बोर्ड, विजयवाड़ा ने रिट याचिकाओं के लंबित होने की बात लाई। अल्पसंख्यक कल्याण विभाग ने कहा कि सभी पहलुओं और उच्च न्यायालय के आदेश पर सावधानीपूर्वक विचार करने के बाद, राज्य सरकार 21 अक्टूबर, 2023 की तारीख वाले जीओ को तत्काल प्रभाव से वापस लेती है।

इस बीच, अल्पसंख्यक कल्याण मंत्री एन.एम.डी. फारूक ने कहा,मुख्यमंत्री एन. चंद्रबाबू नायडू के नेतृत्व वाली गठबंधन सरकार वक्फ संपत्तियों की सुरक्षा और प्रबंधन तथा अल्पसंख्यकों के कल्याण के लिए प्रतिबद्ध है।" तेलंगाना टुडे ने फारूक के हवाले से कहा, सरकार इस दिशा में कदम उठा रही है। वक्फ (संशोधन) विधेयक, 2024 गौरतलब है कि केंद्र सरकार ने अगस्त में लोकसभा में वक्फ (संशोधन) विधेयक पेश किया था।

भारत-बांग्लादेश में कोई फर्क नहीं

नई दिल्ली.

पीडीपी प्रमुख महबूबा मुफ्ती ने संभल मस्जिद मामला, अजमेर शरीफ दरगाह मामला और बांग्लादेश में अल्पसंख्यकों के मुद्दे पर अपनी राय रखी है। उन्होंने रविवार को कहा कि भारत और बांग्लादेश में कोई फर्क नहीं है। भारत में अल्पसंख्यकों की स्थिति बांग्लादेश से अलग नहीं है। जम्मू-कश्मीर के पूर्व मुख्यमंत्री महबूबा मुफ्ती ने मस्जिदों और दरगाहों पर हाल के दावों पर चिंता व्यक्त की।

बांग्लादेश में अल्पसंख्यकों के खिलाफ बढ़ती हिंसा और इस्कॉन संत चिन्मय कृष्ण दास की गिरफ्तारी को लेकर बांग्लादेश में स्थिति तनावपूर्ण हो गई है। अब इस पूरे मामले में महबूबा मुफ्ती ने अपनी बात रखी है।

मुफ्ती ने जम्मू में संवाददाताओं से कहा, आज मुझे डर है कि जो स्थिति 1947 के दौरान थी, हमें उसी दिशा में ले जाया जा रहा है। जब युवा नौकरी की बात करते हैं तो उन्हें नौकरी नहीं मिलती। हमारे पास अच्छे अस्पताल, शिक्षा नहीं है...वे सड़कों की हालत नहीं सुधार रहे हैं, बल्कि मंदिर की तलाश में मस्जिद को ध्वस्त करने की कोशिश कर रहे हैं। संभल की घटना बहुत दुर्भाग्यपूर्ण है। कुछ लोग दुकानों में काम कर रहे थे और उन्हें गोली मार दी गई।

अजमेर शरीफ दरगाह को लेकर उठे विवाद पर टिप्पणी करते हुए मुफ्ती ने कहा, अजमेर शरीफ दरगाह, जहां सभी धर्मों के लोग प्रार्थना करते हैं, भाईचारे का सबसे बड़ा उदाहरण है। अब वे मंदिर की खोज के लिए इसमें खुदाई करने की भी कोशिश कर रहे हैं।" बांग्लादेश में हिंदुओं पर कथित अत्याचारों के बारे में मुफ्ती ने कहा, "बांग्लादेश में हिंदुओं पर अत्याचार हो रहे हैं। अगर भारत में भी अल्पसंख्यकों पर अत्याचार होंगे, तो भारत और बांग्लादेश में क्या अंतर है?... मुझे भारत और बांग्लादेश में कोई अंतर नहीं लगता।

पोप ने की किस भारतीय संत की जमकर सराहना

> बताया भेदभाव खत्म करने वाला नायक

तिरुअनंतपुरम.

दुनिया के शीर्ष ईसाई धर्मगुरु पोप फ्रांसिस ने भारत के संत श्री नारायण गुरु की सराहना की है और उनके संदेश को पूरी दुनिया के लिए प्रासंगिक बताया है। पोप फ्रांसिस ने कहा कि नारायण गुरु का समाज सुधारक का संदेश 'आज की हमारी दुनिया के लिए प्रासंगिक है, जहां हमें लोगों और देशों के बीच असहिष्णुता तथा नफरत बढ़ने के उदाहरण देखने को मिल रहे हैं।' एर्नाकुलम जिले के अलुवा में श्री नारायण गुरु के सर्व-धर्म सम्मेलन के शताब्दी समारोह के अवसर पर शनिवार को वेटिकन में जुटे धर्मगुरुओं और प्रतिनिधियों को संबोधित करते हुए पोप ने यह बात कही।

पोप ने कहा कि आज दुनिया में जो अशांति का माहौल है उसके लिए धर्मों की शिक्षाओं को न अपनाना भी कहीं न कहीं जिम्मेदार है। उन्होंने कहा कि गुरु ने अपने संदेश के माध्यम से सामाजिक और धार्मिक जागृति को बढ़ावा देने के लिए अपना जीवन समर्पित कर दिया। पोप ने कहा कि गुरु ने अपने संदेश में कहा था कि सभी मनुष्य, चाहे उनकी जाति, धर्म और सांस्कृतिक परंपराएं कोई भी हों, एक ही मानव परिवार के सदस्य हैं। पोप ने कहा, 'उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि किसी भी तरह से और किसी भी स्तर पर किसी के साथ कोई भेदभाव नहीं होना चाहिए।'

उन्होंने कहा, 'दुख की बात है कि कई समुदायों और लोगों को नस्ल, रंग, भाषा और धर्म के आधार पर रोजाना भेदभाव तथा तिरस्कार झेलना पड़ रहा है और हिंसा का सामना करना पड़ रहा है। खासकर ऐसा उन लोगों और समुदाय के साथ हो रहा है जो गरीब और कमजोर तबके के हैं।' पोप ने कहा, 'धर्मों की महान शिक्षाओं को नहीं अपनाना दुनिया में अशांति के लिए जिम्मेदार कारणों में से एक है।'

ट्रंप ने दी ब्रिक्स देशों को खुली धमकी

वाशिंगटन. अमेरिका के नवनिर्वाचित राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कनाडा और मैक्सिको के बाद अब ब्रिक्स देशों को भी खुली धमकी दे दी है। डोनाल्ड ट्रंप ने कहा है कि अगर ब्रिक्स देशों ने अमेरिका के डॉलर को रिप्लेस करने के लिए कोई नई करेंसी लॉन्च की तो वह इन देशों पर 100 फीसदी टैरिफ लगा देंगे। उन्होंने कहा कि अमेरिकी डॉलर को कमजोर करने की कोई साजिश बर्दाश्त नहीं की जाएगी। बता दें कि ब्रिक्स देशों में भारत के साथ ब्राजील, रूस, चीन, दक्षिण अफ्रीका, मिस्र, इथियोपिया, यूएई और ईरान शामिल हैं। इसके अलावा अजरबैजान तुर्की और मलेशिया भी इसकी सदस्यता चाहते हैं।

सोशल मीडिया पर एक पोस्ट में डोनाल्ड ट्रंप ने कहा कि अलग मुद्रा बनाने या फिर डॉलर के खिलाफ दूसरी मुद्रा का समर्थन करने पर भी अजाम भुगतना होगा।

उन्होंने कहा कि ब्रिक्स देशों को अमेरिका को निर्यात करने के लिए डॉलर का इस्तेमाल जारी रखना होगा। अगर ऐसा नहीं किया गया तो उन्हें बाहर का रास्ता दिखा दिया जाएगा।

सिंगापुर के साथ भारत ने की मिलिट्री एक्सरसाइज

नई दिल्ली. संयुक्त सैन्य अभ्यास अग्नि वारियर का 13 वां संस्करण का खत्म हुआ। भारतीय सेना और सिंगापुर सशस्त्र बलों के बीच एक जॉइंट मिलिट्री एक्सरसाइज शनिवार को फील्ड फायरिंग रेंज, देवलाली (महाराष्ट्र) में संपन्न हुआ। तीन दिवसीय अभ्यास 28 नवंबर से 30 नवंबर 2024 तक आयोजित किया गया। इसमें सिंगापुर सशस्त्र बल दल की भागीदारी देखी गई। इसमें सिंगापुर आर्टिलरी के 182 कर्मी शामिल थे और भारतीय सेना की टुकड़ी में आर्टिलरी रेजिमेंट के 114 कर्मी शामिल रहे।अभ्यास में दोनों सेनाओं की तोपखाने द्वारा जॉइंट स्ट्राइक प्लान, एग्जीक्यूशन और नई पीढ़ी के डिवाइस के उपयोग का प्रदर्शन किया गया।

इस कार्यक्रम को आर्टिलरी के महानिदेशक लेफ्टिनेंट जनरल अदोश कुमार, स्कूल ऑफ आर्टिलरी के कमांडेंट लेफ्टिनेंट जनरल एनएस सरना और सिंगापुर सशस्त्र बल के मुख्य आर्टिलरी अधिकारी कर्नल ओंग चिउ पेर्नग ने देखा।

गणमान्य व्यक्तियों ने उच्च स्तर की पेशेवर कौशल और विशेषज्ञता प्रदर्शित करने के लिए भाग लेने वाले सैनिकों की सराहना की।अभ्यास में व्यापक संयुक्त तैयारी, समन्वय, एक-दूसरे की क्षमताओं, प्रक्रियाओं की समझ और भारतीय और सिंगापुर तोपखाने प्रक्रियाओं के बीच सामान्य इंटरफेस का विकास शामिल था।

बांग्लादेश के 1000 इस्कॉन मंदिरों में होगी कृष्ण की प्रार्थना

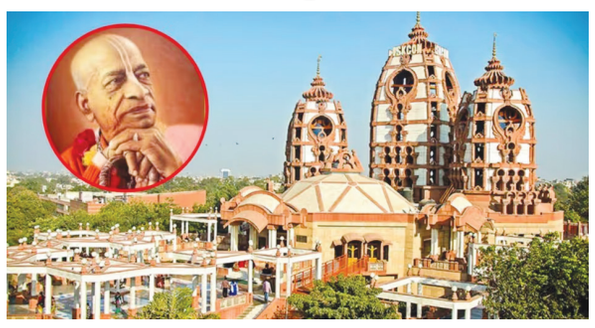

ढाका.

बांग्लादेश में हिंदू मंदिरों और अल्पसंख्यकों पर हमले को लेकर इस्कॉन एक बड़ा अभियान चलाने जा रहा है। इस्कॉन दुनियाभर के 1000 मंदिरों में प्रार्थना सभा का आयोजन करेगा। इस 'शांति प्रार्थना' में भगवान कृष्ण से बांग्लादेशी सरकार का सद्बुद्धि देने और वहां शांति के लिए प्रार्थना की जाएगी। इस्कॉन के कम्युनिकेशन डायरेक्टर वृजेंद्र नंदन दास ने कहा, जिस तरह से बांग्लादेश में श्रीकृष्ण के भक्त और हिंदू मारे जा रहे हैं, यह पूरी दुनिया के लिए चिंता का विषय है।बता दें कि बांग्लादेश में शेख हसीना की सरकार हटने के बाद से ही हिंदू धर्म स्थल निशाने पर हैं। हाल ही में हिंदू पुजारी चिन्मय दास प्रभु को राजद्रोह के माले में गिरफ्तार कर लिया गया। उनकी रिहाई के लिए हिंदू सड़कों पर उतर आए। चिन्मय दास से मिलने जब उनके दो साथी जेल पहुंचे तो शुक्रवार को उन्हें भी गिरफ्तार कर लिया गया।भारत ने बांग्लादेश की हरकत पर चिंता जताई है और अपील की है कि हिंदुओं पर अत्चायार तत्काल बंद किया जाए। चिन्मय दास की गिरफ्तारी पर भी विदेश मंत्रालय ने बयान जारी कर बांग्लादेश को चेतावनी दी थी। वहीं आरएसएस ने केंद्र सरकार से अपील की है कि बांग्लादेश में हिंदुओं पर हो रहे अत्याचार को लेकर सख्त कदम उठाने की जरूरत है।इस्कॉन कोलकाता के प्रवक्ता राधारमण ने शुक्रवार रात को 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, 'इस बीच, बुरी खबर आई है: चिन्मय प्रभु के लिए प्रसाद लेकर गए दो ब्रह्मचारियों को मंदिर लौटते समय गिरफ्तार कर लिया गया, और चिन्मय प्रभु के सचिव भी लापता हैं। कृपया उनके लिए प्रार्थना करें।'

मिडिल ईस्ट में छिड़ी जंग

नई दिल्ली. मिडिल ईस्ट पहले ही दो-दो जंग झेल रहा है। इजरायल लेबनान और गाजा युद्ध में उलझा हुआ है। अब मुस्लिम राष्ट्र सीरिया में इस्लामिक जिहादी ग्रुप तहरीर अल-शाम ने जंग का एक और मोर्चा शुरू कर दिया है। तीन दिन पहले उसने सीरियाई सरकार को जड़ से उखाड़ने फेंकने के लिए युद्ध शुरू कर दिया। इस इस्लामिक आतंकी संगठन ने सीरिया के दूसरे सबसे बड़े शहर अलेप्पो के बड़े हिस्से पर कब्जा कर लिया है। आठ साल पहले भी इसने सीरिया में जमकर तबाही मचाई थी और सीरिया को इसे खदेड़ने के लिए दो देशों की मदद लेनी पड़ी थी।

सीरियाई सेना ने शनिवार को पुष्टि की कि तहरीर अल-शाम आतंकी संगठन ने अलेप्पो के बड़े हिस्से पर कब्जा कर लिया है। महज 72 घंटे में इसने शहर पर वो कत्लेआम मचाया कि सेना को अपने पैर पीछे करने पड़े और युद्ध से भागना पड़ा। 2016 में सीरियाई राष्ट्रपति बशर अल-असद की सेना ने विद्रोहियों को अलेप्पो से बाहर खदेड़ दिया था और तब से कोई बड़ा हमला नहीं हुआ है।इस संगठन का पूरा नाम हयात तहरीर अल-शाम है। यह संगठन 2011 में अल-कायदा से जुड़े समूह जभात अल-नुसरा के रूप में उभरा था। इस समूह को बनाने में तथाकथित इस्लामिक स्टेट के पूर्व नेता अबू बकर अल-बगदादी की भी भूमिका थी।

यूएस में पाकिस्तानी होटल पर विवाद

वाशिंगटन.

अमेरिका में डोनाल्ड ट्रंप की सरकार आधिकारिक रूप से शुरू होने में अभी वक्त है। ट्रंप आगामी 20 जनवरी से अपना पदभार संभालेंगे। इससे पहले वो कैबिनेट मंत्रियों और महत्वपूर्ण पदों पर भर्ती कर रहे हैं। इस बीच न्यूयॉर्क में वर्षों पुराने होटल को लेकर विवाद गहरा गया है। हाल ही में एक रिपोर्ट सामने आई थी कि पाकिस्तानी सरकार के स्वामित्व वाली इस होटल को बचाने के लिए न्यूयॉर्क सिटी ने 220 मिलियन डॉलर (करीब 186 करोड़ रुपए) का भुगतान किया है। इस रिपोर्ट पर भारतवंशी और ट्रंप की सरकार में शामिल विवेक रामास्वामी भड़क गए हैं। उन्होंने इसे पागलपन करार दिया है।यह होटल अवैध आप्रवासियों को बसाने के लिए खोला गया था। अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति रूजवेल्ट के नाम से खोला गए इस होटल को अवैध आप्रवासियों का रहने वाला स्थान बताया जाता है। इस होटल का स्वामित्व पाकिस्तान इंटरनेशनल एयरलाइंस के पास है, जो पाकिस्तान की शहबाज शरीफ सरकार के अंतर्गत आता है। शनिवार को एक रिपोर्ट में दावा किया गया कि न्यूयॉर्क शहर ने अवैध आप्रवासियों को ठहराने के लिए पाकिस्तान सरकार के स्वामित्व वाले रूजवेल्ट होटल को किराए पर देने के लिए 220 मिलियन डॉलर का भुगतान किया है।

अमेरिका पर भड़क गया चीन

बीजिंग.

ताइवान को अमेरिकी हथियारों की बिक्री को मंजूरी दिए जाने पर चीन ने कड़ा रुख जताया है। वन चाइना नीति का उल्लंघन मानते हुए चीनी विदेश मंत्रालय ने दो टूक कहा है कि वह अपनी राष्ट्रीय संप्रभुता, सुरक्षा और आतंकवादी उपायों की रक्षा के लिए मजबूत और दृढ़ जवाबी कदम उठाएगा।

उसने अमेरिका से कहा है कि वह ताइवान को तुरंत हथियार देने बंद करे, नहीं तो कड़े कदम उठाए जाएंगे।

हाल ही में अमेरिकी रक्षा विभाग ने घोषणा की है कि विदेश विभाग की ओर से ताइवान को 385 मिलियन अमेरिकी डॉलर की कीमत के हथियारों की बिक्री को मंजूरी दी गई है। इसके बाद चीनी विदेश मंत्रालय भड़क गया।

ताइवान को अमेरिकी हथियारों की बिक्री को अंतर्राष्ट्रीय कानून का गंभीर उल्लंघन करार देते हुए चीनी विदेश मंत्रालय ने एक बयान में कहा, "चीन के ताइवान क्षेत्र को अमेरिकी हथियारों की बिक्री एक-चीन सिद्धांत और तीन चीन-अमेरिका संयुक्त कम्युनिक्यूज, विशेष रूप से 1982 की 17 अगस्त की कम्युनिक्यूज और चीन की संप्रभुता और सुरक्षा हितों का गंभीर उल्लंघन है।" आगे कहा गया कि बिक्री अंतर्राष्ट्रीय कानून का गंभीर उल्लंघन है, अलगाववादी ताकतों को एक गंभीर गलत संकेत भेजती है, और चीन-अमेरिका संबंधों और ताइवान जलडमरूमध्य में शांति और स्थिरता के लिए हानिकारक है।

ताइवान को हथियार बेचने का निर्णय अमेरिकी नेताओं की ताइवान स्वतंत्रता का समर्थन न करने की प्रतिबद्धता के साथ असंगत है।

चीन इसकी निंदा करता है और इसका कड़ा विरोध करता है और अमेरिका के समक्ष गंभीर विरोध दर्ज कराया है।

कितनी बार धुलने जाते हैं ट्रेन में मिलने वाले कंबल?

> रेलवे ने खुद दी जानकारी, नई तकनीक जल्द

नई दिल्ली.

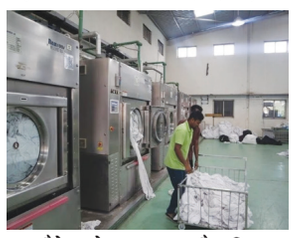

ट्रेन के एसी कोच में मिलने वाले कंबल कितनी बार धुलने जाते हैं इसको लेकर अक्सर सवाल उठते रहते हैं। अब रेलवे की तरफ से इसका जवाब दिया गया है। उत्तर रेलवे ने शनिवार को बताया कि इन कंबलों को हर 15 दिन पर धुलाया जाता है। इसके अलावा हर पखवाड़े पर इन पर नेफ्थलीन वैपोराइजेशन किया जाता है ताकि इन्हें संक्रमणमुक्त किया जा सके। इसके साथ ही बयान में यह भी बताया गया है कि रेलवे के कंबलों की धुलाई के लिए जल्द ही एक नई तकनीक इस्तेमाल में लाई जाएगी। इसके तहत कंबलों का यूवी रोबोटिक सैनेटाइजेशन किया जाएगा। गौरतलब है कि कुछ दिन पूर्व रेलमंत्री अश्विनी वैष्णव ने संसद में बताया था कि ट्रेन में मिलने वाले कंबल महीने में एक बार धुले जाते हैं। इसको लेकर काफी हंगामा भी मचा था।

पायलट प्रोजेक्ट के तौर पर यह सैनेटाइजेशन जम्मू और डिब्रूगढ़ राजधानी ट्रेनों में शुरू किया जाएगा। इसके तहत हर ट्रिप के बाद कंबलों का सैनेटाइजेशन होगा। यूवी रोबोटिक सैनेटाइजेशन में अल्ट्रावॉयलेट किरणों का इस्तेमाल कर कीटाणुओं को खत्म किया जाता है। उत्तरी रेलवे के प्रवक्ता हिमांशु शेखर ने शनिवार को इस बारे में जानकारी देते हुए कहाकि नेफ्थलीन वैपोराइजेशन काफी वक्त से आजमाई हुई प्रक्रिया है। उन्होंने आगे कहाकि कॉटन लिनेन को मशीनी लॉण्ड्री में धुला जाता है। साथ ही इनके लिए व्हीटोमीटर टेस्ट पास करना भी अनिवार्य है।

रेलवे प्रवक्ता ने बताया कि 2010 के पहले ऊनी कंबलों को हर दूसरे-तीसरे महीने पर धुला जाता था। इसके बाद यह हर महीने धुले जाने लगे। अब यह प्रक्रिया हर 15 दिन के बाद की जाती है। उन्होंने कहाकि जहां हमारे सामने संसाधनों की चुनौती है, वहां पर महीने में कम से कम एक बार तो इन कंबलों को धुला ही जाता है। उन्होंने कहाकि हालांकि यह अपवादस्वरूप ही है कि महीने में एक ही बार कंबल धुले गए।

रूटीन में ऐसा नहीं होता। गौरतलब है कि भारतीय रेलवे देशभर में हर दिन यात्रियों को छह लाख से ज्यादा कंबल मुहैया कराती है। वहीं, उत्तर रेलवे जोन में हर दिन एक लाख से ज्यादा कंबल और बेड रोल यात्रियों को दिए जाते हैं।

रेलवे मंत्री ने क्या कहा था

गौरतलब है कि कुछ दिन पूर्व कांग्रेस सांसद कुलदीप इंदौरा ने ट्रेन में मिलने वाले कंबलों की सफाई पर रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव से संसद में सवाल पूछा था। तब रेल मंत्री ने अपने जवाब में कहा था कि ट्रेन में यात्रियों को दिए जाने वाले कंबल कम से कम महीने में एक बार जरूर धोए जाते हैं। इस दौरान उन्होंने यह भी बताया था कि बेड किट में एक एक्स्ट्रा चादर भी दी जाती है। इसके कंबल के कवर के तौर पर यूज किया जा सकता है।

आरक्षण के खिलाफ बोलना अपराध नहीं

> बॉम्बे हाई कोर्ट ने एससी-एसटी ऐक्ट के तहत केस गलत

मुंबई.

जातिगत आरक्षण पर बोलना किसी समुदाय के खिलाफ नहीं माना जाता सकता और ऐसे मामले में एससी-एसटी ऐक्ट के तहत केस भी नहीं दर्ज हो सकता। बॉम्बे हाई कोर्ट ने एक केस की सुनवाई करते हुए यह आदेश दिया। एक महिला ने अपने बॉयफ्रेंड के साथ रिलेशनशिप खत्म करते हुए उसे वॉट्सऐप पर एक मेसेज भेजा था। शख्स का दावा था कि महिला ने वॉट्सऐप पर उसे जातिगत टिप्पणी करने वाला मेसेज भेजा और आरक्षण के खिलाफ भी टिप्पणी की। इस पर उच्च न्यायालय ने कहा कि दो लोगों के बीच वॉट्सऐप पर हुई बात और खासतौर पर मेसेज फॉरवर्ड करने को इस दायरे में नहीं लिया जा सकता।

बेंच ने कहा कि उस मेसेज में जातिगत आरक्षण पर टिप्पणी की गई थी और वह भी फॉरवर्ड मेसेज था। इस तरह महज आरक्षण पर टिप्पणी करना और वह भी व्यक्तिगत बातचीत को एससी-एसटी ऐक्ट के दायरे में नहीं रखा जा सकता। यह कहते हुए अदालत ने महिला पर दर्ज केस को खत्म करने के निचली अदालत के फैसले को बरकरार रखा। कोर्ट ने कहा कि महिला ने सार्वजनिक तौर पर कोई जातिगत टिप्पणी नहीं की। शख्स को अपमानित नहीं किया और ना ही यह एससी-एसटी वर्ग के लोगों की भावनाओं को आहत करने वाली कोई बात थी।जस्टिस उर्मिला जोशी-फालके ने कहा, 'पूरे मामले को समझें तो पता चलता है कि वॉट्सऐप पर भेजा गया मेसेज जाति आधारित आरक्षण को लेकर था। ऐसे संदेश में ऐसा कुछ नहीं था, जिसे कहा जा सके कि अनुसूचित जाति और जनजाति वर्ग के लोगों को अपमानित करने की कोशिश की गई। ऐसा लगता है कि महिला का साफ संदेश शिकायतकर्ता के लिए ही था। लेकिन उस महिला ने ऐसा कुछ भी नहीं लिखा, जिसे अनुसूचित जाति और जनजाति वर्ग के लिए अपमानजनक कहा जा सके या घृणा पैदा करने की कोशिश कहा जाए।'

रिश्ता टूटा तो महिला पर किया केस

दरअसल यह पूरा मामला नागपुर का है, जहां एक 29 साल के सॉफ्टवेयर इंजीनियर का रिलेशन 28 साल की महिला से था। दोनों ही मध्य प्रदेश के रहने वाले हैं। दोनों ने रिलेशनशिप के बाद एक मंदिर में गुपचुप ही शादी कर ली थी। इस रिश्ते को उन्होंने अपने परिवारों से छिपा रखा था। हालांकि रिश्ता तब बिगड़ा, जब महिला को पता लगा कि वह शख्स अनुसूचित जाति का है। इसके बाद उसने संबंध कर लिए। रिश्ते बिगड़ने के दौरान ही उसने एक मेसेज भेजा था, जिसे आधार बनाते हुए शख्स ने केस दर्ज कर दिया और महिला के पिता को भी आरोपी बनाया।

चार्ल्स कुशनर बने फ्रांस में यूएसए के राजदूत

वाशिंगटन.

संयुक्त राज्य अमेरिका के नव निर्वाचित राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप अपनी टीम बनाने में जुटे हुए हैं। हाल ही में उन्होंने अपने दामाद जेरेड कुशनर के पिता को अपनी टीम में शामिल करते हुए महत्वपूर्ण दायित्व दिया है। ट्रंप ने चार्ल्स को फ्रांस में अमेरिका के राजदूत के रूप में नियुक्त किया है।

पिछले कार्यकाल के दौरान जेरेड और इवांका ट्रंप की टीम का अहम हिस्सा थे। ट्रूथ सोशल वेबसाइट से बात करते हुए ट्रंप ने कहा कि कुशनर एक जबरदस्त बिजनेस लीडर, परोपकारी और डीलमेकर हैं। जो अमेरिका और उसके हितों का नेतृत्व करेंगे। उन्होंने कहा कि उनके बेटे जेरेड ने भी मेरे पिछले कार्यकाल के दौरान व्हाइट हाउस में मिलकर काम किया था।

कुशनर को फ्रांस में राजदूत के रूप में चुनना ट्रंप के उसी पैटर्न का हिस्सा है, जिसमें वह अक्सर उन्हीं लोगों को चुनते हैं जो उनके करीब होता है या उनके परिवार का हिस्सा होता है। कुशनर एक मिलियनर रियल एस्टेट व्यापारी हैं। एक वकील भी हैं। ट्रंप की नई पसंद कुशनर टैक्स चोरी के आरोपों में जेल की सजा भी काट चुके हैं।

चार्ल्स कुशनर फिलहाल 70 साल के हैं। 2004 में उन्हें टैक्स चोरी, गवाहों से छेड़छाड़ जैसे 18 मामलों में दोषी माना ठहराया गया था।

गवाहों से छेड़छाड़ के मामले के दौरान कुशनर ने स्वीकार किया था कि उन्होंने अपने बहनोई और उनके एक साथी को ब्लैकमेल करने के लिए एक प्रोस्टिट्यूट को हायर किया था।

इन दोनों का एक वीडियो टेप बनाकर कुशनर ने उस व्यक्ति की पत्नी और अपनी बहन के पास भेजा ताकि उसे अपने खिलाफ गवाही देने से रोका जा सके।